वर्ष 72 ▸ अंक 313 ▸ पृष्ठ 12
रीवा, रविवार 10 अगस्त, 2025
भाद्रपद कृष्ण पक्ष 01, विक्रम संवत् 2082
नगर ▸ मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण Sunday

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार
www.dainikjagranmpcg.com

ऑफ बीट

फूलों की महक से हार्ट अटैक, बदली जिंदगी!

मौत को देखने के अनुभव दुनिया में बहुत से लोगों को हुए हैं। यहां तक कि ये अनुभव भी अलग अलग तरह के होते रहे हैं। किसी को केवल दूसरी दुनिया में जाने का रास्ता दिखता है, कोई केवल स्वर्ग का दरवाज़ा देख कर लौटा है तो किसी ने फरिश्तों से बातचीत तक की है। ऐसे अनुभव करने वाले अधिकांश लोगों की जिंदगी ही इसके बाद बदल गई है। 2018 में कनाडा की एक नर्स जूलिया इवांस के साथ भी कुछ ऐसा ही पर बहुत अनोखा हुआ था। असल में जूलिया को लिली के फूलों की महक से एक गंभीर एलर्जिक रिएक्शन शुरू हुआ। इसका नतीजा जल्दी ही कार्डिएक अरेस्ट, में बदल गया है।

रेलवे की नई स्कीम: त्यौहार के मौसम में आने-जाने का टिकट एक साथ बुक करने पर 20% की छूट

नई दिल्ली, जेएनएन। रेलवे ने दिवाली और अन्य त्योहारों के दौरान घर जाने वाले यात्रियों के लिए एक नई प्रायोगिक स्कीम शुरू की है। इसके तहत यदि कोई यात्री आने और जाने का टिकट एक साथ बुक करता है, तो रिटर्न टिकट पर 20 फीसदी का डिस्काउंट मिलेगा। हालांकि, अलग-अलग समय पर टिकट बुक करने पर यह छूट नहीं मिलेगी। रेलवे के मुताबिक, इस स्कीम का उद्देश्य त्योहारों में भीड़ कम करना और यात्रियों को आर्थिक लाभ देना है। इस योजना के तहत बुकिंग 14 अगस्त से शुरू होगी।

छूट पाने के नियम

जोड़ी की ट्रेन में हो टिकट: यदि रानी कमलापति-हजरत निजामुद्दीन (12155) से जाते हैं, तो रिटर्न टिकट भी हजरत निजामुद्दीन-रानी कमलापति (12156) की उसी जोड़ी की ट्रेन से ही होना चाहिए।

टिकट डिटेल्स समान हों: शुरुआत और गंतव्य, यात्री का नाम, उम्र, दूरी और क्लास (स्लीपर, 3एसी, 2एसी) दोनों टिकटों में समान होना अनिवार्य है।

सभी ट्रेनों में नहीं: यह छूट फ्लेक्सी फेयर (डायनेमिक प्राइसिंग) वाली ट्रेनों पर लागू नहीं होगी।

नियमों में बदलाव

आने का टिकट 13 से 26 अक्टूबर के बीच और वापसी टिकट 17 नवंबर से 1 दिसंबर के बीच की यात्रा के लिए मान्य होगा।

अगर ग्राहक इस निर्धारित औसत मासिक बैलेंस से कम राशि रखते हैं, तो उन्हें पेनल्टी का सामना करना पड़ेगा।

आईसीआईसीआई: सेविंग अकाउंट में न्यूनतम बैलेंस की लिमिट 10 से बढ़ाकर 50 हजार की

नई दिल्ली, जेएनएन। देश के प्रमुख निजी बैंक आईसीआईसीआई ने अपने नए सेविंग अकाउंट धारकों के लिए मिनिमम अकाउंट बैलेंस (एमएबी) की सीमा में बड़ा बदलाव किया है। मेट्रो और शहरी क्षेत्रों में नए बचत खातों में ग्राहकों को कम से कम 50,000 रुपए का औसत मासिक बैलेंस बनाए रखना होगा। यह सीमा पहले 10,000 थी। इसी तरह अर्ध-शहरी क्षेत्रों में सीमा 5,000 से बढ़ाकर 25,000 कर दी गई है, जबकि ग्रामीण खातों के लिए मिनिमम बैलेंस 2,500 से बढ़ाकर 10,000 रुपए किया गया है।

केवल नए खातों पर लागू

बैंक ने स्पष्ट किया है कि नया नियम 1 अगस्त के बाद खोले सेविंग अकाउंट पर लागू होगा। पुराने खातों में कोई बदलाव नहीं किया है। मौजूदा ग्राहक पहले की ही मिनिमम बैलेंस लिमिट के तहत रहेंगे। **2015 के बाद बदलाव:** बैंक ने मिनिमम अकाउंट बैलेंस की सीमा में बदलाव लगभग 10 साल बाद किया है। 2015 से अब तक मेट्रो और शहरी क्षेत्रों में 10,000 और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में 5,000 और ग्रामीण क्षेत्रों में 2,500 था। संचालन खर्च में वृद्धि को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

राहुल के 'वोट चोरी' के बाद एनसीपी (एसपी) प्रमुख का 'सीट चोरी' पर बड़ा बयान

पवार का दावा: विस चुनाव में मिला था 160 सीटों पर जीत का ऑफर

नागपुर, जेएनएन। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार को एक चौंकाने वाला दावा किया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले दो लोग उनसे मिले थे और 288 सीटों में से 160 सीटें 'गारंटी' से जिताने का प्रस्ताव दिया था। पवार ने कहा कि उन्होंने इन लोगों की मुलाकात कांग्रेस नेता राहुल गांधी से भी कराई, लेकिन दोनों नेताओं ने इस पेशकश को ठुकरा दिया।

पवार ने नागपुर में पत्रकारों से बातचीत में कहा, उन्होंने जो दावा किया, उस पर मुझे व्यक्तिगत तौर पर कोई भरोसा नहीं था, लेकिन ऐसे लोग सामने आ ही जाते हैं, इसलिए मैंने उन्हें नजरअंदाज कर दिया। बाद में मैंने इनकी मुलाकात राहुल गांधी से कराई। उन्होंने भी बातें सुनीं, लेकिन हम दोनों ने ठान लिया कि इस पर ध्यान नहीं देंगे। यह हमारा रास्ता नहीं है। हम जनता के पास जाएंगे और उनका समर्थन हासिल करेंगे।'पवार ने खुलासा ऐसे समय में किया है जब राहुल गांधी हाल ही में चुनावी प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों और 'वोट चोरी' को लेकर पांच गंभीर अनियमितताओं का खुलासा कर चुके हैं। राहुल गांधी ने कहा था कि मतदाता सूची में हेराफेरी, वोटों की अदला-बदली, फर्जी वोटिंग, ईवीएम के गलत इस्तेमाल और परिणामों में मनमानी ये पांच तरीके हैं जिनसे जनादेश को प्रभावित किया जा रहा है। पवार ने राहुल गांधी के हालिया प्रेजेंटेशन की तारीफ करते हुए चुनाव आयोग की आलोचना की कि वह राहुल से अलग से शपथ-पत्र मांग रहा है। ■ शेष पृष्ठ 7 पर

> "चुनाव घोषित होने से पहले दिल्ली में दो लोग मुझसे मिले। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की 288 सीटों में से 160 सीटें वे हमें पक्की दिला देंगे। मैं हैरान रह गया।
> ▸ **शरद पवार**, एनसीपी (एसपी) प्रमुख

फडणवीस का पलटवार: 'झूठ बोलते हैं और भाग जाते हैं'

पवार के बयान के कुछ घंटे बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, 'ये लोग संसद में शपथ का हवाला देते हैं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में क्या संसद की शपथ मान्य है? इन्हें पता है कि अगर झूठ पकड़ा गया, तो इनके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई हो सकती है, इसलिए ये झूठ बोलते हैं और भाग जाते हैं।' उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाए हैं, लेकिन पवार साहब पहले कभी ऐसा नहीं कहते थे। यह राहुल गांधी का असर है।

चुनाव आयोग से पांच सवाल

- 'सीट गारंटी' जैसे गंभीर दावों पर क्या चुनाव आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया है?
- राहुल गांधी के वोट चोरी से जुड़े पांच आरोपों पर आयोग ने अब तक कौन सी ठोस कार्रवाई की है?
- जब उम्मीदवार संसद में शपथ ले चुके हैं, तो अलग से शपथ-पत्र मांगने का कानूनी औचित्य क्या है?
- क्या आयोग यह सुनिश्चित कर सकता है कि चुनाव से पहले किसी दल या नेता को सीटों का 'प्रस्ताव' मिलना पूरी तरह असंभव हो?
- क्या आयोग इस मामले में स्वतंत्र जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट या किसी उच्च स्तरीय समिति को शामिल करेगा, ताकि पारदर्शिता बनी रहे?

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस चेलमेश्वर की चेतावनी

चुनावी जीत का अर्थ यह नहीं कि जो चाहें वह करें

नई दिल्ली, जेएनएन। पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज जस्टिस जस्ती चेलमेश्वर ने शनिवार को चेतावनी दी कि देश में चुने हुए प्रतिनिधियों के बीच यह सोच बढ़ रही है कि जनता का जनादेश मिलने के बाद वे जो भी करेंगे, वह स्वतः सही है। यह सोच संविधान द्वारा मान्य नहीं है और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए खतरा है।

'धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद' विषय पर व्याख्यान देते हुए उन्होंने कहा कि जब तक मौजूदा कानूनी ढांचा लागू है, हमें इसे स्वीकार करना होगा। उन्होंने कहा, 'अगर आपको यह संविधान पसंद नहीं है तो इसे खत्म करने की बहस अलग है। लेकिन जब तक यह व्यवस्था है, विधायी निकायों और संवैधानिक शुद्धता के बीच कानूनी व्यवस्था ही निर्णायक है, और इसे मानना ही होगा।' उन्होंने कहा, अगर बाकी पूरा संविधान लोगों को समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष ढांचा नहीं दिखा सका तो दो शब्द जोड़ने से क्या फर्क पड़ा? ■ शेष पृष्ठ 7 पर

> "आजकल हालात यह हैं कि जनप्रतिनिधि मान लेते हैं कि हमें जनता का जनादेश मिला है, तो हम जो करेंगे वह सही है। यही असली संवैधानिक मुद्दा है। यह संविधान की स्वीकृति में नहीं आता।
> ■ **जस्टिस चेलमेश्वर**, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज

'धर्मनिरपेक्ष' शब्द हटाने की कोशिश शरारत: जस्टिस जोसेफ

पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज जस्टिस केएम जोसेफ ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति संविधान की प्रस्तावना से 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द हटाने की कोशिश करता है, तो यह निश्चित रूप से शरारतपूर्ण इरादा होगा। उन्होंने कहा कि भारत संविधान के तहत वैसे भी एक धर्मनिरपेक्ष देश है, इसलिए इस शब्द को हटाने का औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा, 'धर्म स्वयं कोई समस्या नहीं है। वास्तव में हिन्दू धर्म विश्व में सबसे सहिष्णु धर्म माना जाता है। हाल के वर्षों में अलग माहौल दिख रहा है, इसके कारण राजनीतिक हैं।' जस्टिस जोसेफ ने स्पष्ट कहा, मेरे विचार में, यदि कोई धर्मनिरपेक्षता शब्द हटाना चाहता है, तो उसका इरादा गड़बड़ी पैदा करना है।

संक्षिप्त खबरें

बेंगलुरु में बनेगा दूसरा सबसे बड़ा क्रिकेट मैदान

बेंगलुरु, जेएनएन। जल्द ही देश का दूसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम बेंगलुरु में बनने जा रहा है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कर्नाटक हाउसिंग बोर्ड के सूर्या सिटी, बोम्मासंद्रा में 100 एकड़ में फैले इस अत्याधुनिक स्टेडियम के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। 1,650 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला यह स्टेडियम एक साथ 80 हजार दर्शकों की मेजबानी कर सकेगा। दर्शक क्षमता के लिहाज से यह अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम के बाद देश का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम होगा। यह नया स्टेडियम मौजूदा एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम से करीब 22 किलोमीटर दूर होगा। 1650 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली इस परियोजना का पूरा खर्च कर्नाटक हाउसिंग बोर्ड वहन करेगा।

सिब्बल का तंज

'लापता लेडीज' सुना था पर 'लापता उपराष्ट्रपति'!

नई दिल्ली, जेएनएन। पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने शनिवार को उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद जगदीप धनखड़ की मौजूदा स्थिति और ठिकाने पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि उन्होंने 'लापता लेडीज' फिल्म का नाम सुना है, लेकिन 'लापता उपराष्ट्रपति' के बारे में कभी नहीं सुना।

सिब्बल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मांग की कि वे संसद या सार्वजनिक रूप से धनखड़ के स्वास्थ्य और उनके ताजा ठिकाने पर बयान दें, ताकि देश की चिंताएं दूर हो सकें। धनखड़ ने 21 जुलाई को संसद के मानसून सत्र के पहले दिन स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अचानक इस्तीफा दिया था।

रायसेन: आज राजनाथ करेंगे रेल कोच इकाई का भूमिपूजन

जागरण, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि रविवार को प्रदेश को एक बड़ी सौगात मिलने जा रही है। रायसेन जिले के ग्राम उमरिया में 60 हेक्टेयर भूमि पर 1800 करोड़ रुपए की लागत से बीईएमएल रेल हब फॉर मैन्युफैक्चरिंग (ब्रह्मा परियोजना) स्थापित की जाएगी। इसका भूमि-पूजन 10 अगस्त को औबेदुल्लागंज के दशहरा मैदान में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, रक्षा उत्पाद सचिव संजीव कुमार, रेलवे बोर्ड अध्यक्ष सतीश कुमार और भारत अर्थ मूवर्स लि. के अध्यक्ष शांतनु राय शामिल होंगे। इस मौके पर परियोजना पर केंद्रित लघु फिल्म, प्लांट का 3डी वॉक थ्रू और संयंत्र मॉडल भी प्रदर्शित होंगे। ■ शेष पृष्ठ 7 पर

बनेंगे 125-200 कोच

इस संयंत्र की प्रारंभिक उत्पादन क्षमता 125-200 कोच प्रतिवर्ष होगी, जिसे पांच वर्षों में बढ़ाकर 1,100 कोच किया जाएगा। इससे प्रदेश के युवाओं को उच्च स्तरीय औद्योगिक रोजगार मिलेगा और तकनीकी क्षमताएं बढ़ेंगी।

334 गैर-मान्यता प्राप्त दल सूची से हटाये गये

नई दिल्ली, जेएनएन। चुनाव आयोग ने शनिवार को बड़ा कदम उठाते हुए 334 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को सूची से हटा दिया है।

इन दलों ने 2019 से अब तक यानी पिछले छह साल में लोकसभा, विधानसभा या उपचुनावों में एक भी बार चुनाव नहीं लड़ा। इसके अलावा, इनके कार्यालयों का भौतिक रूप से कोई पता भी नहीं मिला। आयोग के अनुसार, देशभर के विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में ऐसे दल मौजूद थे। सफाई अभियान के बाद अब 2,854 में से 2,520 गैर मान्यता प्राप्त दल ही बचे हैं। गौरतलब है कि गैर मान्यता प्राप्त दलों के अलावा भारत में छह राष्ट्रीय और 67 राज्यस्तरीय दल सक्रिय हैं।

ऑपरेशन सिंदूर पर एयरफोर्स चीफ का बयान, कहा- पाक के 5 विमान मार गिराए

300 किमी दूरी पर पाक का सर्विलांस एयर क्रॉफ्ट किया ध्वस्त, यह अब तक का रिकॉर्ड

बेंगलुरु, जेएनएन। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने शनिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के 5 लड़ाकू विमानों को मार गिराया। साथ ही लगभग 300 किलोमीटर दूर स्थित एक सर्विलांस एयरक्राफ्ट को भी ध्वस्त किया। यह सतह से हवा में मार करने की श्रेणी में अब तक का रिकॉर्ड है। वे बेंगलुरु स्थित एचएएल मैनेजमेंट अकादमी ऑडिटोरियम में आयोजित एयर चीफ मार्शल एलएम कात्रे मेमोरियल लेक्चर के 16वें संस्करण को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत का एयर डिफेंस सिस्टम अभेद्य साबित हुआ और पाकिस्तान इसे भेदने में नाकाम रहा। उन्होंने खास तौर पर हाल ही में खरीदे गए एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम को 'गेम-चेंजर' बताते हुए कहा, 'पाकिस्तान के पास लंबी दूरी के ग्लाइड बम थे, लेकिन वे उनका भी इस्तेमाल नहीं कर पाए।' ■ शेष पृष्ठ 7 पर

सफलता के दो अहम फर्क

सेना को खुली छूट: सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का एक बड़ा कारण राजनीतिक इच्छाशक्ति थी। हमें साफ निर्देश और खुली छूट दी गई थी। योजना बनाना और उसे लागू करना हमारे हाथ में था।

90 घंटे की पीछे हटा पाक: यह एक उच्च तकनीकी युद्ध था, जो करीब 80-90 घंटे चला। इस दौरान पाकिस्तान को इतना नुकसान हुआ कि उन्हें समझ आ गया अगर लड़ाई जारी रखी तो कीमत और ज्यादा चुकानी पड़ेगी।

गमगीन रक्षाबंधन: जवान मोहित का शव पहुंचा गांव

बहनों ने शहीद भाई की कलाई पर बांधी राखी

जागरण, अकोदिया। मणिपुर में ड्यूटी के दौरान वाहन दुर्घटना में शहीद सीआरपीएफ जवान मोहित सेन (22) का शनिवार को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। रक्षाबंधन के दिन शहीद का शव शाजापुर जिले के अकोदिया पहुंचा, जहां पूरा नगर शहीद को नमन करने उमड़ पड़ा। वहीं अपने शहीद भाई के लिए बिलखती बहनों ने उसके शव को ही राखी बांधकर अपना स्नेहपूर्ण श्रद्धांजलि दी। शाजापुर के अकोदिया निवासी मोहित बीते दो सालों से मणिपुर में तैनात था। तीन दिन पहले ड्यूटी के दौरान एक वाहन दुर्घटना में वह शहीद हो गया था। शनिवार सुबह शहीद का पार्थिव देह भोपाल विमानतल पहुंचा, यहां से वाहन द्वारा पूरे सम्मान के साथ पार्थिव देह अकोदिया के ग्राम रानी बड़ौद लाई गई। शहीद भाई को देखते ही उसकी तीनों बहनें बिलख उठीं। तिरंगे में लिपटे भाई की कलाई पर उन्होंने राखी बांधी। मोहित के शहीद होने की सूचना 6 अगस्त को ही परिवारजनों को दी गई थी। शहीद मोहित को उनके गृह ग्राम रानी बड़ोद के मुक्ति धाम पर 120 बटालियन के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर के साथ शहीद को सलामी दी।

1 साल के मासूम ने निगला एलईडी बल्ब, गले में फंसा

जागरण, खंडवा। शहर में एक साल के मासूम को परिजन जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। परिजनों ने डॉक्टर को बताया कि उनका बेटा उल्टियां कर रहा है और हम उसे कुछ खिला नहीं पा रहे, वह बहुत रो रहा है। इसके बाद जिला अस्पताल के डॉक्टरों की टीम ने बच्चे का चेकअप किया और एक्सरे करवाने के बाद पता चला कि बच्चे के गले में कोई एलिमेंट फंसा हुआ है। जांच रिपोर्ट देखने के बाद डॉक्टरों की टीम ने कड़ी मशक्कत कर बच्चे के गले से एक एलईडी बल्ब का टुकड़ा निकाला, जो गले में फंसा हुआ था। ■ शेष पृष्ठ 7 पर

अपर कलेक्टर का प्रभार लेने से पहले दो अधिकारियों को कलेक्टर ने थमाया इंक्रीमेंट रोकने का नोटिस

सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों में लापरवाही पर सभी एसडीएम, तहसीलदार, कॉलेज प्राचार्य सहित 40 अधिकारियों कार्यवाही की जद में

एक आईएएस अधिकारी को भी एक इंक्रीमेंट रोकने शोकॉज

जागरण, रीवा

अपर कलेक्टर का प्रभार लेने से पहले रीवा जिले के दो संयुक्त कलेक्टरों को कलेक्टर रीवा प्रतिभा पाल ने इंक्रीमेंट रोकने का नोटिस जारी किया है। दरअसल कलेक्टर प्रतिभा पाल ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बरतने पर 40 अधिकारियों को एक वेतनवृद्धि रोकने का नोटिस दिया है। इनमें दोनो संयुक्त कलेक्टर पीएस त्रिपाठी एसडीएम त्योथर व पीके पांडेय एसडीएम सिरमौर शामिल हैं। बतादें कि पीएस त्रिपाठी को प्रमोट कर सिंगरौली व पीके पांडेय को प्रमोट कर मऊगंज का अपर कलेक्टर बनाया गया है। इसी प्रकार आइएएस वैशाली जैन को एक वेतन वृद्धि रोकने की नोटिस दी गई है। कलेक्टर प्रतिभापाल ने यह कार्यवाही सीएम

हेल्पलाइन में 100 दिवस से अधिक समय से लंबित प्रकरणों का निराकरण न करने तथा वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना करने पर किया है। नोटिस का तीन दिवस में संतोषजनक उत्तर प्राप्त न होने पर एकपक्षीय कार्यवाही की जाएगी। जारी अलग-अलग नोटिस के अनुसार कलेक्टर ने एसडीएम हुजूर वैशाली जैन, एसडीएम त्योंथर पीएस त्रिपाठी, एसडीएम जवा पीयूष भट्ट, एसडीएम मनगवां संजय जैन, एसडीएम गुढ़ अनुराग तिवारी तथा एसडीएम सिरमौर पीके पाण्डेय को नोटिस दिया है। कलेक्टर ने तहसीलदार सिरमौर अनुपम पाण्डेय, तहसीलदार गुढ़ अरूण यादव, तहसीलदार हुजूर शिवशंकर शुक्ला, तहसीलदार हुजूर ग्रामीण विन्ध्या मिश्रा, तहसीलदार सेमरिया अर्जुन बेलवंशी, तहसीलदार रायपुर कर्चुलियान विनयमूर्ति शर्मा, तहसीलदार मनगवां आंचल अग्रहरी, तहसीलदार जवा जीतेन्द्र तिवारी तथा तहसीलदार त्योंथर राजेन्द्र शुक्ला को नोटिस दिया है। कलेक्टर ने जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरिश्चन्द्र द्विवेदी सिरमौर, प्रवीण बसोड़ त्योंथर, सुलभ सिंह कुसाम जवा, संजय सिंह रायपुर कर्चुलियान, पूनम दुबे रीवा तथा प्राची चौबे गंगेव को भी नोटिस दिया है।

कलेक्टर ने कार्यपालन यंत्री जल संसाधन मनोज तिवारी, कार्यपालन यंत्री पीएचई संजय पाण्डेय, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग नितिन पटेल, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास नयन सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला तथा जिला आपूर्ति नियंत्रक कमलेश टाण्डेकर को भी नोटिस दिया है। कलेक्टर ने उपायुक्त सहकारिता ज्ञानेन्द्र पाण्डेय, श्रम अधिकारी प्रिया अग्रवाल, प्राचार्य ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय अर्पिता अवस्थी, सहायक संचालक पिछड़ावर्ग सुमन द्विवेदी, अधीक्षण यंत्री ऊर्जा विभाग बृजेश शुक्ला, जिला संयोजक अनुसूचित जाति कल्याण विभाग कमलेश्वर सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी रामराज मिश्रा तथा अग्रणी बैंक प्रबंध जगमोहन को भी नोटिस दिया है। कलेक्टर ने उप संचालक कृषि यूपी बागरी, जिला आयुष अधिकारी शारदा मिश्रा, उप संचालक पशुपालन डॉ राजेश मिश्रा, उप संचालक खनिज दीपमाला तिवारी, महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र जेपी तिवारी को भी नोटिस दिया है।

नीट यूजी काउंसलिंग: स्टेट कोटे के लिए भी संशोधित शेड्यूल जारी

रीवा। मध्य प्रदेश में मेडिकल और डेंटल कॉलेजों में एडमिशन के लिए दाखिले की प्रक्रिया चल रही है। मेडिकल काउंसलिंग कमेटी (एमसीसी) द्वारा ऑल इंडिया कोटे के पहले चरण के लिए किए गए बदलाव के बाद स्टेट कोटे की सीटों की प्रवेश प्रक्रिया में भी बदलाव हो गया है। कमिश्नर मेडिकल एजुकेशन भोपाल ने बदलाव करते हुए नया शेड्यूल जारी कर दिया है। जिसके अनुसार रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया गुरुवार से शुरू हो गई जो 11 अगस्त तक मेरिट चलेगी। 12 अगस्त को संसोधित सूची का प्रकाशन होगा। 13 से 15 अगस्त के बीच स्टूडेंट्स च्वॉइस फिलिंग करेंगे। 18 अगस्त को पहले राउंड का अलॉटमेंट जारी होगा। इसके बाद 19 अगस्त से कैंडीडेट्स डॉक्युमेंट वेरिफिकेशन करा सकेंगे। यह प्रक्रिया 23 अगस्त तक चलेगी। इसी दौरान प्रवेश भी होंगे, जिसके साथ स्टूडेंट्स को अपग्रेडेशन का विकल्प भी मिलेगा। बता दें कि श्यामशाह मेडिकल कॉलेज में 150 सीटों पर प्रवेश होना है। इसमें से ऑल इंडिया कोटे की 22 सीटें हैं। इसके अलावा गवर्नमेंट ऑफइंडिया की 3 और स्टेट कोटे की 125 सीटें हैं।

प्रशस्ति पत्र के लिए 12 अगस्त तक मांगे नाम

रीवा। स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह 15 अगस्त को सुबह 9 बजे से एसएएफ मैदान रीवा में आरंभ होगा। समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण करके परेड की सलामी ली जाएगी। समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों तथा कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित ? किया जाएगा। इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने कहा है कि सभी कार्यालय प्रमुख स्वतंत्रता दिवस पर सम्मानित किए जाने वाले शासकीय सेवकों के प्रस्ताव 12 अगस्त को शाम 5 बजे तक जिला पंचायत कार्यालय में अनिवार्य रूप से प्रस्तुत कर दें। प्रस्तावों में अधिकारी और कर्मचारी द्वारा किए गए विशिष्ट कार्यों और उपलब्धियों का उल्लेख करें। यदि किसी व्यक्ति को शासकीय कार्यों में लापरवाही बरतने पर विभागीय जाँच अथवा अन्य दण्ड दिए गए हैं तो उनके नाम प्रस्तावित न करें।

आवास फर्जीवाड़ा: खुद के मकान होते हुए पीएम आवास हासिल कर हितग्राही कमा रहे किराया

नगर निगम द्वारा कराये जा रहे सर्वेक्षण में खुली पोल

50 फीसदी पीएम आवास अपात्रों को किये गये हैं आवंटित

जागरण, रीवा। नगर निगम द्वारा कराये जा रहे स्वामित्व सर्वेक्षण में पीएम आवास आवंटन में किये गये फर्जीवाड़े की पोल खुल गई है। खुद के मकान होते हुए भी पीएम आवास हासिल कर हितग्राही किराये पर देकर मुनाफा कमा रहे हैं। स्वामित्व सर्वेक्षण के पहले दिन कुल 136 पीएम आवासों का सर्वेक्षण किया गया, जिनमें लगभग 50 फीसदी पीएम आवासों का ही आवंटन सही पाया गया। बाकी के सभी पीएम आवासों में किरायेदार पाये गये, जिन्होंने बताया कि जिनके नाम यह आवास आवंटित हैं, वे अपने पुस्तैनी मकान में रह रहे हैं। निगमायुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देश पर नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत सुन्दर नगर, गोल क्वाटर्स, ललपा, आदि स्थानों में निर्मित एएचपी अंतर्गत ईडब्ल्यूएस आवासों में स्वामित्व संबंधी सर्वेक्षण कराया जा रहा है। इसका मुख्य उददेश्य आवंटित हितग्राहियों द्वारा किराये पर दिया जाना एवं रिश्तेदारों को रखने आदि की जानकारी प्राप्त कर नगर निगम द्वारा वैधानिक कार्यवाही किया जाना है। इस तारतम्य में शुक्रवार को गोल क्वार्टर्स स्थित कुल 504 एएचपी आवासों में से जी1, जी2, जी3, जी13, जी14, जी15, एवं जी16 ब्लॉकों में सर्वेक्षण किया गया, जिसमें कुल 136 पीएम आवासों में रहे रहे हितग्राहियों से जानकारी ली गई। सर्वेक्षण में पाया गया कि 63 हितग्राही स्वयं अपने आवंटित भवन में आवास कर रहे हैं। इसके अलावा 10 आवासों में ताला बंद पाया गया। शेष 53 आवास ऐसे मिले, जिन्हें हितग्राहियों द्वारा किराए पर देकर शासन के नियमों के विरुद्ध लाभ लिया जा रहा है। इनमें जी1 मकान क्रमांक 07 उमाशंकर द्विवेदी द्वारा मुन्नालाल को किराए पर दिया गया है। इसके अलावा

आवास क्रमांक 09 दीपक शुक्ला, आवास क्रमांक 13 दिव्या भुजवा, आवास क्रमांक 17 आशा खटिक, आवास क्रमांक 23 सीता खटिक, आवास क्रमांक 24 धनेन्द्र सेन, आवास क्रमांक 30 मुन्नी बाई, आवास क्रमांक 34 दिनेश विश्वकर्मा सहित अन्य मकानों को किराए पर दिया गया है। किरायेदारों द्वारा बताया गया कि वे स्वयं के मकान में निवास कर रहे हैं। निगमायुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के सख्त निर्देश हैं कि इन 53 मामलों में शासन के नियमों के अनुसार विधिवत कार्यवाही करते हुए अवैध रूप से किराए पर दिए गए आवासों को तत्काल खाली कराया जाए। सर्वेक्षण दल में मुख्य रूप से सहायक यंत्री राजेश कुमार चतुर्वेदी, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंट टीम से वरुण मिश्रा, उड़नदस्ता दल से सूर्यकुमार तिवारी, जे.पी. विश्वकर्मा, भैयालाल यादव, रवि यादव सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

सावी मदर स्कूल में रक्षा सूत्र कार्यक्रम सम्पन्न

रीवा। धर्म जागरण विभाग द्वारा सावी मदर स्कूल में रक्षा सूत्र कार्यक्रम विधि विधान पूजन के साथ सम्पन्न हुआ। धर्म जागरण विभाग द्वारा सावी मदर स्कूल में रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर रक्षा सूत्र स्कूल की बहनों से बांधकर कर इसकी शुरुआत की। इस अवसर पर राम सिया पांडे विभाग संयोजक सुधीर तिवारी जिला संयोजक अनिल तिवारी निधि प्रमुख लालमणि जी सोमिल तिवारी नगर संयोजक स्कूल प्रबंधक शिक्षक गण एवं बच्चे-बच्चियों उपस्थित थे।

हर घर तिरंगा अभियान: निकाली गई तिरंगा यात्रा

रीवा। जिले भर में हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियाँ की जा रही हैं। आमजनता की अभियान में अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने बताया कि जनपद पंचायत रीवा, जनपद पंचायत गंगेव तथा मऊगंज जिले की नईगढ़ी जनपद पंचायत में हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा रैली निकाली गई। विद्यार्थियों ने भी तिरंगे के साथ रैली निकालकर हर घर तिरंगा अभियान का संदेश दिया। कंदैला स्कूल के विद्यार्थियों ने भी तिरंगा रैली निकाली। सभी जनपद पंचायतों और ग्राम पंचायतों में हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है।

गौवंशों की सुरक्षा के लिए लगाए जा रहे रेडियम बेल्ट

रीवा। आए दिन हादसों में गौवंशों की मौत हो रही है, इसका बड़ा कारण गौवंशों का अंधेरे में अचानक से वाहनो के पास आ जाना या फिर वाहन चालको को गौवंशों का न दिखना है। गौवंशों की सुरक्षा के लिए विंध्य सहयोग संगठन द्वारा गौवंशों की सुरक्षा के लिए रेडियम बेल्ट लगाया जा रहा है। युवाओं की इस टीम द्वारा गौवंशों को पकड़कर उनको रेडियम बेल्ट पहनाए जा रहे हैं ताकि वह दूर से ही वाहन चालकों को दिख सकें। यह रेडियम बेल्ट वाहन की लाइट पड़ते ही चमकने लगते हैं। सगंठन के सदस्यों में हिमांशु मिश्रा, प्रांशु तिवारी, अस्मित पटेल, हर्ष, सागर, आयुष व शुभम पटेल सहित अन्य इस कार्य में जुटे हुए हैं।

शिवकण्ठ नगर में अतिक्रमण के कारण घरों से घुसा पानी

रीवा। शिवकण्ठ नगर वार्ड नं. 02 में हर बार बारिश के समय अतिक्रमण के कारण जल निकासी बाधित हो जाती है, जिसके चलते घरों में पानी घुस जाता है और लाखों रुपये का नुकसान हो रहा है। रेलवे द्वारा पानी निकलने के लिए जो नाला बनाया गया था, उसमें पाइप डाल दी गई है, जिससे पानी कम मात्रा में निकल पाता है। इससे पहले शासन द्वारा जो रोड एवं नाले का निर्माण कराया गया था, उसे अमित पाण्डेय, पत्नी सुधा पाण्डेय तथा पुत्री पूनम पाण्डेय द्वारा अधिग्रहित कर लिया गया है। वहां कच्चा मकान बनाकर गाय-भैंस रखने की व्यवस्था कर दी गई है और मेन रोड पर गेट लगवा दिया गया है। इन अतिक्रमणों के कारण पानी का बहाव रुक गया है। सभी नगरवासियों की ओर से शासन-प्रशासन से अनुरोध है कि मौके पर निरीक्षण कर अधिग्रहित रोड एवं नाले में बने निर्माण को हटवाया जाए, ताकि पानी का बहाव पहले की तरह तेजी से हो सके और घरों में पानी न घुसे। जब तक अतिक्रमण नहीं हटाया जाएगा, तब तक पानी की निकासी संभव नहीं होगी और पूरा मोहल्ला पानी में डूबा रहेगा। ऐसी स्थिति में होने वाले नुकसान की पूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

पेड़ केवल हरियाली के प्रतीक नहीं हमारे अस्तित्व का आधार

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में हुआ वृहद पौधरोपण

जागरण, रीवा। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में ऑल इंडिया सिक्स यार्ड्स वीवर्स एसोसिएशन, ईको क्लब एवं एनएसएस इकाई के संयुक्त तत्वावधान में एक पेड़ माँ के नाम योजना के अंतर्गत वृहद पौधारोपण कार्यक्रम उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. एन. तिवारी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में ईको क्लब प्रभारी डॉ. संजीव दुबे तथा संस्था की अध्यक्ष चेतना मिश्रा उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन एनएसएस प्रभारी डॉ. शालिनी कुंदेर ने सरस एवं प्रेरणादायी अंदाज में किया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. आर. एन. तिवारी ने कहा कि पेड़ केवल हरियाली का प्रतीक नहीं, बल्कि हमारे अस्तित्व का आधार हैं। 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान हमें यह याद दिलाता है कि जैसे हम अपनी माँ की देखभाल करते हैं, वैसे ही हमें प्रकृति और लगाए गए पौधों का संरक्षण भी करना चाहिए। डॉ. संजीव दुबे ने पौधारोपण को जलवायु संतुलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि यदि हर नागरिक अपने जीवन में कम से कम एक पेड़ लगाकर उसका पालन-पोषण करे, तो पर्यावरणीय संकट को काफी हद तक कम किया जा सकता है। संस्था की अध्यक्ष चेतना मिश्रा ने इस पहल को समाज में हरित चेतना फैलाने वाला अभियान बताया और इसे निरंतर जारी रखने का संकल्प दोहराया। पौधारोपण में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, कर्मचारीगण ने बड़े जोश और जिम्मेदारी के साथ भाग लिया । कार्यक्रम के दौरान सभी ने यह भी संकल्प लिया कि वे लगाए गए पौधों को संरक्षित और पोषित करेंगे, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, हरित और स्वस्थ वातावरण मिल सके। कार्यक्रम के अंत में आल इंडिया सिक्स यार्ड्स के द्वारा अतिथियों को प्रतीक चिन्ह व पौधे देकर सम्मानित किया गया और उन्हें पौधों की नियमित देखरेख हेतु प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में आल इंडिया सिक्स यार्ड्स वीवर्स की डॉ आरती तिवारी, जया तिवारी, रेणु सिंह, सविता मिश्रा अनीता दुबे, अनीता सिंह तिवारी, विधू मिश्रा, सपना शुक्ला, कल्पना पांडेय आदि उपस्थित रहीं।

सनातन धर्म की रक्षा का लिया संकल्प

रीवा। सनातनी हिन्दू संस्कृति एवं संस्कारो की रक्षा के लिये अखिल भारतीय हिन्दू महासभा की सतत समर्पित कार्यशैली को कभी नकारा नही जा सकता है। यह उद्‌गार जिला कार्यालय के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि हिन्दू धर्म परिषद एवं हिन्दू उत्सव समिति धर्मपरिवार के संस्थापक नारायण डिगवानी ने व्यक्त किये। दीपेन्द्र सिंह परिहार (एड.) संभागीय अध्यक्ष, धर्मेन्द कुमार पाण्डेय (एड.) संभागीय विधि सलाहकार की विशेष उपस्थिति में नव नियुक्त जिला (एड.) अध्यक्ष उमेश कुमार कुशवाहा को बधाई देते हुये हिन्दू एवं सनातन धर्म की रक्षा के लिये संकल्प पारित किया और संगठन के विस्तार के लिये छः माह की समय सीमा निर्धारित की। उन्होने कहा कि संगठन की मजबूती से ही हिन्दुओं की हर समस्या का हल हो सकता है। यह जानकारी नव नियुक्त जिला संयोजक सुमिता माँजवानी ने देते हुये बताया कि हिन्दुओं की हर समस्या के निवारण के लिये हिन्दू महासभा अग्रणी भूमिका निभाने के लिये तैयार है। इस अवसर पर मानस मंडल के मार्गदर्शक अवधेश श्रीवास्तव, अमित कुमार तिवारी एड., नरेन्द्र कुमार तिवारी एड., प्रभाकर सिंह, रत्नेश सिंह, वैभव तिवारी, रवि सिंह, रत्नेश प्रताप सिंह सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर अतिथियों का रामनामी पट्टा पहना कर स्वागत किया और संगठन को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

हर घर तिरंगा: 'स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग' अभियान में छात्रों ने लिया भाग

विद्यालयीन छात्रों ने रंगोली बनाकर दिया देशभक्ति और स्वच्छता का संदेश

जागरण, रीवा। 'हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता, स्वतंत्रता का उत्सव स्वच्छता के संग' अभियान अंतर्गत स्वच्छता टीम द्वारा बिल्लाबोंग इंटरनेशनल स्कूल, ब्राइट फ्यूचर स्कूल, सरस्वती स्कूल जेल मार्ग में विशेष स्वच्छता संवाद एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगी रंगोलियों एवं राखियों के माध्यम से देश भक्ति और स्वच्छता को प्रभावशाली बनाने वाले संदेश प्रस्तुत किये। इस दौरान प्रभावशाली कलाकृतियों को देखकर बच्चों की रचनात्मकता और समाज के प्रति उनके सकारात्मक दृष्टिकोण ने सभी को प्रभावित किया। कलाकृतियों के माध्यम से बच्चों ने 'स्वच्छ भारत, सुंदर भारत', 'हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता' नारों को रेखांकित कर इनका महत्व दर्शाया। स्वच्छता टीम ने स्कूल के समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थियों के साथ स्वच्छता संवाद स्थापित कर बच्चों को देश भक्ति, स्वच्छता के महत्व, घरेलू कचरा प्रबंधन, सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभाव और व्यक्तिगत जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी दी। उन्हें यह भी बताया गया कि स्वच्छता केवल आभियान नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। विद्यार्थियों से यह भी अपील की गई कि वे अपने-अपने घरों में तिरंगा फहराकर और अपने परिवेश को स्वच्छ रखकर इस स्वतंत्रता दिवस को उत्सव के रूप में अवश्य मनाएं। उक्त कार्यक्रम में सिटी मिशन मैनेजर प्रीती रोचलानी, विद्यालय के प्राचार्य एवं कर्मचारी, स्कूली छात्र-छात्राएं, स्वच्छता जागरुकता टीम लीडर अवनीश शुक्ला स्वच्छता टीम के साथ मौजूद रहे।

हर व्यक्ति तक बैंकिंग सेवाएं पहुंचाना हम सबका कर्तव्य

वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान शिविर संपन्न

रीवा। वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान के अंतर्गत एक वित्तीय समावेशन शिविर का आयोजन ग्राम पंचायत सगरा में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के तत्वाधान में किया गया। शिविर में शासन की विभिन्न नकल्याणकारी बैंकिंग योजनाओं, सुरक्षा योजनाओं और डिजिटल सशक्तिकरण की विस्तृत जानकारी दी गई। नगर निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे ने अपने संबोधन में गाँव की पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक वित्तीय सेवाएँ पहुँचाने के महत्व को रेखांकित किया और इस कार्य में प्रशासनिक सहयोग का आश्वासन दिया और डिजिटल फ्रॉड से बचाव, केवाईसी अपडेट, नामिनी नामांकन और बैंकिंग से जुड़े विभिन्न विषयों की विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में क्षेत्र प्रमुख अजय खरे ने वित्तीय समावेशन के रीय लक्ष्य को प्रत्येक नागरिक तक पहुँचाने की आवश्यकता पर बल दिया । राजीव कुमार झा ने जनधन बैंकिंग, खाता सुरक्षा योजनाएँ पीएमजेडीवाई, पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई, एपीवाई जैसी योजनाओं के लाभ की जानकारी दी। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से इसका लाभ उठाने की अपील की।

संगठन तंत्र के प्रकांड अभियंता थे प्रो.यशवंतराव केलकर : चेतस सुखाड़िया

जागरण, कटनी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कटनी नगर इकाई द्वारा परिषद के शिल्पकार, प्रख्यात शिक्षाविद एवं राष्ट्रवादी विचारक प्रो.यशवंत राव केलकर के जन्म शताब्दी वर्ष पर गत दिवस स्थानीय नगर निगम आडिटोरियम बस स्टैण्ड में यशवंत स्मरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया मुख्य वक्ता चेतस सुखाडिया ने अपने विस्तृत संबोधन में कहा यशवंत राव केलकर ने छात्र शक्ति को राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का सबसे बड़ा घटक माना। उनके जीवन में विचार, सेवा और संघर्ष का अद्भुत संगम था। उन्होंने विद्यार्थी परिषद को केवल एक छात्र संगठन नहीं, बल्कि एक जीवंत छात्र आंदोलन बनाकर राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के अग्रदूत के रूप में विकसित किया। आज आवश्यकता है कि हम उनके विचारों को हर छात्र तक पहुँचाएँ, शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रवादी दृष्टिकोण को सशक्त करें और राष्ट्रहित के कार्यों में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने आगे कहा केलकर जी का जीवन बताता है कि संगठन केवल नारे से नहीं, बल्कि निष्ठा, अनुशासन और निरंतर सेवा से मजबूत होता है। आज के युवा यदि इस भाव को अपनाएँ तो देश का भविष्य और भी उज्ज्वल होगा। मुख्य अतिथि भगवत तिवारी ने कहा प्रो.केलकर जी ने विद्यार्थी परिषद को एक विचार आधारित, अनुशासित और जीवंत संगठन के रूप में खड़ा किया। उनका जीवन

सभी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा स्रोत है और हमें उनके बताए मार्ग पर चलना चाहिए। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं युवाओं के प्रेरणा स्रोत स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। वंदे मातरम् के स्वर और कार्यकर्ताओं के उत्साह ने वातावरण को राष्ट्रभक्ति से भर दिया। अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने प्रो. केलकर के सिद्धांतों पर चलने और समाज व राष्ट्र के उत्थान के लिए सतत कार्यरत रहने का संकल्प लिया। आभार नगर मंत्री द्वारा किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सतना विभाग के विभाग संघचालक विपिन तिवारी, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद महाकोशल प्रांत संगठन मंत्री मनोज यादव एवं बड़ी संख्या में विविध संगठनों के प्रमुख कार्यकर्ता नगर के प्रतिष्ठित शिक्षाविद, विद्यार्थी, समाजसेवी एवं नगर के गणमान्यजन उपस्थित रहे।

बनकुइयां खदान में मिली दो दिन से लापता युवक की लाश

जागरण, रीवा। शहर के चोरहटा थाना क्षेत्र अंतर्गत दो दिन से लापता युवक की बनकुइयां खादान में लाश मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकलवाया जिसे पीएम उपरांत परिजनों को सौंप दिया गया है। घटना के संबंध में चोरहटा थाने से मामले के जांच अधिकारी राजेश तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम वीरखाम निवासी संदीप गिरी उम्र 30 वर्ष दो दिन पूर्व रात्रि तकरीबन 11 बजे घर से निकला था जिसके बाद उसका कोई पता नहीं चला था। बताया गया कि इसके बाद युवक का शव चोरहटा थाना क्षेत्र के बनकुइयां स्थित खदान के भरे हुए पानी में मिला है। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस सहित परिजन मौके पर पहुंचे और मृतक की पहचान करते हुए उसके शव को खदान से बाहर निकलवा कर पीएम के लिए अस्पताल भिजवाया। बहरहाल युवक की मौत कैसे हुई, इसकी जानकारी पीएम रिपार्ट मिलने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

दक्षिण वनमण्डल का वनों के संवर्धन एवं संरक्षण में महती भूमिका

जागरण, शहडोल। शहडोल 08 अगस्त 2025- जिले में तीन लाख हेक्टेयर से अधिक रकबे में से साऊथ वन मंडल 1 लाख 13 हजार हेक्टेयर रकबे पर अपनी हरियाली का साम्राज्य बिखेरे हुये है । शहडोल मेकलपर्वत की हरी-भरी श्रृंखलाओं की तलहटी से शुरु होकर यह वन मंडल जैतपुर परिक्षेत्र में छग की सीमा का स्पर्श करता है । पर्यटन की असीम संभावनाओं का दर्पण दिखा कर यह मंडल कई धार्मिक स्थलों के दर्शन हेतु भक्तों को आकर्षित करता है । मुख्य वनसंरक्षक श्री राजेश कुमार राय (भा0व0से0) के मार्ग-दर्शन में वन मण्डलाधिकारी वनमण्डल दक्षिण शहडोल सुश्री श्रृद्धा पन्द्रे(भा0व0से0) की प्रबल संकल्प शक्ति से इस मानसून के जुलाई माह के दौरान पूरे वन मण्डल के परिक्षेत्रों में वनसुरक्षा समितियों के सहयोग से आठ करोड़ अस्सी लाख पौधों का रोपण किया गया। इस प्राकृतिक महायज्ञ में मिश्रित प्रजाति के पौधे तो शामिल किये ही गये फिर भी आम, नीम, आंवला, पीपल को पहले प्राथमिक दी गई।

दक्षिण वन मण्डल वैसे तो किसी परिचय का मोहताज नहीं है, यहां सिंहपुर में मां सिंहवाहनी की कृपा दृष्टी है तो वहीं कंकाली देवी और बूढ़ी देवी की ममता का रस सदैव प्रवाहित होता है। भठिया देवी का अनुराग और लखवरिया की गुफाओं का इतिहास समेटे यह वन मण्डल प्रकृति के आकर्षण का भंडार है। प्रशानिक दृष्टी से वन मण्डल दक्षिण शहडोल को दो उप- मण्डल सोहागपुर एवं जैतपुर तथा 06 परिक्षेत्रों - खन्नौधी, गोहपारु, शहडोल, बुढार, जैतपुर, केशवाही में वर्गीकृत किया गया है। इनमें से सबसे बड़ा वन क्षेत्र वन परिक्षेत्र गोहपारु (33310.74हे0) का एवं सबसे छोटा वनक्षेत्र वन परिक्षेत्र बुढार (7874.94हे0) का है। सभी परिक्षेत्रों में वन सुरक्षा समितियों तथा ग्राम वन समितियों का गठन है। पूरे मंडल में 112 वन सुरक्षा समितियां एवं 153 ग्राम वन समितियां पूरी सक्रियता से काम कर रहीं हैं। जुलाई माह मानसून सीजन के दौरान पौधा रोपण कार्यक्रम में विचारपुर, धनपुरी, मुकुन्दपुर, सीतापुर, हर्री, शंकर एवं बदरखेड़ा की नरसरी से पौधे लेकर 1207.62 है0 रकबे में पौधारोपण का कार्यक्रम संपन्न कराया गया। पौधा रोपण कार्य में पूरे स्टाफ की लगन और सर्मपण भावना ही किसी बड़े लक्ष्य की प्राप्ति की संजीवनी कहलाती है। इसके लिये स्टॉफ का तन-मन से स्वस्थ रहना अनिवार्य है। वन विभाग अपने अमले की मूलभूत आवश्यकताओं के प्रति भी सजग है। इसी वर्ष कुडेली (केशवाही), नवागाव(खन्नौधी), धनगवां(गोहपारु), करकट (खन्नौधी), हरदी (बुढार), मुसरा (जैतपुर) में वनक्षेत्र वनरक्षक आवास बनाये गये तथा वन परिक्षेत्र शहडोल में परिक्षेत्र सहायक आवास एवं वन परिक्षेत्र केशवाही में वनपरिक्षेत्राधिकारी आवास का निर्माण कार्य कराया गया। नरसरहा डिपो में स्ट्रांग रुम का निर्माण कराया गया है।

प्रख्यात ब्रेन, स्पाइन एवं न्यूरो रोग विशेषज्ञ डॉ सचिन सिंह 10 अगस्त रविवार को रीवा में

रीवा:-राष्ट्रपति पदक से सम्मानित प्रख्यात ब्रेन, स्पाइन एवं न्यूरो रोग सुपर स्पेशलिस्ट एंडोस्कोपिक सर्जन डॉ सचिन सिंह MBBS, MS, MCh (न्यूरो) PGI नई दिल्ली, निर्देशक-लाइफ लाइन हॉस्पिटल प्रयागराज, के द्वारा, दिनांक 10 अगस्त 2025 को (प्रत्येक माह के दूसरे रविवार को) सुबह 10 बजे से दोपहर 02 बजे तक, कामता मेडिकल (कामता मल्टीस्पेशलिटी क्लीनिक/डाइग्नोस्टिक×विजन हार्ट सेंटर)- A ब्लॉक समदड़िया कॉम्प्लेक्स न्यू बस स्टैंड रीवा में, ब्रेन, स्पाइन एवं न्यूरो से सम्बंधित सभी प्रकार की बीमारियां जैसे रीड़ की हड्डी की चोट/दर्द, गर्दन, कमर व घुटने का दर्द, लकवा, सिर का दर्द (माइग्रेन की समस्या), मिर्गी रोग, बेहोसी व चक्कर आना, अंगों में कंपन-झुनझुनी-शून्यता, मांसपेशियों/नसों में कमजोरी, मस्तिष्क ज्वर, ब्रेन हैमरेज, सर्वाइकल स्पोंडलाइटिस, स्नायु रोग, साइटिका, रीड़ की हड्डी की टी.बी., एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी आदि न्यूरो से संबंधित सभी प्रकार के रोगों का परामर्श देकर इलाज किया जाएगा, डॉ सचिन सिंह लगभग 20000 (बीस हजार) से ज्यादा ब्रेन, सर्वाइकल एवं स्पाइन से संबंधित सर्जरी सफलता पूर्वक कर चुके है, डॉ सचिन को न्यूरो से सम्बन्धित सभी प्रकार की सर्जरी में महारथ हासिल है, डॉ सचिन के द्वारा प्रत्येक माह के दूसरे रविवार को विगत सात (09) वर्षों से कमाता मेडिकल में मरीजों को OPD परामर्श दिया जा रहा है। क्लीनिक में सोनोग्राफी, इकोकार्डियोग्राफी, TMT, ECG, होल्टर, ABPM ,पैथोलॉजी, डिजिटल एक्सरे, यूरोफ्लोमेट्री आदि जांचों की सुविधा उपलब्ध है। अधिक जानकारी हेतु कामता मेडिकल रीवा मोबाइल नं 9399312433 में संपर्क करें। -Advt.

कच्चे सूत की गांठ से बंधा भाई-बहन का प्यार

जिले भर में स्नेहपूर्वक मनाया गया रक्षाबंधन का त्योहार

जागरण, रीवा

रक्षाबंधन का त्योहार सोमवार को शुभ मुहूर्त में स्नेहपूर्वक मनाया गया। बहनों ने भाइयों की कलाई में नेह और विश्वास की डोर को हंसी-खुशी के साथ बांधा। इस दौरान बहनों में काफी उत्साह दिखा। दोपहर डेढ़ बजे के बाद से शाम तक शुभ मुहूर्त मानकर बहनों ने आराम से भाइयों की कलाई में राखी सजाई। भाइयों ने भी अपनी प्यारी बहनों को यथाशक्ति उपहार देकर उनका दिल जीता। नये परिधान धारण किये हुए बहनों ने रक्षाबंधन का त्योहार उल्लास के साथ मनाया। बहनों ने पहले भाई के माथे पर चंदन-रोली का तिलक लगाया, फिर उनकी आरती उतारी और हाथ में राखी बांधकर मुंह मीठा कराया। लगभग सभी घरों में परंपरानुसार देसी अंदाज के साथ यह त्योहार मनाया गया। इस मौके पर परिवार के सभी लोग इकट्ठा हुए और पूरा दिन हंसी-खुशी के साथ बीता। गांव से लेकर शहर तक लोग रक्षाबंधन का त्योहार मनाने में व्यस्त रहे। कोई बहन से मिलने उसके ससुराल के घर पहुंचा तो किसी भाई के घर पहुंचकर उसकी बहन ने राखी बांधी। इस कारण अन्य दिनों की अपेक्षा सोमवार को सड़कों में भी वाहनों की आवाजाही अधिक रही।

रसोई में बने पकवान

इस खास त्योहार के लिए मिठाई आदि की खरीददारी सोमवार को भी हुई। पूरे दिन बाजार में लोग मिठाई खरीदने पहुंचते रहे। फिर भी बहनों ने अपने भाइयों को घरों में बने पकवान का स्वाद चखाया। दिनभर घरों की रसोई से पकवान की खुशबू लोगों को आनंदित करती रही। इस खास दिन बाहर से आने वाले मेहमानों का भी लोगों ने दिल खोलकर स्वागत किया।

राखी बंधवाने बच्चे रहे आतुर

इस त्योहार का सबसे ज्यादा उत्साह बच्चों और किशोरों में था। बच्चे अपने हाथों में बहनों से राखी बंधवाने आतुर रहे। एक तरह से बच्चों में अधिक से अधिक राखी बंधवाने की स्पर्धा भी रही। तरह-तरह की आकर्षक राखियां बंधवाने के लिए बच्चे पूरे दिन जिद करते रहे। हालांकि बदले में बहनों को उपहार देने में बच्चे कंजूस हो गए। इस तरह हिल-मिलकर बच्चों ने इस त्योहार का आनंद लिया।

नहीं मिले यात्री वाहन

त्योहार के चलते दिन भर लोग अपने रिश्तेदारों के यहां पहुंचने घर से निकलने की कोशिश में लगे रहे, परंतु यात्री वाहन न मिलने के कारण उन्हें परेशान होना पड़ा। बस स्टैण्ड, टैक्सी स्टैण्ड में यात्री वाहनों का टोटा रहा और जो ऑटो या अन्य यात्री वाहन मिले भी, उनमें ठसाठस भीड़ रही। दूरदराज से पहुंचे लोग अपने घर जाने हर सम्भव जतन करते रहे, पहले से भरे यात्री वाहनों में वह भी जैसे-तैसे अपने गंतव्य तक पहुंच सके।

कैदियों के कलाई पर बहनों ने बांधी राखी, छलक पड़े खुशी के आंसू

सुबह से शुरू हुआ सिलसिला शाम तक चला

रीवा। रक्षाबंधन त्योहार के अवसर पर शनिवार को केंद्रीय जेल रीवा में बड़े ही उल्लास के साथ कैदिया की कलाई में बहनों ने राखी बांधी। इस दौरान कई कैदियों और बहनों के खुशी के आंसू छलक पड़े। जेल प्रबंधन ने सुबह 7 बजे से ही पंजीयन शुरू कर दिया था। साथ ही अलग-अलग जिलों के लिए 7 स्थानों पर रक्षा बंधन कार्यक्रम का स्थान नियत किया गया था। पंजीयन के उपरांत शाम तक बहनों ने क्रम से कैदियों को रक्षा सूत्र बांधा। बताया गया कि केंद्रीय जेल में 4000 से अधिक बहनों ने अपनी भाइयों की कलाई पर राखी बांधी है। जेल प्रबंधन के मुताबिक केंद्रीय जेल में कैदियों की संख्या 2300 के आसपास है पर रक्षाबंधन पर बहनों का उत्साह देखते हुए बड़ी तादात में बहनें पहुंची थीं, जिसके लिए जेल प्रबंधन ने भी तैयारी कर रखी थी। कार्यक्रम स्थल सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में थे। बहनों और भाइयों को पहले पंजीयन फिर गहन चेकिंग के बाद ही अंदर प्रवेश दिया जा रहा था। अधिक संख्या में महिलाओं की संख्या को देखते हुए मौके पर महिला पुलिस बल की तैनाती के साथ ही हल्दी, रोली, चंदन, शुद्ध पेयजल, चलित शौचालय सहित एंबुलेंस की व्यवस्था भी जेल प्रबंधन ने की थी। जेल अधीक्षक एसके उपाध्याय समेत दो उप जेल अधीक्षक पूरे कार्यक्रम की मॉनिटरिंग कर रहे थे। बताया गया कि वैसे यह मुलाकात 2 बजे ही समाप्त हो जानी थी, लेकिन कैदियों की बहनों की तादाद को देखते हुए जेल प्रबंधन ने यह निर्णय लिया कि सायं कालीन फाइनल लॉकअप खत्म होने तक पंजीयन करा चुकी बहनों के कैदी भाइयों से मुलाकात का सिलसिला जारी रहेगा। जेल प्रबंधन ने दो दिन पहले से ही कार्यक्रम को लेकर तैयारी शुरू कर दी गई थी। आखिरी में दिन भर चले मुलाकात के दौर में महिला बंदियों से मिलने पुरुष भाइयों को भी मौका दिया गया। बहनों के केंद्रीय जेल पहुंचने का सिलसिला सुबह से शुरू हुआ शाम करीब 7 बजे तक जारी रहा।

पंचमठा आश्रम में वैदिक रीति से किया गया श्रावणी उपाकर्म एवं सप्तऋषि पूजन

डेढ़ सैकड़ा संस्कृत विद्वान, पंडित एवं छात्रों ने बीहर नदी में स्नान कर किया आचमन तर्पण

जागरण, रीवा। श्रावण मास के अंतिम दिवस श्रावणी पूर्णिमा पर प्रत्येक वर्षों की इस वर्ष भी शनिवार को स्थानीय पंचमठा आश्रम बीहर तट पर संस्कृत विद्वानों एवं शासकीय वेंकट संस्कृत महाविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में पूरे वैदिक विधि से श्रावणी उपाकर्म सप्तऋषि पूजन एवं यज्ञोपवीत पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। तत्संबंध में जानकारी देते हुये शासकीय वेंकट संस्कृत महाविद्यालय के शिक्षक डॉ. रमाकान्त त्रिपाठी बेगाना ने बताया है कि सेवानिवृत्त व्याकरणाचार्य डॉ. बलराम पाण्डेय के आचार्यत्व में प्रातःकाल लगभग डेढ़ सैकड़ा संस्कृत विद्वान, पंडित एवं छात्रों ने पवित्र बीहर नदी के जल में लगभग दो घंटे तक खड़े रहकर पूर्ण वैदिक विधि से विभिन्न प्रकार से स्नान, आचमन तर्पण कर देवों तथा पितरों के निमित्त जल दिया। तदनन्तर आश्रम परिसर में ही सप्तऋषि पूजन, यज्ञोपवीत पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें वेद विद्वान डॉ. दशरथ प्रसाद शुक्ल, डॉ. बुद्धिमान प्रसाद द्विवेदी, डॉ. श्रीकांत पाण्डेय के नेतृत्व में सभी लोगों ने षोडशोपचार विधि से सप्तऋषि पूजन किया तथा यज्ञोपवीत पूजन कर नवीन यज्ञोपवीत धारण किया। उल्लेखनीय है कि सनातन धर्म में अनादिकाल से श्रावण मास में श्रावणी उपाकर्म के माध्यमस से स्नान आचमन तर्पण वेद, ऋषि पूजन करने की परंपरा रही है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ. रामाधार द्विवेदी, डिप्टी कलेक्टर श्रेयस गोखले, रामायण प्रसाद तिवारी, डॉ. सूर्यनारायण गौतम, डॉ. कीर्तिकुमार त्रिपाठी, डॉ. प्रेमशंकर मिश्र, डॉ. धनेन्द्र द्विवेदी, डॉ. देवेन्द्र तिवारी, डॉ. मनोज पाण्डेय, अनिल मिश्रा दुआरी, श्रीकांत पाठक, चन्द्रशेखर परौहा, राकेश शुक्ल, आशुतोष तिवारी, सत्यानंद शुक्ल, अरूण शुक्ल, रमेश उपाध्याय, राकेश अग्निहोत्री देवेन्द्र मिश्र, नरेन्द्र त्रिपाठी, आशुतोष पाण्डेय, पुनीत तिवारी, आशीष पाण्डेय रामकृष्ण पाठक, रामकृष्ण गौतम, गौतम पाण्डेय, संकल्प शुक्ल, नितिन पाण्डेय, सहित अन्य उपस्थित रहे।

कर्मकांडी ब्राह्मण हुये शामिल

रीवा। विप्र सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव शुक्ला के आह्वान पर श्रावणी उपाकर्म पंचमठा धाम के बीहर नदी में मनाया गया। सुबह 7 बजे प्रो. बलराम तिवारी द्वारा पूरे विधि- विधान के साथ वैदिक तरीके से पूजा कराई गई। नदी में स्नान और संकल्प पश्चात पितरों के शांति के लिए तर्पण कराया गया। हवन -यज्ञ कराया गया तथा जनेऊ के परिवर्तन और महत्व को बताया। शनिवार सुबह से ही श्रावणी उपाकर्म को लेकर ब्राह्मणों में उत्साह देखा गया। इस सनातनी आयोजन में आचार्य, वेदाचार्य भागवताचार्य और कर्मकांडी ब्राह्मण शामिल हुये। विप्र सेवा संघ के राजीव शुक्ला ने बताया अगले वर्ष श्रावणी उपाकर्म वृहद और धूमधाम से मनाया जायेगा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संस्कृत भारती से इं. रामायण तिवारी, कीर्ति कुमार त्रिपाठी, उमेश पाण्डेय, विप्र सेवा संघ से राजीव शुक्ला, रामायण पाण्डेय, जेपी मिश्रा, जयकरण

आदिवासी बहनों ने भाजपा जिलाध्यक्ष को बांधी राखी

रीवा। आदिवासी बहनों द्वारा भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता को राखी बांधकर रक्षाबंधन का पावन त्योहार मनाया गया। सुबह से भाजपा कार्यालय में महिलाओं की भारी भीड़ देखने को मिली। भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता ने बहनों को उपहार भेंट करते हुए सभी को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर प्रमुख रूप से नरेंद्र शर्मा बुद्ध सेन राजेश सिंह कार्यालय मंत्री वीरेश पांडे सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थिति रहे।

पुस्तकों के स्थान पर छात्राओं को थमाई झाड़ू

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी पदस्थ, फिर भी छात्राएं कर रहीं परिसर साफ

जागरण, रीवा। शासकीय विद्यालय में ज्ञानार्जन करने गई छात्राओं को पाठ्य-पुस्तकें थमाने की बजाय शिक्षकों ने उनके हाथ में झाड़ू थमा दिए। जिसका उदाहरण सीधी जिले के रामपुर नैकिन विकासखंड की ग्राम पंचायत बघवार स्थित शासकीय कन्या उमावि में। यहां छात्राओं को पढ़ाई शुरू करने से पूर्व कक्षों के साथ ही परिसर में भी झाड़ू बुहारना पड़ती है। जबकि यहां पर इस कार्य के लिए चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की नियुक्ति है, लेकिन उसका काम छात्राओं को करना पड़ रहा है।

अनुशासन के नाम दे रहे मजबूरी का ज्ञान

विद्यालय प्रांगण में सफाई करती छात्राओं के हाथ में पुस्तकों के स्थान पर झाड़ू देखकर तो यही प्रतीत होता है कि यहां बजाय शिक्षा के अनुशासन के नाम पर मजबूरी का ज्ञान दिया जा रहा है। शिक्षा का अधिकार कानून के तहत विद्यार्थियों से श्रम करवाना उक्त अधिकार के उल्लंघन की श्रेणी में आता है।

आपके द्वारा मुझे जानकारी मिली है। मैं विद्यलय का निरीक्षण कर उचित कार्यवाही करूंगा।
अजय कुमार मिश्रा, संकुल प्रभारी

ये काम तो उन्हें रोज करना पड़ता है

शुक्रवार सुबह 11 बजे यहां स्कूल में पढ़ने वाली छात्राएं हाथों में झाड़ू लिए कक्षों की सफाई कर रही थीं। छात्राओं से पूछने पर उन्होंने बताया कि ये काम तो उन्हें रोज करना पड़ता है। कक्षों के साथ ही विद्यालय परिसर को भी उन्हीं के द्वारा साफ किया जाता है। मौके पर प्रधानाध्यापक कमलेश्वर साकेत और शिक्षक अशोक सिंह भी मौजूद थे, इस संबंध मे जब उनसे पूछा गया तो पहले तो उन्होंने कुछ कहने से भी इंकार कर दिया, बाद में बोले ऐसा कुछ नहीं है, जबकि वे स्वयं इस दृश्य के साक्षी थे।

कार्यकर्ता अपने बूथ की मतदाता सूची का परीक्षण करें: कांग्रेस

रीवा। जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष किसान नेता कुंवर सिंह पटेल प्रदेश प्रवक्ता विनोद शर्मा ने संयुक्त रूप से विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि कांग्रेस पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता अपने मतदान केंद्र की मतदाता सूची का स्वयं परीक्षण कर यह पता लगायें की जो अपने मतदान केंद्र के अलावा के नाम मतदान का सूची में हैं वह कौन हैं कहां से आए हैं व इनका नाम कब मतदाता सूची में जोड़ा गया है। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने जिस तरह से मतदाता सूची में गड़बड़ी का खुलासा किया है इससे यह प्रतीत होता है कि अब हर मतदान केंद्र के प्रत्येक मतदाता सूची पर ऐसी गड़बड़ियां मौजूद हैं। अन्यथा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए तथ्यों का जवाब देना चाहिए। कुंवर सिंह और विनोद शर्मा ने कहा है कि समय रहते यदि कार्यकर्ता जाग जाए तो आने वाले चुनाव में व्यापक गड़बड़ियां रोकी जा सकती हैं व लोकतंत्र को जिंदा रखा जा सकता है। कांग्रेस नेता कुवर सिंह व विनोद शर्मा ने यह भी कहा है कि यदि इन गड़बड़ियों को तत्काल नहीं रोका गया तो रोड पर संघर्ष का रास्ता खुला हुआ है और लोकतंत्र बचाने की जंग जारी रहेगी।

पल्सर बाइक में चलते-चलते लगी आग पीटीएस पेट्रोल पम्प के पास की घटना

जागरण, रीवा। शहर के पुलिस लाइन पेट्रोल पंप के समीप उस वक्त हड़कंप मच गया जब चलती हुई बाइक में अचानक से आग भड़क उठी। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो चलती हुई बाइक से अचानक चिंगारी निकली और देखते ही देखते चिंगारी आग की लपटों में तब्दील हो गई। घटना के दौरान बाइक सवार युवक बाइक छोड़कर मौके से भाग खड़ा हुआ। जिसके बाद स्थानीय पेट्रोल टंकी के कर्मचारियों ने अग्निशमन यंत्र की मदद से आग पर काबू पाया। बताया गया की पल्सर बाइक में सवार युवक पेट्रोल पंप के पास से गुजर रहा था, तभी उसकी बाइक की टंकी से अचानक चिंगारी उठी और वह चिंगारी आग की लपटों में तब्दील हो गई। घटना के वक्त बाइक में आग लगते ही बाइक सवार युवक जान बचाकर सड़क के बीच बाइक को छोड़कर भाग खड़ा हुआ। बाइक में लगी आग देख मौके पर हड़कंप की स्थित निर्मित हो गई। पास ही स्थित पेट्रोल पंप के कर्मचारियों से सूझबूझ दिखाते हुए अग्निशमन यंत्र की मदद से आग पर काबू पा लिया, जिससे बड़ी अनहोनी टल गई।

संकट में जनता की सेवा और सहायता करना सरकार का धर्म है: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने वर्चुअल माध्यम से आपदा पीड़ितों को जारी की 30 करोड़ की राहत राशि

जागरण, रीवा। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने वर्चुअल माध्यम से बाढ़ तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं के पीड़ितों को 30 करोड़ रुपए की राहत राशि सिंगल क्लिक से वितरित की। मुख्यमंत्री ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न जिलों के आपदा पीड़ितों से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने 28 हजार 400 पीड़ितों के बैंक खाते में सहायता राशि जारी की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि संकट में जनता की सेवा और सहायता करना सरकार का धर्म है। प्रदेश में कई स्थानों पर अचानक बाढ़ से हजारों लोग पीड़ित हुए। सरकार और प्रशासन ने तत्परता से उन्हें सहायता पहुंचाई। बचाव दलों ने कई लोगों के प्राण बचाए। बाढ़ और अन्य प्राकृतिक आपदा से हमने कई लोगों को खोया और सम्पत्तियों का भी नुकसान हुआ। प्राकृतिक आपदा से पीड़ितों को हर संभव सहायता दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ के समय मैंने कई जिलों का दौरा किया तथा राहत और बचाव कार्य की निगरानी की। बाढ़ सरकार और प्रशासन के लिए बहुत बड़ी चुनौती थी। सबने मिलकर इस संकट का सामना किया। सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों ने भी संकट के समय आमजनता की बढ़चढ़ कर सेवा की। बचाव दलों तथा प्रशासनिक अमले ने भी पूरी तत्परता और बहादुरी के साथ लोगों को आपदा से बचाया। अभी वर्षाकाल चल रहा है। सभी अधिक वर्षा की स्थिति में सचेत रहें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेशवासी 9 अगस्त को उल्लास के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाएं। इसके बाद हमारा सबसे बड़ा त्योहार स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को मनाया जाएगा। प्रदेशवासी अपने घरों में तिरंगा लगाकर और स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होकर इस त्योहार को मनाएं। इसके बाद हम सब मिलकर बलराम जयंती और कृष्ण जन्माष्टमी पर्व भी मनाएंगे। प्रदेशवासियों को सभी पर्वों और त्योहारों की मैं बधाई देता हूँ।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से शिवपुरी, गुना, मऊगंज, रायसेन तथा छिंदवाड़ा जिले के आपदा पीड़ितों और जनप्रतिनिधियों से संवाद किया। पीड़ितों ने बाढ़ से राहत और बचाव के लिए किए गए प्रबंधों तथा तत्परता से दी गई मदद के लिए सरकार और प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। कलेक्ट्रेट के एनआईसी केन्द्र से विधायक गुढ़ नागेन्द्र सिंह, विधायक मनगवां नरेन्द्र प्रजापति, जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, पूर्व महापौर वीरेन्द्र गुप्ता, कलेक्टर प्रतिभा पाल, अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी तथा बड़ी संख्या में आपदा पीड़ित शामिल रहे।

सायना स्कूल में रक्षाबंधन का त्यौहार धूमधाम से मनाया गया

जागरण, कटनी। सायना इंटरनेशल स्कूल कटनी में बच्चें को अपनी संस्कृति से जोड़े रखने के लिए विभिन्न त्योहारों को धूमधाम से मनाया जाता है। सायना में श्रावण माह के लोकप्रिय त्योहार रक्षाबंधन के अवसर पर प्रतिवर्ष राखी मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें राखी मेकिंग में पहली कक्षा से पाँचवीं तक और मेंहदी प्रतियोगिता में छठवीं से बारहवीं तक की छात्राओं ने भाग लिया। बच्चों ने सुंदर और कलात्मक राखियाँ बनाई। दूसरी ओर छात्राओं ने सुंदर डिजाइनों में मेंहदी लिखी। मेंहदी प्रतियोगिता के निर्णायक की भूमिका श्रीमती श्वेता शुक्ला ने निभाई। प्राथमिक विभाग की समन्वयक श्रीमती रीत मोंगा ने कार्यक्रम में सहभागिता करने वाले बच्चों एवं उनके अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया। दूसरे दिन सायना इंटरनेशनल स्कूल कटनी में भाई-बहन के प्यार का त्योहार रक्षाबंधन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जिसमें छात्रावासी बच्चों ने शिक्षकों के साथ सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ सायना स्कूल के प्राचार्य डॉ.आदित्य कुमार शर्मा एवं हेडमास्टर डॉ.लोकेश दुबे ने गणेश पूजन कर किया। इस कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती प्रीति पाठक और श्रीमती शुति मिश्रा ने किया। कला संकाय के शिक्षक शिव कुमार ने रक्षाबंधन के धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला। सैनिक स्कूल के छात्र पार्थ ने फूलों का तारों का सबका कहना है गीत गाकर सबको भावुक कर दिया। इस अवसर पर हेडमास्टर डा.लोकेश दुबे ने अपने सारगर्भित उद्बोधन के साथ रक्षाबंधन की शुभकामनाएँ दी। प्राचार्य महोदय ने बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि नारियों के सम्मान का ध्यान रखा जाना अति आवश्यक है। तदोपरांत सहाना बासु एवं अनिरूद्ध सर के मनमोहक गीत के मध्य छात्राओं एवं शिक्षिकाओं ने छात्रों को मिठाई खिलाकर राखी बांधी। छात्र हर्षित जायसवाल के धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात कार्यक्रम के संयाजक दिलीप कुमार ने सभी का आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन किया।

कलेक्टर ने साइकिल प्रदान कर आकांक्षा के सपनों को दी नई उड़ान

जागरण शहडोल। शहडोल 8 अगस्त 2025- कलेक्टर डॉ. केदार सिंह द्वारा मानवीय पहल की मिसाल पेश की गई है। महिला समिति उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शहडोल में अध्ययनरत कक्षा 10वीं की छात्रा आकांक्षा त्रिपाठी जो बूढ़ी माता मंदिर के समीप देगमा ग्राम दूरी 3 किलोमीटर से स्कूल आना जाना करती है। कलेक्टर के स्कूल भ्रमण के दौरान स्कूल की छात्राओं से शिक्षा के संबंध में चर्चा में छात्रा आकांक्षा की कठिनाईयों की जानकारी मिली। छात्रा आकांक्षा ने बताया की मैं उमरिया जिले के ग्राम देगमा की रहने वाली हूँ। उन्होंने बताया कि घर की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण विद्यालय आने-जाने हेतु साइकिल खरीदना संभव नहीं हैं। आकांक्षा ने अन्य पारिवारिक कठिनाइयों से भी अवगत कराया। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने छात्रा की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए छात्रा को कलेक्टर कार्यालय बुलाया और स्वयं के पैसे से खरीदी गई साइकिल उपलब्ध कराई। साइकिल प्राप्त करते ही आकांक्षा के चेहरे पर मुस्कान आ गई। उसने खुशी जाहिर करते हुए कहा अब मुझे विद्यालय आने-जाने में कोई समस्या नहीं होगी। मैं समय पर साइकिल से विद्यालय पहुंच कर अपने सपनो को साकार कर सकूँगी। कलेक्टर की इस पहल ने आकांक्षा के सपनों को नई उड़ान दी है।

ब्यौहारी से चरका मार्ग में दो ब्लैक स्पॉट कंपनी ने बीच में अधूरी छोड़ी सड़क

जागरण ब्यौहारी। ब्यौहारी। व्यवहारी से चरका रूट में कल्हारी के पास बीच में सड़क कंपनी द्वारा रोड निर्माण छोड़ दिया गया है इस स्थान पर फिसलन युक्त कीचड़ है जिसके कारण से दो पहिया एवं चार पहिया वाहन चालकों के गिरने का खतरा बना रहता है चरका गांव के निवासी सुनील सिंह ने बताया कि कल्हारी के पास फॉरेस्ट एरिया फंस रहा है वन विभाग वहां पर सड़क बनाने की अनुमति नहीं दे रहा है इसलिए लोगों को आने-जाने में भारी दिक्कत है प्रतिदिन कई लोग इस कीचड़ युक्त सड़क में हिसलान की वजह से गिर जाते हैं स्थानीय लोगों ने फैसला नियुक्त जगह पर गिट्टी डलवाए जाने की मांग की है जिससे लोग गिरकर एक्सीडेंट होने से बच सके।

शहडोल जिले के बाढ़ एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं से 553 प्रभावितों को 10 करोड़ 5 लाख की राहत राशि बैंक खातों में अंतरित की गई

शहडोल। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अतिवृष्टि-बाढ़ एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं से 28 हजार प्रभावितों को मुख्य मंत्री ने सिंगल क्लिक से 30 करोड़ रूपए अंतरित किया। इस अवसर पर उन्होनें कहा कि प्रदेश सरकार आपदा के समय में सभी प्रभावितों के साथ है प्रदेश भर में इस वर्ष अधिक वर्षा होने से बाढ़ की स्थिति निर्मित हुई, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हुआ कई परिवारों को शिविरों में शरण लेनी पड़ी, कई परिवारों के घर अतिवृष्टि से उजड़ गए । इस कठिनाई भरे समय को समाज, प्रशासनिक अधिकारियों तथा एसडीआरएफ, एनडीआरएफ सेना के आपदा दलों के सहयोग से संकट की घड़ी को पार किया है। उन्होंने कहा कि नरसेवा ही नारायण सेवा है। इस कठिनाई के दौर में जिलों में जिला प्रशासन एवं आपदा प्रबंधन दल द्वारा तत्परता पूर्वक की गई कार्यवाहियों से जनहानि पर काबू पाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इस दौरान केन्द्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, श्री ज्योतिरादित्य सिधिया सहित प्रदेश के मंत्रीगण विधायकों एवं सांसदों ने आपस में संपर्क में रहकर कठिनाई के दौर में लोगों की जान बचाने तथा राहत पहुचानें का कार्य किया है। प्रदेश सरकार द्वारा 28 हजार लोगों को 30 करोड़ रूपए की राशि सिंगल क्लिक से खाते में अंतरित की गई इसके पूर्व भी प्रदेश के विभिन्न जिलों में प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों के खाते में 28 करोड़ रूपए की राशि दी जा चुकी हैं इस प्रकार प्रदेश सरकार द्वारा 58 करोड़ रूपए की मानवीय सहायता जारी की जा चुकी है। फसल नुकसान की राहत राशि, फसल सर्वे के पश्चात दी जाएगी। शहडोल जिले के बाढ़ एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं से 553 प्रभावितों को 10 करोड़ 5 लाख की राहत राशि बैंक खातों में अंतरित की गई। ग्राम रोहनिया निवासी बृजेश यादव ने बताया कि 8 जुलाई को उनके बेटा शाहिल और बेटी शौर्या स्कूल से आने के पश्चात नाले के पास अमरूद खाने गए थे जहां पैर फिसलने से वे गहरे नाले में गिर गए। जानकारी मिलने पर ग्रामीणों की मदद से उन्हें निकाला गया तबतक उनकी मौत हो चुकी थी। राजस्व पुस्तक परिपत्र के प्रावधानों के अनुसार 8 लाख रूपए की राहत राशि स्वीकृत की गई। जिसे प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा खाते में अंतरित किया गया। इसी तरह ग्राम कुवरसेजा निवासी रामशरण सिंह ने बताया कि आकाशीय बिजली गिरने से उनकी पत्नी हिरतिया बाई की 06 जुलाई को मौत हो गई थी। मुख्य मंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 4 लाख रूपए की आर्थिक राहत राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की गई।

अंशु भारती स्कूल में मनाया गया रक्षाबंधन पर्व

जागरण ब्यौहारी। जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम अंशु भारती स्कूल रामपुरवा में रक्षाबंधन का पर्व मनाया गया इस अवसर पर स्कूल की छात्राओं ने छात्रों को राखी बांधी और उनसे सुरक्षा का वचन लिया बच्चों में मिष्ठान वितरण किया गया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विद्यालय के संचालक उमेश कुशवाहा प्रधानाचार्य एवं समस्त स्टाफ उपस्थित थे।

कार्यालय वन संरक्षक सामाजिक वानिकी वृत्त रीवा (म. प्र.)

जयन्ती कुंज, झिरिया, रीवा

E-Mail-ccfre.rwa@mp.gov.in, Phone- 07662-297493

कार्यालय संपादन हेतु स्टेशनरी सामग्री क्रय हेतु द्वितीय ई-निविदा सूचना

समस्त प्रदायकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि वनमण्डलाधिकारी सामाजिक वानिकी वृत रीवा के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में कार्यालयीन कार्यों के संपादन हेतु स्टेशनरी/साफ-सफाई सामग्री क्रय की आवश्यकता है, सामग्री प्रदाय स्थल कार्यालय सामाजिक वानिकी वन वृत रीवा किया जाना होगा। सामग्री के लिए द्वितीय ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। इस द्वितीय ई-निविदा के लिए दिनांक 06/08/2025 से आवेदन ऑनलाईन के माध्यम से वेबसाईट https://mptenders.gov.in के द्वारा ही स्वीकार्य किया जावेगा। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि दिनांक 25/08/2025 तक है। निविदा की दिनांक 27/08/2025 टेक्निकल बिड खोलने की कार्यवाही की जावेगी एवं 27/08/2025 को फाईनेंशियल बिड खोलने की कार्यवाही की जावेगी।

(वनमण्डलाधिकारी द्वारा अनुमोदित)

सहायक वन संरक्षक
सामाजिक वानिकी वृत्त रीवा

G-16923/25

यातायात प्रभारी ने सड़क पर दुकाने लगाने वाली बहिनों से बंधाया रक्षासूत्र

कटनी। भाई बहिन के अटूट संबंधों का प्रतीक रक्षाबंधन त्यौहार समूचे जिले में अपार श्रद्धा से मनाया गया। रक्षाबंधन त्यौहार पर यातायात पुलिस अपनी ड्यूटी पर तैनात रही इसके बावजूद भी पुलिस कर्मियों ने त्यौहार की परंपराओं का निर्वहन किया। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी यातायात प्रभारी राहुल पांडे एवं यातायात पुलिस स्टाफ ने सुभाष चौक में फुटपाथ पर राखियों की दुकान लगाकर जीवकोपार्जन करने वाली बहिनों से कलाई में रक्षासूत्र बंधवाकर रक्षाबंधन त्यौहार मनाया। पुलिस की इस अनुकरणीय पहल से बाजार में समाज के प्रति एक निराला संदेश पहुंचा।

सोना लेकर फरार हुए अंशुल को पुलिस ने खड़कपुर से किया गिरफ्तार

जल्द उठ सकता है पूरे मामले से पर्दा

कटनी। विगत 30 जुलाई से कटनी के दो दर्जन से अधिक स्वर्ण व्यापारियों का 4 करोड़ से ज्यादा का सोना लेकर रफू चक्कर हुए अंशुल सोनी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के द्वारा जिले में खलबली मचाने वाले इस मामले के मुख्य आरोपी अंशुल को गिरफ्तार करने के बाद उसे कटनी लाकर पूरे मामले का पर्दाफाश करने के प्रयास किया जा रहे हैं। चर्चा तो यह भी सामने आई है की ठगी के मामले के प्रमुख आरोपी अंशुल सोनी को कटनी पुलिस ने खड़गपुर से गिरफ्तार किया है। पुलिस उसे कटनी ले आई है तथा पूछताछ कर रही है। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा एवं कोतवाली टीआई अजय सिंह ने गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उल्लेखनीय है कि न्याय के लिए संघर्ष तेज करते हुए सराफा व्यापारियों ने बड़ी संख्या में एकत्रित होकर पुलिस कप्तान अभिनय विश्वकर्मा से मुलाकात की थी। सराफा एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष राजा सराफ ने एसपी के सामने बिंदुवार सारे तथ्य रखे। एसपी ने आश्वासन दिया था कि जल्द से जल्द आरोपी अंशुल सोनी का पता लगा लिया जाएगा। इस बीच इस पूरे घटनाक्रम में सारी प्रक्रिया को संचालित करने के लिए 11 वरिष्ठ सदस्यों की एक टीम बना दी गई। अंततः पुलिस ने अंशुल को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त कर ली है। सराफा कारोबारियों को बड़ी चपत लगाने वाले इस मामले के सामने आने के बाद से सराफा बाजार का माहौल बिगड़ा हुआ था। कारोबारी एसोसिएशन को लेकर दो भागों में बंट गए। दोनों की ओर से अपने अपने कार्यवाहक अध्यक्ष भी घोषित कर लिए जाने के बाद टकराव और अधिक बढ़ रहा थाए लेकिन सराफा एसोसिएशन संगठन के प्रदेश अध्यक्ष राजा सराफ ने कटनी आकर बिगड़े माहौल को संभालते हुए बीच का रास्ता निकाला और 11 वरिष्ठ सदस्यों की एक टीम बना दी। इस टीम में सुदर्शन सोनी, विष्णु प्रसाद सोनी, सुरेश सोनी, भगवानदास सोनी, विजय सोनी, हरभजनलाल सोनी, राजेंद्र सोनी, सुरेन्द्र सोनी, सुनील सोनी, विपिन सोनी और अशोक अग्रवाल शामिल किए गए हैं। समिति के सदस्यों ने तमाम सराफा कारोबारियों की बैठक में आगामी योजना पर बातचीत की और इसके बाद पुलिस अधीक्षक को एसपी कार्यालय जाकर इस मामले का ज्ञापन सौंपा था। इसके पहले सराफा कारोबारियों ने श्रीराम ज्वेलर्स के संचालक आशीष सोनी को एसोसिएशन का कार्यवाहक अध्यक्ष बनाकर न्याय की लड़ाई तेज कर दी थी। आपको बता दे की जालपा वार्ड निवासी 37 वर्षीय अंशुल सोनी पिता ओम प्रकाश सोनी विगत 30 जनवरी को कटनी सहित सतना, जबलपुर के दो दर्जन से अधिक स्वर्ण व्यापारियों का सोना लेकर रफू चक्कर हो गया था। अंशुल की गिरफ्तारी हो जाने के बाद सोने की इस ठगी की पूरी कहानी सामने आ सकेगी।

इनका कहना है

इस मामले में बातचीत करते हुए पुलिस अधीक्षक अभिनव विश्वकर्मा ने कहा कि अंशुल को कटनी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है पूछताछ एवं पूरी कार्यवाही होने के बाद ही इस घटनाक्रम से जुड़े सारे तथ्य सामने आ पाएंगे।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या 07/2025-26 दिनांक 08.08.2025

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, झांसी द्वारा निम्नलिखित मद के लिए ई-प्रापण निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा संख्या : 92255878 — **मात्रा :** 01 नग

विवरण : सप्लाई, एरेक्शन, टेस्टिंग एण्ड कमिशनिंग ऑफ ड्रॉप पिट टेबल।

निविदा खुलने की दिनांक : 08.09.2025

नोट : उपरोक्त ई-प्रापण निविदा का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदा में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाइट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। 1422/25 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

पत्र सं.: JHS/Commercial/E-Auction/2025/124 — **दिनांक:** 07.08.2025

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य)-झांसी द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है :-

श्रेणी: पार्किंग — **केटलोग संख्या:** झाँसी-पार्किंग-41

एसेट्स डिटेल्स: झाँसी मंडल के अलग-अलग श्रेणी के रेलवे स्टेशनों में दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों के पार्किंग ठेके हेतुः-

क्र.सं.	स्टेशन केटेगरी	स्टेशन	ई-नीलामी प्रारम्भ की तिथि व समय	ई-नीलामी समाप्त की तिथि व समय
1	एनएसजी-2	ग्वालियर स्टेशन के पश्चिम दिशा में।	दिनांक 21.08.2025 को समय- 15:00 से	दिनांक 21.08.2025 को समय- 15:50 तक
2	एनएसजी-3	महोबा स्टेशन		
3	एनएसजी-6	ओरछा स्टेशन		

नोट- उक्त ठेकों के आवंटन हेतु नीलामी केवल ऑनलाइन वेवसाइट- www.ireps.gov.in के e-auction module के माध्यम से की जाएगी। लॉट अनुसार विवरण उपर्युक्त केटलॉग संख्या के अंतर्गत उपलब्ध है। 1416/25(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

कार्यालय कार्यपालन यंत्री

लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण संभाग रीवा म.प्र.

web site : www.mp.gov.in/pwdmp — emil :- eepwdbrirewa@mp.nic.in

Phone-07662-256720

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 02/2025-26 — रीवा दिनांक 14.05.2025

निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्न कार्य हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा समस्त संशोधन सहित के आधार पर प्रपत्र-अ में निविदाकारों, जो केन्द्रीय पंजीयन प्रणाली के तहत लोक निर्माण विभाग में पजीकृत हो, से आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेंडर क्रमांक	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	1. कार्य की अनुमानित लागत, 2. अमानत राशि 3. निविदा प्रपत्र का मूल्य	1. ई.एम.डी. राशि एवं टेण्डर फीस तथा निविदा से संबंधित समस्त दस्तावेज जमा करने हेतु। 2. कार्यावधि (वर्षाकाल रहित अथवा सहित)
1	2	3	4	5	6
1	2025_PWDRB 441433_1	लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण संभाग रीवा अन्तर्गत उपसंभाग रीवा में निर्मित पुलों का वार्षिक मरम्मत कार्य।	द्वितीय	1-1997000.00 2-39940.00 3-2000.00	1-केवल आनलाइन 2-12 माह वर्षाकाल सहित।
2	2025_PWDRB 441828_1	लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण संभाग रीवा अन्तर्गत उपसंभाग सतना में निर्मित पुलों का वार्षिक मरम्मत कार्य।	द्वितीय	1-1636000.00 2-32720.00 3-2000.00	1-केवल आनलाइन 2-12 माह वर्षाकाल सहित।
3	2025_PWDRB 441829_1	लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण संभाग रीवा अन्तर्गत उपसंभाग सीधी में निर्मित पुलों का वार्षिक मरम्मत कार्य।	द्वितीय	1-1990000.00 2-39800.00 3-2000.00	1-केवल आनलाइन 2-12 माह वर्षाकाल सहित।

उपरोक्त वेबसाइट आनलाइन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 18.08.2025 (17:30) बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखा जा सकता है। निविदा मे होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों मे प्रकाशन नही किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि. सेतु निर्माण
संभाग रीवा (म.प्र.)

G-16937/25

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरूरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

वधु चाहिए

श्रीवास्तव 9/7/92, 5''-5'', बी.काम., एम.बी.ए. प्रीग्रेड नोयडा में कार्यरत, 6 लाख वार्षिक आय, युवक हेतु सजातीय वधु चाहिए। सभी कायस्थ मान्य। म.प्र. एवं रीवा निवासी को प्राथमिकता।
सम्पर्क:-9644597200, 7389586873, 8602552832
आर.एन. 82690

प्रदूषण विभाग द्वारा जनसुनवाई में ग्रामीणों ने जताई सहमति

कटनी। विजयराघवगढ़ तहसील अंतर्गत ग्राम परसवारा मे रिजैक्ट स्टोन गिट्टी पत्थर खदान की जन सुनवाई की गयी। खदान अपडेट को लेकर प्रदूषण विभाग द्वारा स्थानीय लोगों के सुझाव आपत्ति ली जाती है। सहमति के अनुसार ही खदान संचालन के आदेश दिए जाते हैं। परसवारा मे संचालित नवाब मोहम्मद माईनस मे आज प्रदूषण विभाग द्वारा लोक सुनवाई पर्यावरण स्वीकृति हेतु शिविर आयोजित किया गया। शासकीय मापदंडों के अनुसार परसवारा स्टोन माईनिग आफ मिनरल्स खसरा नबंर 1223, 1228 प्राईवेट लैंड 1227 गवर्नमेंट लैंड ग्राम परसवारा विजयराघवगढ़ जिला कटनी के लिए स्थानीय लोगों की अनुशंसा पर अपर कलेक्टर श्रीमती साधना परस्ते संतुष्ट हुई। अधिकारीयों ने नवाब खान द्वारा किए गये खान क्षेत्र मे वृक्षारोपण व सुरक्षा व्यवस्थाओं को देखकर तारिफ करते हुए कहा गया अन्य खदानों को भी इसी तरह शासकीय मापदंडो के अनुसार वृक्षारोपण कर प्रदूषण विरोधक वृक्षारोपण करना तथा जानवरों की सुरक्षा के लिए खदानों के आसपास फेसिंग कराई जाना काबिले तारीफ है। विभागीय अधिकारीयों ने ग्रामीणों की संतुष्टि और सहमति प्राप्त कर खुशी जताई।

कार्यालय पुलिस अधीक्षक जिला रीवा (म.प्र.)

क्रमांक/पु.अ./रीवा/रनि./स्टोर/2326/2025 — दिनांक 04/08/2025

खुली निविदा आमंत्रण विज्ञप्ति

जिला रीवा में वित्तीय वर्ष 2025-26 प्रशासकीय भवनों की मरम्मत मद में कार्य कराने की प्रशासकीय स्वीकृति एवं बजट प्राप्त हुआ है। मरम्मत कार्य पंजीकृत निर्माता (ठेकेदार) से कराया जाना है।

उल्लेखनीय है कि मरम्मत कार्य हेतु ऑनलाइन खुली निविदाएं समय सारणी अनुसार www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित की गयी है। इच्छुक निविदाकर्ता मरम्मत कार्य का प्राक्कलन रक्षित निरीक्षक कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं। प्राप्त निविदाएं दिनांक 28/08/2025 के 12.00 बजे रक्षित निरीक्षक कार्यालय जिला-रीवा में निविदाकर्ता प्रतिनिधि एवं क्रय/कार्य समिति के समक्ष खोली जावेगी। कार्य का विवरण निम्नानुसार है।

क्र.	प्रस्तावित कार्य का नाम	स्वीकृत राशि	धरोहर राशि	कार्य की अवधि
1	रक्षित निरीक्षक कार्यालय की छत मरम्मत कार्य	2,80,523/-	8415/-	15 दिवस
2	थाना डभौरा में टॉयलेट मरम्मत कार्य, खिडकी दरवाजा मरम्मत, फर्स मरम्मत, छत मरम्मत एवं पुताई कार्य	4,99,645/-	14989/-	15 दिवस
3	थाना अजाक में खिडकी दरवाजा मरम्मत कार्य, छत मरम्मत, पुट्टी एवं पुताई कार्य	2,99,922/-	8997/-	15 दिवस
4	महिला थाना में खिडकी मरम्मत, छत मरम्मत, बिजली फिटिंग, पुट्टी एवं पुताई कार्य	4,99,645/-	14989/-	15 दिवस
5	थाना गोविंदगढ़ में टॉयलेट मरम्मत कार्य	99,942/-	2998/-	15 दिवस
6	थाना यातायात में छत मरम्मत, पुताई कार्य	2,98,561/-	8956/-	15 दिवस

समय सारणी:-

क्र.	विवरण	दिनांक/समय
01	निविदा प्रकाशन दिनांक	06/08/2025 के 14.00 बजे
02	निविदा जमा करने की प्रारंभ दिनांक	06/08/2025 के 14.00 बजे
03	निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक	26/08/2025 के 14.00 बजे
04	निविदा खोलने की दिनांक	28/08/2025 के 12.00 बजे

(विवेक सिंह) भा.पु.से
पुलिस अधीक्षक
जिला रीवा

G-16922/25

कार्यालय अधीक्षण यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, रीवा मण्डल रीवा

संक्षिप्त निविदा विज्ञप्ति क्र. 05/2025-26

क्रमांक 920/ग्रा.यां.से./2025 — रीवा, दिनांक 05/08/2025

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से Cover-3 (तीन लिफाफा पद्धति) राशि रू. 1.00 से अधिक एवं Cover-2 (दो लिफाफा पद्धति) राशि रू. 1.00 करोड़ तक के आधार पर ऑनलाईन प्रतिशत दर निविदा प्रपत्र एपेडिक्स 2.10 अनुसार निविदायें लोक निर्माण विभाग की केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निम्नलिखित कार्यों का विस्तृत विवरण बेवसाईट https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है:-

क्र.	ग्रा.या.से. संभागीय कार्यालय	सिस्टम आई.डी. नम्बर	कार्य का प्रकार	कार्यों की संख्या	निर्माण कार्यों की अनुमानित लागत (लाख)	एस.ओ.आर. /आमंत्रण का क्रम
1	सीधी	2025_RES_442287	नवीन जनपद पंचायत भवन निर्माण कार्य कुसमी जिला सीधी।	01	425.00	ग्रा.यां.से. 11.04.2022 से प्रभावशील एवं पी.डब्ल्यू. डी.एस.ओ. आर प्रभावशील 01.01.2024 प्रथम
2	सीधी	2025_RES_442296	नवीन जनपद पंचायत भवन निर्माण कार्य मझौली जिला सीधी।	01	425.00	
3	सतना	2025_RES_442297	नवीन जनपद पंचायत भवन निर्माण कार्य सोहावल जिला सतना।	01	425.00	
4	सतना	2025_RES_442298	नवीन जनपद पंचायत भवन निर्माण कार्य रामपुर बघेलान जिला सतना।	01	425.00	
5	सतना	2025_RES_442299	नवीन जनपद पंचायत भवन निर्माण कार्य नागौद जिला सतना।	01	425.00	
6	सिंगरौली	2025_RES_442300	नवीन जनपद पंचायत भवन निर्माण कार्य देवसर जिला सिंगरौली।	01	425.00	
7	सिंगरौली	2025_RES_442301	नवीन जनपद पंचायत भवन निर्माण कार्य चितरंगी जिला सिंगरौली।	01	425.00	
8	सिंगरौली	2025_RES_442302	नवीन जनपद पंचायत भवन निर्माण कार्य बैढ़न जिला सिंगरौली।	01	425.00	
9	रीवा	2025_RES_442303	नवीन जनपद पंचायत भवन निर्माण कार्य गंगेव जिला रीवा।	01	425.00	
10	सतना	2025_RES_442304	कार्यालय उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी जिला मैहर का भवन निर्माण।	01	21.09	11.04.2022 द्वितीय
11	सतना	2025_RES_442305	जिला चिकित्सालय (पॉलीरक्लनिक) भवन निर्माण मैहर।	01	22.87	11.04.2022 द्वितीय
12	सतना	2025_RES_442314	ग्राम पंचायत चंदई ग्राम चंदई में चंदई विस्तारीकरण।	01	79.53	11.04.2022 तृतीय
13	सतना	2025_RES_442315	ग्राम हिनौता ग्राम पंचायत हरदुआ में तालाब बण्ड सुधार एवं गहरीकरण कार्य	01	68.31	11.04.2022 तृतीय
			कुल योग :-		**4016.80**	

उपरोक्त निविदाओं के निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर ऑनलाईन भुगतान कर क्रय किये जा सकते हैं। निविदा प्रपत्र क्रय करने का दिनांक 07.08.2025 से प्रारंभ होकर दिनांक 27.08.2025 समय 17:30 बजे शाम तक क्रय एवं निविदा प्रपत्र ऑनलाईन दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि निर्धारित है। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी वेबसाईट पर देखी जा सकती है।

संशोधन की सूचना अलग से प्रकाशित नहीं की जावेगी। संशोधन संबंधी सूचनाएं केवल वेबसाईट पर ही अपलोड की जावेगी। समस्त निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि वे अंतिम दिवस की प्रतीक्षा न करें। शीघ्रातिशीघ्र बिड जमा करें। वेबसाईट में किसी प्रकार की असुविधा के लिए विभाग उत्तरदायी नहीं होगा।

अधीक्षण यंत्री,
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा
रीवा मण्डल रीवा

G-16931/25

जेल में परिरुद्ध बंदियों को राखी बांधने का कार्यक्रम आयोजित किया गया

जागरण, छतरपुर । जिला जेल छतरपुर में श्री योग वेदान्त सेवा समिति छतरपुर द्वारा रक्षा बंधन के उपलक्ष्य में जेल में परिरूद्ध बंदियों को राखी बाधने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में जेल अधीक्षक दिलीप सिंह द्वारा रक्षाबंधन के महत्व को बताते हुए अपनी बहनों से दूर जेल में बंद कैदियों को राखी बंधवाने के लिए कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। योग वेतान्ता सेवा समिति महिला उत्थान मंडल द्वारा जेल में परिरूद्ध 450 बंदियों एवं स्टाफ को राखियां बांधी गई एवं सभी को इस शुभ अवसर पर मिठाइयां खिलाई गई। राखी बांधने के उपहार स्वरूप बंदी भाईयों से नशा का त्याग करने के लिए कहा गया। इस कार्यक्रम में श्री योग वेदान्ता समिति से मनीश अग्रवाल, राधा तिवारी, जुगल भाई सहित अन्य सदस्य एवं जेल स्टाफ उपस्थित रहा, कार्यक्रम का संचालन जेल शिक्षक उवेश कुमार द्वारा किया गया।

थाना सिविल लाइन पुलिस ने 15 कोडीन सिरप एवं ड्रग्स 900 टैबलेट सहित आरोपी को किया गिरफ्तार

छतरपुर । थाना सिविल लाइन पुलिस को विगत दिवस क्षेत्र भ्रमण के दौरान प्रतिबंधित नशीला पदार्थ कोडीन सिरप एवं नशीले ड्रग्स टैबलेट सहित संदिग्ध की सूचना प्राप्त हुई। पुलिस टीम संबंधित स्थान सटई रोड पर पहुंची, रेलवे ओवर ब्रिज के पास सटई तरफ से मोटरसाइकिल से आ रहे संदिग्ध को रोककर तलाशी ली गई। कार्टून में नशीले प्रतिबंधित सिरप एवं नशीले ड्रग्स टैबलेट पाया गया। 15 कोडीन फास्फेट ट्राईप्रोलिडिन हाइड्रोक्लोराइड सिरप एवं ड्रग्स 900 नाइट्राजेपाम टेबलेट, प्रयुक्त मोटरसाइकिल कीमत करीब 50000 रुपए जप्त कर आरोपी को अभिरक्षा में लिया गया। पूछताछ पर वैध दस्तावेज, विशेषज्ञ के परामर्श इत्यादि नहीं पाए गए। आरोपी सुमित पटेरिया पिता महेश पटेरिया निवासी रामगढ़ थाना सिविल लाइन के विरुद्ध थाना सिविल लाइन में एनडीपीएस अधिनियम एवं मध्य प्रदेश ड्रग्स कंट्रोल अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। विधिवत कार्यवाही कर अभियुक्त को न्यायालय पेश किया जा रहा है। विवेचना कार्यवाही जारी है। उक्त कार्यवाही में नगर पुलिस अधीक्षक श्री अरुण कुमार सोनी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सिविल लाइन निरीक्षक वाल्मीकि चौबे उप निरीक्षक कादिर खान, उपनिरीक्षक बाबूलाल, धर्मेंद्र, प्रशांत, अमन, हरेंद्र एवं पुलिस टीम की भूमिका रही।

कजली महोत्सव शोभायात्रा में बैंड बाजों और घोड़ों पर सवार होकर निकले आल्हा ऊदल

जागरण, लवकुशनगर । नगर की वर्षो पुरानी परम्परा के अनुसार शनिवार रक्षा बंधन पर्व पर कजली महोत्सव में घोड़े पर सवार होकर आल्हा ऊदल की विशाल शोभायात्रा नगर में निकाली गई। शोभायात्रा का शुभारंभ महोबा रोड नगर परिषद कार्यालय से कजलियों की डोली उठाकर किया । इसके बाद शोभा यात्रा बैंड बाजो, घोड़ो में आल्हा ऊदल सवार होकर नगर के सभी प्रमुख मार्गों से होते हुए नगर के बड़े तालाब मानसरोबर तक निकाली गयी। शोभायात्रा में आगे आगे दो दर्जन से अधिक घोड़े बैण्ड बाजे और घोड़ो पर सवार हाथो में तलवार लिये आल्हा ऊदल, सैयद के रुप में सजे कलाकार, हाथो में तलवार लिये एवं ट्रेक्टरों में सजी हुई झाकिया जो नगर के महोबा रोड से होते हुये पुराने बस स्टेण्ड से छतरपुर रोड पहुंची इस बीच शोभा यात्रा में महिलाये सिर पर कजलियां धारण किये हुये सावन के गीत गाते हुये चल रही थी । शोभा यात्रा के दौरान लोगो खासा उत्साह दिखाई दिया । नगर के पुराने लोगो ने बताया कि यह नगर आल्हा ऊदल के 52 गढ़ केन्द्र में आता था यह बनफरी क्षेत्र कहॉ जाता है जहॉ उनका केंद्र रहता था । आल्हा ऊदल की शोभा यात्रा को देखने के लिये जगह जगह लोगो की भीड जुटी । महिलाये अपनी अपनी छतो से शोभायात्रा देख रही थी । शोभायात्रा के दौरान पुलिस व्यवस्था चुस्त दुरुस्त दिखाई दी गई । शोभायात्रा नगर भ्रमण के बाद पुराने बड़े तालाब पहुंची जहॉ पर विसर्जन हुआ ।

वैदिक ब्राह्मणों ने मनाया श्रावणी पर्व

छतरपुर । रक्षाबंधन के अवसर पर वैदिक ब्राह्मणों के साथ अन्य विप्र बन्धुओं ने प्रताप सागर तालाब की चौपाटी में श्रावणी उपाक्रम आयोजित किया। यह पर्व प्रायश्चित के लिए मनाया जाता है। वर्ष भर होने वाले कार्यों के दौरान यदि कोई गलती हो तो ऋषियों, देवों और पितरों से क्षमा प्रार्थना की जाती है। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि विधान से इस पर्व पर ब्राह्मणों ने पूजा अर्चना की। स्थानीय चौपाटी में आयोजित श्रावणी के संबंध में पं. शिवदत्त शुक्ल ने बताया कि ब्राह्मणों के लिए यह कर्म अत्यंत आवश्यक होता है। प्रत्येक यज्ञोपवीत धारी ब्राह्मण को यह पर्व मनाना चाहिए। उन्होंने बताया कि यह पर्व प्रायश्चित के लिए मनाया जाता है। वर्ष में यदि कोई गलती हो जाती है तो इसके माध्यम से क्षमा प्रार्थना की जाती है। उन्होंने बताया कि विधि विधान से ऋषियों का पूजन, पंचगव्य ग्रहण करना, 10 वस्तुओं से 10 बार स्नान करना, तर्पण एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ नवीन यज्ञोपवीत धारण करना श्रावणी में शामिल है।

स्कूल की दहलीज पार करते ही हावी हो जाती है प्रेत आत्मा या अंधविश्वास? जानें भुतहा स्कूल का सच

जागरण, मंडला । क्या वाकई किसी स्कूल पर प्रेत आत्मा का साया हो सकता है? क्या सचमुच स्कूल की दहलीज पार करते ही प्रेत आत्मा हावी हो जाती है या ये सिर्फ और सिर्फ अंधविश्वास है? इस मामले की सच्चाई जानने हमारी टीम पहुंची मध्य प्रदेश के मंडला जिले में आने वाले ग्राम तिलाई. जहां पीड़ित बच्चों के परिजन, टीचर्स और स्वास्थ्य विभाग से जानने की कोशिश की गई कि आखिर ये मामला क्या है ।

स्कूल आते ही बीमार हुए बच्चे, फिर फैली भूतों की कहानी : दरअसल, 2 अगस्त के बाद से ग्राम तिलाई के एकीकृत हाई स्कूल में भूत होने की अफवाह फैली है. इस स्कूल में लगभग 208 हैं, ये बच्चे तीन दिन से स्कूल नहीं आ रहे. दअरसल, 2 अगस्त को इस स्कूल में भोजन की छुट्टी के बाद जब बच्चे जब वापिस स्कूल आए तो सभी एक के बाद एक चक्कर खाकर गिरने लगे. हद तो तब हो गई जब हर कोई सिर पीटकर और चीखकर रोने लगा.स्कूल के शिक्षकों द्वारा तत्काल प्राथमिक उपचार के लिए गांव के ही आरोग्यम में दिखाया गया.इसके बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बम्हनी बंजर में उनका उपचार करवाया गया. शुरुआत में किसी को तुरंत आराम नहीं लगा पर बाद में सभी टीक होने लगे।

भूत प्रेत का साया या महज अफवाह और अंधविश्वास? जब हमने बच्चों के स्वास्थ्य और उनके अजीब व्यवहार पर स्वास्थ्य कर्मियों से बात की तो उन्होंने बताया कि बच्चों को सिर दर्द, डिहाइड्रेशन और पेट दर्द की समस्या थी. सभी को ये समस्या कई कारणों से हुई थी. स्वास्थ्य कर्मी रेशमा कार्तिक ने कहा, %% हमारे स्वास्थ्य केंद्र के सामने ही स्कूल संचालित होता है और हमें जानकारी लगते ही स्कूल पहुंचकर स्कूली बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमे बच्चों को चक्कर आना, सिर व पेट दर्द की शिकायत थी

क्या कहते हैं स्कूल के प्रिंसिपल? स्कूल के प्रिंसपल अनिल दुबे ने कहा, %% 2 तारीख को एक बच्ची की तबीयत बिगड़ी थी, जिसे स्कूल के ही बच्चे मेरे पास लेकर आए. बताया कि इसको चक्कर आ रहे और सिर में दर्द हो रहा है. सामने ही मौजूद स्वास्थ केंद्र से स्वास्थ्य कर्मी बुलाया गया जिन्होंने बताया कि डिहाइड्रेशन और माइग्रेन की शिकायत है ।

क्या कहते हैं जानकार : वहीं भूत प्रेत की अफवाहों को लेकर स्वयं सेवी संगठन के कार्यकर्ता दीपक सिंह कहते हैं,%% ग्रामीण क्षेत्रों में हमने अक्सर देखा है कि स्वास्थ्य समस्याओं को भी भूत-प्रेत बाधा से जोड़ दिया जाता है. इन क्षेत्रों में अंधविश्वास और अफवाहें भी तेजी से फैलती हैं. ऐसे में हम लोगों को जागरूक करने का भी प्रयास करते हैं. स्वास्थ्य खराब होने पर जितना जल्दी हो डॉक्टरी सलाह लें और कभी भी झाड़-फूंक के चक्कर में पड़कर समय न गंवाए।

बारिश से प्रभावित 7 सैकड़ा से अधिक लोगों को मिली 78 लाख की राहत राशि

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सिंगल क्लिक से अंतरित की राशि

जागरण, छतरपुर । मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शुक्रवार को भारी बारिश से प्रभावित लोगों को राहत राशि का वितरण कर उनकी मुश्किलों को कम करने का प्रयास किया। इसी क्रम में छतरपुर जिले के 721 हितग्राहियों को 78 लाख रुपये से अधिक की राशि प्रदान की गई। यह सहायता प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान की भरपाई के लिए सरकार द्वारा दी गई है। कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने बताया कि शुक्रवार को भोपाल के समत्व भवन से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रदेश भर में लगभग 30 करोड़ रुपये की राहत राशि हितग्राहियों के खातों में अंतरित की। इसमें जनहानि, पशुहानि, मकान क्षति, कपड़ा, बर्तन और खाद्यान्न क्षति जैसे विभिन्न नुकसानों के लिए सहायता शामिल थी। छतरपुर जिले से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए एनआईसी कक्ष में कलेक्टर के अलावा एडीएम मिलिंद नागदेवे सहित संबंधित अधिकारी और हितग्राही इस कार्यक्रम से जुड़े। जिले के 721 हितग्राहियों को कुल 78 लाख 49 हजार 400 रुपये की राहत राशि दी गई, जिसमें जनहानि के लिए 40 लाख, पशुहानि के लिए 6 लाख 80 हजार 500, मकान क्षति के लिए 31 लाख 48 हजार 900 और अन्य क्षतियों के लिए 20 हजार रुपये शामिल हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न जिलों के हितग्राहियों से बातचीत कर उनके हालचाल जाने और हर संभव सहायता का आश्वासन भी दिया।

मुख्यमंत्री कल्याणी सहायता योजना

म.प्र.शासन द्वारा कल्याणी के पुनर्विवाह के लिए दी जाती है दो लाख की आर्थिक सहायता

जागरण, छतरपुर । मध्यप्रदेश शासन द्वारा मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के साथ प्रदेश स्तर पर मुख्यमंत्री विधवा विवाह योजना प्रारम्भ किये जाने की घोषणा के फलस्वरूप उन्हें शासकीय योजनाओ का लाभ देने हेतु तथा प्रदेश की विधवाओं के प्रति सम्मान प्रदर्शित करते हुए मुख्यमंत्री विधवा विवाह योजना को मुख्यमंत्री कल्याणी सहायता योजना के नाम से आरंभ किया गया है। जिसमें कल्याणियों के पुनर्विवाह हेतु मध्यप्रदेश शासन द्वारा लगभग दो लाख रू. की आर्थिक सहायता राशि मुहैया कराई जा रही है। कल्याणी व कल्याणी का पति मध्यप्रदेश का मूल निवासी हो। कल्याणी की न्यूनतम आयु 18 वर्ष या उससे अधिक हो तथा कल्याणी के पति की आयु 21 वर्ष से अधिक हो।. कल्याणी के पूर्व पति का मृत्यु प्रमाण पत्र एवं कल्याणी द्वारा इस आशय का शपथ-पत्र प्रस्तुत करना होगा कि मृत्यु प्रमाण पत्र में मृतक आवेदिका का पति था। कल्याणी को परिवार पेंशन प्राप्त न हो रही हो। कल्याणी आयकरदाता ना हो। कल्याणी शासकीय सेवक न हो, कल्याणी का जिस व्यक्ति से विवाह होना है उसकी पत्नि जीवित न हो। ज्ञातव्य हो कि कल्याणी विवाह सहायता का लाभ प्राप्त होने पर विभाग द्वारा संचालित अन्य विवाह / निकाह योजना का लाभ प्राप्त नहीं होगा। कल्याणी द्वारा मुख्यमंत्री कन्या विवाह / निकाह योजना के सामूहिक विवाह में विवाह सम्पन्न होता है तो उस दशा में केवल कल्याणी विवाह योजना का ही लाभ देय होगा। कल्याणी विवाह योजना के लिए सामूहिक विवाह में विवाह करने का बंधन नहीं होगा। कल्याणी विवाह सहायता का लाभ कल्याणी के द्वारा विवाह करने पर ही देय होगा तथा यह कल्याणी विवाह सहायता राशि पूरे जीवनकाल में एक बार ही देय होगी। कल्याणी के विवाह उपरांत 7 वर्ष के भीतर विवाह विच्छेद होने पर दी गई सहायता राशि कल्याणी से वसूल की जावेगी। कल्याणी विवाह सहायता योजना के आवेदन पत्र जिस जिले से विवाह प्रमाण पत्र जारी हुआ है उस जिले के कलेक्टर, संयुक्त या उप संचालक, सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण के कार्यालय में दस्तावेज सहित जमा करना अनिवार्य होगा। कल्याणी विवाह सहायता योजना की स्वीकृति हेतु जिला कलेक्टर स्वीकृतकर्ता अधिकारी होंगे। कल्याणी व उसके पति का मूल निवास प्रमाण पत्र, समग्र आईडी, आयु प्रमाण पत्र, बैंक पासबुक की छायाप्रति, आधार कार्ड, विवाह प्रमाण पत्र, पूर्व पति का मृत्यु प्रमाण पत्र ।

एसडीएम नैनपुर ने सीनियर आदिवासी बालिका छात्रावास सालीवाड़ा पहुंचकर मनाया रक्षाबंधन पर्व एवं छात्राओं से की मुलाकात

मंडला । कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार शुक्रवार को नैनपुर एसडीएम आशुतोष एम ठाकुर ने सीनियर आदिवासी बालिका छात्रावास पहुंचकर छात्राओं को रक्षाबंधन की शुभकामनाएँ दीं। हॉस्टल की छात्राओं से मुलाकात करते हुए यहाँ की व्यवस्थाओं के बारे में फीडबैक लिया। छात्राओं ने रक्षाबंधन पर्व के पूर्व ही एसडीएम को रक्षासूत्र बांधकर अपनी खुशी व्यक्त की। इस मौके पर उपस्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सालीवाड़ा की प्राचार्य श्रीमति कौशल्या नेटी, श्री शरणागत, प्राचार्य कन्या शिक्षा परिसर, छात्रावास अधीक्षिका श्रीमति धनेश्वरी कुड़ापे समेत छात्रावास स्टॉफ उपस्थित रहा एसडीएम श्री ठाकुर ने दूरस्थ वनांचलों से आकर निवासरत छात्राओं से चर्चा करते हुए कहा कि रक्षाबंधन का त्यौहार भाई-बहन के स्नेह का पर्व है। आप यहाँ अकेली नहीं हैं, पूरा प्रशासन आपके साथ है। आप सभी को रक्षाबंधन की अग्रिम शुभकामनाएं एवं बधाई। आप सभी अपने कैरियर में ऊंचाइयों को छुएं और अपने साथ माता-पिता, गुरुजनों और अपने जिले का नाम रोशन करें।

तिरंगा यात्रा का हुआ शुभारंभ, स्वतंत्रता पर्व का संदेश जन-जन तक

जागरण, डिंडोरी । स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज के गौरव और देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से आज तिरंगा यात्रा का शुभारंभ धूमधाम से किया गया। यात्रा जिला पंचायत अध्यक्ष श्री रुदेश परस्ते, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती अंजू ब्यौहार, जनपद अध्यक्ष एवं जिला पंचायत सदस्य सुश्री संगीता सोनी के नेतृत्व में संपन्न हुई।कार्यक्रम का आयोजन जन अभियान परिषद एवं नेहरू युवा केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में किया गया, जिसका प्रारंभ नवोदय विद्यालय धमनगांव से हुआ। तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, विद्यार्थी, स्वयंसेवक एवं आमजन शामिल हुए। सभी ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारे लगाए और वंदे मातरम, भारत माता की जय से वातावरण गुंजायमान हो उठा। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री रुदेश परस्ते ने अपने संबोधन में कहा कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि हमारे देश की एकता, अखंडता और बलिदान का प्रतीक है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आदर्शों को जीवन में अपनाएं।जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती अंजू ब्यौहार ने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में देशभक्ति की भावना को मजबूत करते हैं और राष्ट्रीय एकता का संदेश देते हैं। जनपद अध्यक्ष एवं जिला स्वच्छता समन्वयक सुश्री संगीता सोनी ने भी तिरंगा यात्रा में शामिल होकर देश के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक, नेहरू युवा केंद्र के प्रतिनिधि, नवोदय विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे।

उर्वरक के अवैध परिवहन पर पिकअप चालक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज

जागरण, मंडला । कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में उर्वरक के भंडारण एवं परिवहन पर संबंधित अधिकारियों द्वारा कड़ी निगरानी की जा रही है। इसके लिए विभागीय अमले द्वारा विकासखंडवार वरिष्ठ अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। इसी कड़ी में सहायक संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंडला एवं उर्वरक निरीक्षक नैनपुर श्री आरडी जाटव को नैनपुर भ्रमण के दौरान पिकअप वाहन से उर्वरक के अवैध परिवहन की सूचना मिली। उर्वरक से लदे पिकअप वाहन की संदिग्ध स्थिति को देखते हुए वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी नैनपुर श्रीमती पंचशीला वरकड़े, कृषि विस्तार अधिकारी श्री सौरभ सिंह बघेल द्वारा वाहन को थांवर पुल के पास रोककर परिवहित उर्वरक के बिल सहित अन्य दस्तावेज मांगे जाने पर वाहन चालक द्वारा कोई भी दस्तावेज नहीं दिखाए गए। जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए उन्होंने पुलिस थाना नैनपुर में इस आशय की सूचना देते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार को शाम लगभग 7:45 बजे थांवर नदी पुल के पास अवैध रूप से बिना कागजात के परिवहन करते हुए तथा उर्वरक गोदाम प्रभारी के द्वारा अनुज्ञप्ति संचालन नियमों के विपरीत बिना विक्रय देयक जारी किए जिले को प्रदाय उर्वरक बाहर ले जाया जा रहा था। मंडला जिले के कोटे के उर्वरक को अवैध परिवहन के लिए वाहन क्रमांक एमपी 51 जेडए 6988 के चालक राकेश साहू पिता लखनू लाल साहू, उम्र 37 वर्ष, निवासी ग्राम जेवनारा एवं नीरज मरकाम पिता रमेश मरकाम, निवासी वार्ड नंबर 1 बम्हनी के द्वारा उर्वरक गमनागमन नियंत्रण आदेश 1973 की धारा 3, उर्वरक गुण नियंत्रण 1985 की धारा 3 एवं 5, आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3 (1) 2 का अपराध घटित होना पाए जाने पर दोनों आरोपियों के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत लघु उद्योग भारती एवं जिला प्रशासन द्वारा पौधरोपण कार्यक्रम संपन्न

जागरण, कटनी। पर्यावरण संरक्षण को लेकर जनजागरूकता के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देशभर में चलाए जा रहे एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत कृषि उपज मंडी परिसर कटनी में वृक्षारोपण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण आयोजन का सफल संचालन लघु उद्योग भारती एवं जिला प्रशासन कटनी के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम का मार्गदर्शन कलेक्टर दिलीप यादव तथा लघु उद्योग भारती के प्रदेश महामंत्री अरुण सोनी द्वारा किया गया। इस अवसर पर परिसर में 501 पौधों का सामूहिक रोपण किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, उद्यमियों, सामाजिक संगठनों, स्कूलों एवं विभिन्न विभागों की सहभागिता सराहनीय रही। उल्लेखनीय उपस्थिति दीपक

टंडन सोनी जिला अध्यक्ष भाजपा, प्रमोद चतुर्वेदी एसडीएम, श्रीमती ज्योति सिंह महाप्रबंधक जिला उद्योग एवं व्यापार केंद्र, श्रीमती अनामिका जैन एवं राजेश पटेल प्रबंधक, किशोर नरगावे सचिव कृषि उपज मंडी राजेन्द्र शुक्ला प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, सेक्रेड हार्ट स्कूल के शिक्षक एवं विद्यार्थी कार्यक्रम संचालन लघु उद्योग भारती के सक्रिय सदस्यों नितिन जैन, निलेश विश्वकर्मा एवं अमित सिंघई द्वारा किया गया। विशिष्ट उपस्थिति में अनिल वासवानी, मुरलीधर रतनानी, नवीन केसरी महिला उद्यमी प्रिय सोनी, नीति ठाकुर, आकांक्षा केसरी, रीना कुचिया, श्वेता सिंघई, सरिका गुप्ता, ज्योति राजपालानी, पुरुष उद्यमी अंकित गोयल, ईशान जैन, प्रभांशु वैश्य, रामहित सोनी, राजकुमार असरानी, मनीष सिंघानी, रवि खटवानी, अशोक चेनानी, अजय खंडेलवाल, समीर सेठिया, अनिल पंजाबी, रमेश गुप्ता सहित अन्य गणमान्य नागरिक। इस कार्यक्रम में विभिन्न संगठनों, व्यापारीगणों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की सहभागिता से वृक्षारोपण केवल एक प्रतीकात्मक आयोजन न रहकर जनभागीदारी का प्रेरणादायी उदाहरण बन गया। लघु उद्योग भारती एवं जिला प्रशासन कटनी द्वारा किया गया यह आयोजन पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय पहल सिद्ध हुआ।

संभागायुक्त धनंजय सिंह का शहपुरा भ्रमण, विभागीय योजनाओं की समीक्षा

जागरण, डिंडोरी । जबलपुर संभाग के संभागायुक्त श्री धनंजय सिंह ने आज डिंडौरी जिले के शहपुरा जनपद पंचायत कार्यालय के सभागार में विभिन्न विभागों के कार्यों और योजनाओं की समीक्षा बैठक ली। बैठक में कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अनिल कुमार राठौर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।संभागायुक्त श्री सिंह ने सहकारिता, मत्स्य, जल निगम, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, नगरीय प्रशासन, शिक्षा, स्वास्थ्य, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, कृषि, उद्यानिकी, बिजली आदि विभागों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने राजस्व विभाग के लंबित सीमांकन, नामांतरण, बंटवारा एवं भू-अर्जन प्रकरणों की गहन समीक्षा करते हुए एसडीएम और तहसीलदारों को न्यायालयीन प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि सहकारिता एवं मत्स्य विभाग समन्वय कर सभी समितियों के बैंक खाते शीघ्र खोलने की कार्यवाही पूर्ण करें। उद्यानिकी विभाग को पीएमएफएमई

योजना के लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक कदम उठाने को कहा। ग्रामीण यांत्रिकी सेवा को पंचायतों में प्रगतिरत निर्माण कार्यों की सतत निगरानी कर उन्हें गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। पशु चिकित्सा विभाग को मोबाइल मेडिकल यूनिट के प्रभावी संचालन और मॉनिटरिंग पर विशेष ध्यान देने को कहा गया।महिला एवं बाल पोषण योजनाओं की समीक्षा शहपुरा तहसील कार्यालय में स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग की संयुक्त पोषण प्रबंधन कार्यशाला सह समीक्षा बैठक आयोजित की गई। संभागायुक्त ने मैदानी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे आपसी समन्वय से बच्चों एवं महिलाओं की स्वास्थ्य व पोषण संबंधी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करें।

शहपुरा परियोजना की सीडीपीओ द्वारा निरीक्षण में लापरवाही पाए जाने पर संयुक्त संचालक महिला बाल विकास को स्पष्टीकरण लेने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही महिला बाल विकास के अमले को नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।संभागायुक्त ने पोषण ट्रैकर, संपर्क, एमआईएस, अनमोल व आरसीएस पोर्टल पर विवरण समय पर दर्ज करने और फील्ड भ्रमण से उनकी पुष्टि सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि आशा कार्यकर्ता और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संयुक्त रूप से नियमित भ्रमण करें। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं टेक होम राशन वितरण की भी समीक्षा की गई। सुहगी आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर पंजीयन एवं बच्चों की उपस्थिति संबंधी जानकारी ली। सीडीपीओ को निर्देशित किया गया कि बच्चों की उपस्थिति की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए।स्वास्थ्य केंद्र एवं निर्माण कार्यों का निरीक्षण शहपुरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के निरीक्षण के दौरान गर्भवती महिलाओं के पंजीयन, टीकाकरण तथा पोर्टल पर जानकारी अद्यतन करने एवं फॉलोअप सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। ओपीडी व स्वास्थ्य सेवाओं की सुचारू उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया गया।इसके अतिरिक्त, श्री सिंह ने सांदीपनि विद्यालय शहपुरा के निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण कर निर्धारित डिजाइन और गुणवत्ता के अनुसार निर्माण की जानकारी कार्यपालन यंत्री हाउसिंग बोर्ड से प्राप्त की। अंत में संभागायुक्त श्री सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में पूर्ण गंभीरता बरतें और किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या, सीइओ जिला पंचायत श्री अनिल कुमार राठौर, शहपुरा एसडीएम श्री ऐश्वर्या वर्मा, डिंडोरी एसडीएम सुश्री भारती मेरावी, सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग श्री राजेंद्र कुमार जाटव, जिला शिक्षा अधिकारी श्री रावेंद्र मिश्रा , प्रबंधक एमपीजेएसवाई श्री जेपी मेहरा,आयुष अधिकारी डॉ संतोष परस्ते, सीइओ जनपद पंचायत श्री अरविंद बोरकर, कृषि उपसंचालक सुश्री अभिलाषा चौरसिया सहित अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

आबकारी विभाग मण्डला की अवैध शराब के विरुद्ध की गई कार्यवाही

जागरण, मंडला । कलेक्टर महोदय श्री सोमेश मिश्रा जिला मण्डला के निर्देशन मे जिला आबकारी अधिकारी रामजी पांडेय के मार्गदर्शन में मण्डला जिले में मदिरा के अवैध संग्रहण,परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध की गई कार्यवाही में मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर घुघरी तहसील क्षेत्र में ग्राम पंचायत कुसमी गांव भानपुर में स्थित दुर्गा प्रशाद की दुकान के पास स्थित कमरे की विधिवत तलाशी ली गई जिसमे 20 पेटी देसी मदिरा प्लेन की जप्त की गई ।जप्त मदिरा की मात्रा 180 बल्क लीटर है जो कि धारण क्षमता से अत्यधिक होने के कारण मदिरा को कब्जे आबकारी लिया जप्त मदिरा की अनुमानित कीमत 75000/-है।आरोपि के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के अंतर्गत धारा 34(2) का प्रकरण पंजीबद्ध किया प्रकरण में विवेचना जारी हैं उक्त कार्यवाही के दौरान आबकारी उपनिरीक्षक सर्वेश नागवंशी,मूख्य आरक्षक हरे सिंह,दुर्जन कुलेश,महेश पटेल,रघुनाथ उइके,नेतराम ककोटिया, सत्यपाल,ऋषभ,प्रिया नायडू,आरती डेकाटे उपस्थित रहे।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

गड़बड़ियों की शिकायतों को दूर करे चुनाव आयोग

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जिस तरह से 'मतों की चोरी' का सार्वजनिक खुलासा किया है, उस पर चल रही चर्चा सकारात्मक और स्वागतयोग्य है। मतदान सुधार के लिए जितने भी प्रयास किए जाएं कम हैं और शिकायतों को दूर करने के लिए चुनाव आयोग को अपनी ओर से पूरा जोर लगाना चाहिए। सरकार के लिए भी यह आवश्यक है कि वह मतदान में गड़बड़ी संबंधी किसी तरह की शिकायत के लिए कोई गुंजाइश न छोड़े। राहुल गांधी ने बाकायदा मतदाता सूची के आंकड़ों के साथ बताया है कि वोटों की चोरी कैसे की जा रही है। इसके लिए पांच तरीकों का इस्तेमाल हो रहा है। फर्जी मतदाता, अवैध पते, एक पते पर कई मतदाता, गलत फोटो और फॉर्म6 का दुरुपयोग। ऐसी ही शिकायतें पिछले चुनावों में भी सामने आई हैं, पर यह पहली बार है, जब किसी नेता प्रतिपक्ष ने इस बात को इतनी गंभीरता से पेश किया है। इस खुलासे को एटम बम जैसा तो नहीं कहा जा सकता, पर यह शिकायत गंभीर है। बहरहाल, मतदाता सूचियों और मतदान को लेकर जो निर्दिष्ट शिकायतें सामने आई हैं, उनकी जांच चुनाव आयोग को अवश्य करनी चाहिए। अगर कोई गलती या गड़बड़ी है, तो उसे छिपाने की कोशिश करना गलत है और अगर कोई गलती या गड़बड़ी नहीं है, फिर तो चुनाव आयोग को अकाट्य प्रमाण के साथ सामने आना चाहिए। यह लोकतंत्र है, जिसमें चुनाव आयोग किसी एक व्यक्ति की संस्था नहीं है, वह एक व्यवस्थित प्रक्रिया है, उसमें अगर कोई कमी है, तो उसे स्वीकार करने के बाद ही सुधार की सच्ची प्रक्रिया शुरू होगी। किन्हीं आरोपों को मौखिक रूप से खारिज कर देने मात्र से विवाद का अंत नहीं हो जाएगा। मिलीभगत से चुनाव जीतने का आरोप चुनाव आयोग, बल्कि देश के सबसे बड़े दल के लिए भी चिंता की बात होनी चाहिए। वास्तव में, यहां सर्वाधिक समय तक सत्ता में रही पार्टी का दामन भी बहुत साफ नहीं है। आज भी उसके कार्यकर्ता पीछे पड़ जाएं, तो मतदाताओं की समीक्षा जमीनी स्तर पर कर सकते हैं, उन्हें चुनाव आयोग के आंकड़ों के भरोसे रहने की जरूरत नहीं है। चुनाव सुधार कतई राजनीति का विषय नहीं है, व्यवस्था का मामला है। चुनाव के नियम बनाने वाले दिग्गज नेताओं ने भी मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया में कमियां छोड़ी थीं, तब देश के द्वितीय चुनाव आयुक्त केवीके सुंदरम के नेतृत्व में सुधार किए गए थे और सबसे ज्यादा सुधार दसवें मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन के समय हुए। यह डिजिटल दौर है, यूपीआई, पिन और पासवर्ड की सुरक्षा है, ऐसे में, एक भी फर्जी मतदाता हमारी चुनाव व्यवस्था में कैसे सेंधमारी कर सकता है? हमें ऐसी व्यवस्था बनानी ही पड़ेगी, जिसमें किसी भी राजनीतिक पार्टी पर गड़बड़ी करने का इल्जाम लगने की नौबत न आए।

> नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मतदाता सूची की गड़बड़ियों को बाकायदा आंकड़ों के साथ बताया है। ऐसी ही शिकायतें पिछले चुनावों में भी सामने आई हैं, पर यह पहली बार है, जब किसी नेता प्रतिपक्ष ने इस बात को इतनी गंभीरता से पेश किया है। शिकायतों को दूर करने के लिए चुनाव आयोग को पूरा जोर लगाना चाहिए।

नीतिगत प्रयासों से अवसर बना लें टैरिफ-आपदा को

टैरिफ संकट

अरुण कुमार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जब तक अपनी शर्तों पर व्यापार समझौता नहीं कर लेते, तब तक वह टैरिफ से दबाव बनाते रहते हैं। कनाडा इसका बड़ा उदाहरण है, जिस पर पहले से लागू 25 फीसदी शुल्क को बढ़ाकर 35 प्रतिशत कर दिया गया है। यूरोपीय संघ ऐसे ही दबाव में घुटने टेक चुका है। लिहाजा, भारत पर कुल 50 फीसदी टैरिफ लगाने के फैसले को इसी नजरिये से देखना उचित होगा। इसका वस्त्र, रत्न व आभूषण, ऑटो पार्ट्स, सी फूड जैसे कई भारतीय निर्यातों पर असर पड़ेगा और अमेरिकी बाजार में इनकी आवक कम हो सकती है। हम चाहकर भी अपने दाम कम नहीं कर सकते, क्योंकि हमारा मुनाफा कम है। बमुश्किल चार-पांच प्रतिशत कटौती ही इनके मूल्यों में की जा सकेगी। ऐसे में, हमारी प्रतिस्पर्द्धी कंपनियों (जिनका टैरिफ हम से कम होगा) को इसका लाभ मिलेगा। जाहिर है, यह पूंजीवाद का 'क्रूर चेहरा' है। 1995 में जब विश्व व्यापार संगठन का गठन किया गया था, तब आपसी सहमति से 'गिव ऐंड टेक', यानी लेन-देन वाली व्यवस्था चुनी गई थी। इसमें विकसित देशों को जहां अपनी तरक्की व उच्च तकनीक का फायदा मिल रहा था, वहीं विकासशील या अल्प-विकसित देशों को अपने विकास के लिए कुछ रियायतें दी गई थीं। मगर लगता है, राष्ट्रपति ट्रंप इस व्यवस्था को बदलने के इच्छुक हैं।

हालांकि, इस टैरिफ नीति के खिलाफ शुरुआत में चीन की अगुवाई में यूरोपीय संघ, भारत, दक्षिण-पश्चिम एशियाई देशों ने एकजुटता दिखाने की कोशिश की थी, लेकिन यह दो वजहों से परवान नहीं चढ़ सकी। पहली, ट्रंप ने इनकी एकता तोड़कर हर देश से अलग-अलग समझौता करने की नीति अपनाई। और दूसरी, चीन की सदारत किसी को पसंद नहीं आई, क्योंकि आशंका यह थी कि बीजिंग अपने उत्पाद इन देशों के बाजार में तो खपा लेगा, लेकिन उसके बाजार में अन्य मुल्कों को उतनी सुविधा नहीं मिल सकेगी। सवाल है कि अब हमें क्या करना चाहिए? एक उपाय तो यही है कि हमें अमेरिका से इतर अपने बाजार का विस्तार करना चाहिए और जिन-जिन देशों से व्यापार समझौते हो सकते हैं, उनसे करने चाहिए।

> ट्रंप की टैरिफ नीति के खिलाफ शुरुआत में चीन की अगुवाई में यूरोपीय संघ, भारत, दक्षिण-पश्चिम एशियाई देशों ने एकजुटता दिखाने की कोशिश की थी, लेकिन यह परवान नहीं चढ़ सकी। साफ है, इस टैरिफ-आपदा को हम एक अवसर बना सकते हैं, जिसके लिए हमें कुछ नीतिगत प्रयास करने होंगे और मजबूत इच्छाशक्ति दिखानी होगी। अमेरिका से इतर अपने बाजार का विस्तार और अन्य देशों से व्यापार समझौते करने चाहिए। साथ ही घरेलू बाजार का विस्तार एक बड़ी राहत दे सकता है।

पिछले दिनों ब्रिटेन के साथ हमने मुक्त व्यापार समझौता किया है, जिसमें निर्यात योग्य करीब 99 फीसदी भारतीय उत्पाद शुल्क-मुक्त कर दिए गए हैं। दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ भी हमने इसी तरह का मुक्त व्यापार समझौता किया है। मगर प्रौद्योगिकी के मामले में तुलनात्मक रूप से कमजोर होने के कारण हमें इसमें मनमाफिक फायदा नहीं मिल सका है। इसलिए, नई-नई प्रौद्योगिकी को अपनाने पर हमें ध्यान देना होगा।

दूसरा उपाय घरेलू बाजार के विस्तार में छिपा है। अभी हमारी अर्थव्यवस्था निर्यात पर ज्यादा निर्भर है। ऐसा इसलिए, क्योंकि हमारी क्रय शक्ति कम है। ब्ल्यूम वेंचर्स की रिपोर्ट बताती है कि करीब एक अरब लोगों की इतनी आमदनी भी नहीं कि वे जरूरत के बजाय इच्छा से चीजें खरीद सकें। अगर लोगों की क्रय शक्ति बढ़ाने के उपाय किए जाएं, तो हमारा घरेलू बाजार इतना बड़ा हो सकता है कि हमारी बहुत ज्यादा निर्भरता निर्यात पर नहीं रहेगी।

लोगों की क्रय शक्ति बढ़ाने के लिए उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर मुहैया कराने होंगे। यह काम सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों या बड़ी कंपनियों के भरोसे नहीं हो सकता- 6,000 के करीब बड़ी और 50,000 के लगभग मध्यम कंपनियां इस मामले में बहुत कारगर साबित नहीं हो सकतीं। बेशक इनमें उत्पादन बढ़ रहा है, लेकिन रोजगार में कटौती हो रही है। इसे यूं समझिए कि मारुति पहले 58 सेकंड में एक कार तैयार करती थी, जिसमें 10 रोबोट व 10 श्रमिकों का श्रम लगा होता था। अब (एआई के विस्तार से पहले) यह समय घटकर 38 सेकंड हो चुका है, जिसमें 20 रोबोट और पांच लोग काम करते हैं। मशीनीकरण ने वहां रोजगार घटाए हैं। लिहाजा, लघु व सूक्ष्म उद्योगों से ही अधिक उम्मीदें हैं। फिलहाल माइक्रो सेक्टर में 11.5 करोड़ लोग काम कर रहे हैं और एक इकाई औसतन 1.7 लोगों को रोजगार दे रही है। हमें इस क्षेत्र को बढ़ाने के लिए तीन उपाय करने होंगे- बाजार देना होगा, वित्त-पोषण करना होगा और प्रौद्योगिकी उपलब्ध करानी होगी। बाजार और वित्त-पोषण के लिए एक उपाय यह हो सकता है कि इसमें सहकारी व्यवस्था लागू की जाए। मसलन, भदोही में कालीन की कोऑपरेटिव बनाई जाए, तो खुर्जा में सिरेमिक (मिट्टी के बर्तन आदि) की। अलीगढ़ में ताले और पीतल की सहकारी समितियां बनाई जा सकती हैं। इसी तरह के प्रयोग देश के अन्य इलाकों में भी किए जा सकते हैं। प्रौद्योगिकी के लिए सरकारों को अपने तईं अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। इसी तरह, पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में या रीसाइकिल (पुनर्चक्रण) के कामों में सरकारी मदद बढ़ाने की जरूरत है, ताकि इन क्षेत्रों में रोजगार बढ़ाए जा सकें। बेशक, कृषि सबसे अधिक रोजगार देने वाला क्षेत्र है, जिसमें 46 फीसदी श्रम-वर्ग लगा हुआ है, लेकिन मशीनीकरण के बढ़ने से यहां भी नया रोजगार पैदा करना काफी मुश्किल हो गया है। यहां हम अधिक से अधिक, नई प्रौद्योगिकी को खेतों तक पहुंचाने की व्यवस्था कर सकते हैं।

इसी तरह, शिक्षा और स्वास्थ्य के मद में खर्च बढ़ाना होगा। अभी हमारे देश में शिक्षकों और डॉक्टरों की संख्या कम है। प्राथमिक विद्यालयों में प्रति 26 छात्र और उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं में प्रति 27 छात्र पर एक शिक्षक कार्यरत है। इसी तरह, 811 लोगों पर एक डॉक्टर उपलब्ध है। इस औसत में सुधार करने होंगे। इसके लिए रिक्त पदों पर भर्ती होनी चाहिए। ग्रामीण विकास के लिए हमें रोजगार गारंटी योजना के तहत काम बढ़ाने चाहिए। रिजर्व बैंक कहता है कि इस योजना के तहत महज 50 दिनों का काम मिल पाता है।

लिहाजा, जल संरक्षण, सिंचाई, भूमि विकास, बाढ़ नियंत्रण, ग्राम पंचायत के सार्वजनिक भवनों के निर्माण जैसे काम इस योजना के अंतर्गत बढ़ाए जा सकते हैं, जिनमें मशीनों का कम से कम इस्तेमाल हो। आकलन यह भी है कि अगर 28 करोड़ लोगों को, जो आंशिक रूप से रोजगार में हैं या बेरोजगार हैं, काम मिल जाए, तो हमारी जीडीपी में 16 प्रतिशत का सुधार होगा। साफ है, इस टैरिफ-आपदा को हम एक अवसर बना सकते हैं, जिसके लिए हमें कुछ नीतिगत प्रयास करने होंगे और मजबूत इच्छाशक्ति दिखानी होगी। अपने बाजार को एक ढाल के रूप में राष्ट्रपति ट्रंप पेश कर रहे हैं। हमें भी अपने घरेलू बाजार को इतना मजबूत बनाना होगा कि अपने उत्पादों को खपाने के लिए अन्य देशों की जरूरत कम पड़े।

पौराणिक घटनाओं से भी जुड़े हैं रक्षाबंधन के धागे

पर्व विशेष

नेहा अवस्थी

राखी सिर्फ एक धागा नहीं है, यह वह अदृश्य डोर है जो सुरक्षा, प्रेम और विश्वास की भावना से लिपटी होती है। जैसा कि हम सभी को पता है कि बहन अपने भाई को इस पर्व पर राखी यानी रक्षा सूत्र बांधती है और उसकी लंबी उम्र और समृद्धि की कामना भी करती है। हिंदू धर्म में रक्षाबंधन को लेकर कई ऐसी पौराणिक कथाएं हैं जो सिर्फ भाई-बहन के रिश्ते तक सीमित नहीं, बल्कि देवताओं, ऋषियों और राक्षसों तक की कहानियों को जोड़ती हैं। आइए जानते हैं ऐसी पौराणिक कथाएं, जिनसे मिलता है राखी का अर्थ...

कृष्ण और द्रौपदी- जब साड़ी के चीर ने बचाई थी लाज : महाभारत की इस कथा में राखी की भावना को सबसे मार्मिक रूप में देखा जाता रहा है। महाभारत काल में शिशुपाल रिश्ते में भगवान श्रीकृष्ण का भाई था। शिशुपाल श्रीकृष्ण के पिता वासुदेवजी की बहन और छेदी के राजा दमघोष का पुत्र था। शिशुपाल आततायी प्रवृत्ति का था। जब श्रीकृष्ण ने सुदर्शन चक्र से शिशुपाल का वध किया तब श्रीकृष्ण के उंगली में चोट लग गई, जिससे उंगली से रक्त की धारा बहने लगी। यह दृश्य देख द्रौपदी ने तुरंत अपनी साड़ी के पल्लू को फाड़कर भगवान श्रीकृष्ण उंगली पर बांध दी। जिससे रक्त बहना बंद हो गया। जिस दिन यह घटना हुई उस दिन श्रावण मास की पूर्णिमा थी। वह धागा सिर्फ कपड़ा नहीं था वह प्रेम, स्नेह और रक्षा का वचन था। इस वचन को श्रीकृष्ण ने पूरा किया जब द्रौपदी का चीरहरण हो रहा था। महाभारत में कौरवों और पांडवों के बीच जुए के खेल में जब युधिष्ठिर अपना सबकुछ हार गए तो शकुनि ने द्रौपदी को दांव पर लगाने के लिए कहा। द्रौपदी को दांव में जीतने पर दुशासन भरी सभा में बालों से पकड़कर द्रौपदी को घसीट कर लाया। द्रौपदी का भरे दरबार में बहुत अपमान किया गया दुर्योधन ने द्रौपदी का चीरहरण का आदेश दिया, तब द्रौपदी ने रोते हुए अपनी आंखों को बंद किया और भगवान श्रीकृष्ण को याद किया। श्रीकृष्ण को शिशुपाल वध के दौरान द्रौपदी को दिया हुआ वचन याद आता है और वे द्रौपदी की लाज बचाने के लिए लीला रचते हैं और ऐसा चमत्कार करते हैं जिससे द्रौपदी की साड़ी लगातार बढ़ने लगती है और दुशासन साड़ी खींचते-खींचते बेहोश हो जाता है। इस प्रकार भगवान श्रीकृष्ण ने द्रौपदी की रक्षा की और अपना वचन पूरा किया। कहते हैं तभी से रक्षाबंधन के पर्व को मनाने की परंपरा आरंभ हुई। यह घटना राखी की सबसे भावनात्मक और दिव्य व्याख्या मानी जाती है। महाभारत में युद्ध के दौरान भगवान श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को सैनिकों के हाथों में रक्षा सूत्र बांधने के लिए कहा था।

> भाई बहन के बीच सुरक्षा, प्रेम और विश्वास की भावना से जुड़ा त्यौहार है रक्षाबंधन। इस त्यौहार से जुड़ी कुछ पौराणिक कथाएं सिर्फ भावनाएं नहीं, श्रद्धा का शाश्वत रूप हैं। इन कहानियों में श्रीकृष्ण से लेकर इंद्र तक को जब-जब राखी बांधी गयी, तब-तब एक धार्मिक इतिहास रचा गया।

इंद्र और इंद्राणी- युद्ध में भी नहीं टूटा रक्षासूत्र : भविष्यपुराण की पौराणिक कथा के अनुसार, सतयुग में वृत्रासुर नाम का एक असुर था। इस असुर ने देवताओं को पराजित कर दिया था और स्वर्ग पर अपना आधिपत्य स्थापित कर लिया था। इस असुर को वरदान था कि उस पर उस समय तक बने हुए किसी भी अस्त्र-शस्त्र का असर नहीं होगा। यही कारण था कि इंद्र उस असुर से बार-बार युद्ध में हार जाते थे। जब देवराज इंद्र असुरों से युद्ध कर रहे थे और हार की स्थिति में थे, तब उनकी पत्नी इंद्राणी ने एक विशेष मंत्रों से अभिमंत्रित धागा तैयार किया और इंद्र की कलाई पर बांधा। यह धागा रक्षा-सूत्र था, जिसे श्रावण पूर्णिमा के दिन बांधा गया। इसके बाद इंद्र ने युद्ध में विजय प्राप्त की। यहां यह राखी यह साबित करती है कि रक्षा का संकल्प किसी भी रिश्ते में हो सकता है जहां विश्वास हो, वहां रक्षासूत्र काम करता है।

इस पौराणिक कथा के अनुसार, एक पत्नी अपने सुहाग की रक्षा के लिए श्रावण पूर्णिमा यानी रक्षाबंधन के दिन अपने पति की कलाई में रक्षासूत्र बांध सकती है। वहीं, हिंदू समाज में पुरोहित भी रक्षासूत्र बांधते हैं।

वामन, बलि और लक्ष्मी की कथा : जब भगवान विष्णु ने वामन अवतार लिया और राजा बलि से तीन पग धरती मांगी, तो बलि ने वचन निभाने के लिए स्वर्गलोक तक दे दिया। तब लक्ष्मी माता ने ब्राह्मण वधू बनकर बलि के पास जाकर उसे राखी बांधी और रक्षा का वचन लिया। बदले में बलि ने उनसे वर मांगा कि विष्णु हमेशा उसके साथ रहें। यह कथा दर्शाती है कि राखी सिर्फ रक्षार्थ नहीं, बल्कि परमात्मा को भी एक बंधन में बांध सकती है प्रेम और विश्वास के बंधन में।

राखी बांधने की विधि : चावल, सोना और सफेद मिश्री को एक कपड़े में बांधकर रक्षा (राखी) तैयार की जाती है। इसे रेशमी धागे से बांधा जाता है और यह मंत्र बोला जाता है-

येन बद्धो बली राजा दानवेन्द्रो महाबलः।
तेन त्वामपि बध्नामि रक्षे मा चल मा चल।।

अर्थ- जिससे दानवों के महाबली राजा बलि को बांधा गया था, उसी रक्षा से मैं तुम्हें बांधती हूं। हे रक्षा! तुम अडिग रहो। चावल सर्वसमावेश का प्रतीक है, जो सभी को समाहित करता है। यह सभी तरंगों के आदान-प्रदान में सक्षम है। चावल को सफेद कपड़े में बांधकर रेशमी धागे से दाहिने हाथ पर बांधना सात्त्विक बंधन का निर्माण करता है। रेशमी धागा सात्विक तरंगों को गति देने में अग्रणी होता है।

प्रसंगवश

एकजुट होकर करना होगा अमेरिकी दबाव का सामना

देश को धीरे-धीरे समझ आने लगा है कि भारतीय कृषि व डेयरी क्षेत्र में अमेरिकी उत्पाद खपाने के लिये ही डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ आतंक फैला रहे हैं। यही वजह है कि पहले संयम दिखाने के बाद भारत ने निरंकुश ट्रंप सरकार को चेता दिया है कि भारतीय किसानों व दुग्ध उत्पादकों के हितों की बलि नहीं दी जा सकती। हमारे लिये यह देश की एक बड़ी कृषि व डेयरी उद्योग से जुड़ी आबादी के जीवन-यापन का भी प्रश्न है। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप द्वारा अतार्किक टैरिफ बढ़ाने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। साथ ही उन्होंने देश के किसानों को आश्वस्त किया है कि उनके हितों से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाएगा। भारत में हरित क्रांति के सूत्रधार, प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन की जन्म शताब्दी के मौके पर उनका यह बयान और महत्वपूर्ण व प्रासंगिक हो जाता है। कृतज्ञ राष्ट्र स्वीकार करता है कि स्वामीनाथन के हरित क्रांति में योगदान से भारत खाद्यान्न की कमी से उबरकर आज खाद्यान्न अधिशेष वाला राष्ट्र बन गया है। बहरहाल, यह तय हो गया है कि भारत वाशिंगटन के उन मंसूबों पर पानी फेरने के लिये खड़ा हो गया है, जिनके तहत अमेरिका मक्का, सोयाबीन, सेब, बादाम और इथेनॉल जैसे उत्पादों से कम टैरिफ के साथ भारत के बाजार को पाटना चाहता है। निस्संदेह, भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले तीन प्रमुख क्षेत्रों कृषि, डेरी फार्मिंग और मत्स्य पालन से जुड़े करोड़ों लोगों की अजीविका की रक्षा करने के लिये प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता सराहनीय है। हालांकि, इस दृढ़ संकल्प की परीक्षा ट्रंप शासन द्वारा ली जाएगी। जो भारत द्वारा रूस से सस्ती दरों पर कच्चा तेल खरीदने के मुद्दे को लेकर लगातार दबाव बना रहा है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि भारतीय राजनीति में किसान उत्पादक व उपभोक्ता से इतर बड़ा राजनीतिक घटक भी है। ऐसे में जाहिर है कि प्रधानमंत्री मोदी कृषक समुदाय को किसी भी कीमत पर नाराज नहीं करना चाहेंगे। केंद्र सरकार ने तीन केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ वर्ष 2020-21 में साल भर चले किसान आंदोलन से कड़वा सबक सीखा है। कृषि संगठनों के साथ लंबी चली कई दौर की बातचीत के बावजूद एमएसपी मुद्दे पर गतिरोध कायम है। आज अमेरिकी दबाव का सामना करने के लिये विभिन्न हितधारकों को एकजुट होने की आवश्यकता है। बहरहाल, अमेरिका के खतरनाक मंसूबे अब उजागर होने लगे हैं। वह भारत के बाजार को अपने डेयरी उत्पादों के लिये डंपिंग ग्राउंड बनाने पर आमादा है। निस्संदेह, डोनाल्ड ट्रंप के हमले का सामना करने के लिये भारतीय कृषि बाजार को अधिक लचीला और लाभदायक बनाने की जरूरत महसूस की जा रही है। साथ ही केंद्र सरकार को किसानों की आय बढ़ाने वाले उपायों पर ध्यान देने की सख्त जरूरत है। सही मायनों में भारतीय कृषि में उन आमूल-चूल परिवर्तनों की आवश्यकता है जो न केवल किसान की आय बढ़ाएं बल्कि कृषि उत्पादों को विश्व बाजार की चुनौतियों से मुकाबला करने में भी सक्षम बनायें। एक सौ चालीस करोड़ आबादी वाला देश भारत दुनिया में सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश है। इस आबादी की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना भी देश की प्राथमिकता होनी चाहिए। ऐसे में हरित क्रांति के जनक एम.एस. स्वामीनाथन को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम हर हालात में मेहनतकश अन्नदाता को पूरे दिल से समर्थन दें।

> अमेरिका के खतरनाक मंसूबे अब उजागर होने लगे हैं। भारत ने निरंकुश ट्रंप सरकार को चेता दिया है कि भारतीय किसानों व दुग्ध उत्पादकों के हितों की बलि नहीं दी जा सकती। अमेरिकी दबाव का सामना करने के लिये विभिन्न हितधारकों को एकजुट होने की आवश्यकता है।

॥गीता॥

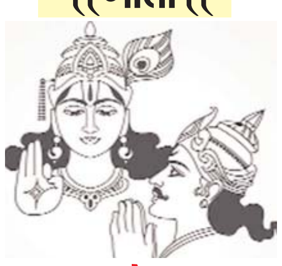

श्लोक

**यस्त्वात्मरतिरेव स्यादात्मतृप्तश्च मानवः।
आत्मन्येव च सन्तुष्टस्तस्य कार्यं न विद्यते॥**

भावार्थ

परन्तु जो मनुष्य आत्मा में ही रमण करने वाला और आत्मा में ही तृप्त तथा आत्मा में ही सन्तुष्ट हो, उसके लिए कोई कर्तव्य नहीं है।

जीवन दर्शन

लोगों को अन्दर से खोखला बना देता है क्रोध

अक्सर लोग क्रोध को नकारात्मक भावना की तरह देखते हैं लेकिन ओशो ने क्रोध को एक ऊर्जा के रूप में देखा। उन्होंने क्रोध के बारे में एक दिलचस्प बात कही कि क्रोध एक ऐसी ऊर्जा है जो हाथ से शुरू होती है और दांतों से होते हुए जबड़े तक आती है और लोग उस क्रोध को जबड़े में भींच लेते हैं या दबा लेते हैं। ऐसे लोगों का जबड़ा प्राकृतिक नहीं रहता। इसलिए, क्रोध को दबाना नहीं चाहिए, बल्कि उसे समझकर उसका रूपांतरण करना चाहिए। आजकल मनुष्य नकारात्मक भावनाओं का शिकार हो रहा है, जिसमें क्रोध एक प्रमुख भावना है जो लोगों को अन्दर से खोखला बना रही है। ओशो का मानना है कि क्रोध कोई पाप नहीं है, बल्कि यह अवचेतन में दबी हुई अस्वीकृत भावनाओं का परिणाम है, जिसे सही दिशा में मोड़ने पर सृजनात्मकता में बदला जा सकता है। ओशो के अनुसार, क्रोध को दबाने से वह भीतर गांठ बन जाता है, जिससे मानसिक और शारीरिक रोग उत्पन्न हो सकते हैं। जब क्रोधआए, तो उसे ध्यान के माध्यम से या भावनाओं को मुक्त करने के तरीकों से बाहर निकालना चाहिए, न कि दूसरों पर निकालना चाहिए। आज के दौर में मनुष्य नकारात्मक भावनाओं का शिकार होता जा रहा है और क्रोध या गुस्सा एक ऐसी भावना है जो मनुष्य को अन्दर से खोखला बनाती जा रही है। क्रोध में आकर लोग आसुरी प्रवृत्ति के होते जा रहे हैं और हिंसात्मक कृत्यों को बढ़ावा दे रहे हैं। आजकल कई ऐसी खबरें आ रही हैं, जिसमें एक सामान्य मनुष्य भी गुस्से में आकर अपराध कर देता है और जब तक उसे इस बात का एहसास होता है, उसके हाथों कुछ बड़ा घटित हो चुका होता है। ओशो कहते हैं कि जिस गुस्से को आप अपने मुट्ठियों या दांतों को भींच कर दबा देते हैं, वो गुस्सा आपके पूरे स्वरूप को बदसूरत बना देता है। दबाव से आपके जबड़े अपनी प्राकृतिक संरचना खोने लगते हैं और आपका चेहरा इंसान से जानवर जैसा बनने लगता है। गुस्से के रूप में वो अशुद्ध ऊर्जा तुम्हारे अन्दर समाहित रहती है। ओशो कहते हैं कि जब हम क्रोधित होते हैं, तो अक्सर उसे छुपाते हैं या उस पर नियंत्रण करने की कोशिश करते हैं। लेकिन यह दमन ही भविष्य में और बड़े विस्फोट की वजह बनता है। ओशो के अनुसार, क्रोध को ध्यान में बदलना ही उसका समाधान है। क्रोध हमेशा आपके भीतर से उठता है। वह आपकी ही प्रतिक्रिया है। उनके अनुसार, यदि तुम सजग हो, तो कोई तुम्हें क्रोधित नहीं कर सकता। अगर तुम क्रोधित हुए, तो यह तुम्हारी ही कमजोरी थी। क्रोध को दबाने की बजाय जागरूकता से देखना चाहिए। जब हम क्रोध को पूरी सजगता से देखते हैं, तो वह खुद ही करुणा, क्षमा और प्रेम में बदल सकता है। क्रोध को न तो दूसरों पर निकालें, न ही भीतर दबाएं। इसलिए जब भी क्रोध आये, तो उसे ध्यान के माध्यम से अकेले में बाहर निकालें या फिर चिल्लाना, रोना, या भावनाओं को मुक्त करना जैसे तरीकों का सहारा लें।

- ओशो

संक्षिप्त खबरें

जन समस्याओं को लेकर बसपा का प्रदर्शन

जागरण, भोपाल। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) विधानसभा क्षेत्र बैरसिया के नेतृत्व में जन समस्याओं को लेकर नरेला पेट्रोल टैंक से पैदल मार्च निकाला गया। इस आंदोलन का नेतृत्व जियालाल जॉन, विश्राम सिंह बौद्ध, डीके सिरसवाल, मुकेश गौर, रिंकू अहिरवार, एसपी शिशुपाल, सुरेश बौद्ध, सुरेश बामनिया, कामता प्रसाद, निहाल सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने किया। मार्च का मुख्य उद्देश्य, विजौरी टपरा, करारिया, तरावली कलां आदि गांवों की बुनियादी समस्याओं को उजागर करना था। इन गांवों में आज तक न तो शौचालय बने हैं, न ही 70 प्रतिशत लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिला है। सबसे गंभीर बात यह रही कि इन क्षेत्रों के एक भी व्यक्ति का जाति प्रमाण पत्र अब तक नहीं बना है, जबकि देश को आजाद हुए 78 वर्ष हो चुके हैं। जन समस्याओं को लेकर एस.डी.एम. का घेराव कर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया।

सांची विश्वविद्यालय में योगविद्या दीक्षा संस्कार

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में सत्र 2025-26 के योग एवं आयुर्वेद विभाग में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों का योग दीक्षा आरंभ संस्कार यज्ञ के माध्यम से पूर्ण किया गया। दीक्षा आरम्भ समारोह में गुरु-शिष्य परंपरा का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर योग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ उपेन्द्र बाबू खत्री द्वारा नवीन विद्यार्थियों को यज्ञ की उपयोगिता एवं महत्व से अवगत कराया गया। डॉ खत्री ने कहा कि यज्ञ को विधान के साधन के रूप में प्रयोग किया गया ताकि छात्र अपने जीवन में आने वाली चुनौतियों का डटकर सामना कर सकने लायक बन सकें।

छात्रों को यज्ञ की उपयोगिता बताई गई

विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति प्रो नवीन कुमार मेहता ने सभी छात्रों से संकल्प लिया कि वो प्रतिदिन योग अभ्यास करेंगे और हमेशा दूसरों के कल्याण की भावना से काम करेंगे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव विवेक पाण्डेय ने विद्यार्थियों को सफलता का सही अर्थ बताया। उन्होंने कहा कि सफलता का अर्थ-शांति, आनंद, प्रेम वर्तमान में रहना, हर क्षण में जीना और जितना हो सके दूसरों के लिए देना यही जीवन की सफलता है। छात्रों ने यह भी प्रण लिया कि वो धर्म, संप्रदाय, जाति और भाषा से ऊपर उठकर ऋषियों की परंपरा का निर्वहन करेंगे।

सिंधिया का बड़प्पन, दिग्विजय का हाथ पकड़कर ले गए मंच पर

एक दूसरे के प्रति व्यवहार ने स्वच्छ राजनीति का अनूठा उदाहरण पेश किया

विशेष संवाददाता, भोपाल। केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को भोपाल में हुए एक कार्यक्रम में अपने राजनीतिक मुखर विरोधी और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के प्रति बड़प्पन दिखाया और उनका हाथ पकड़कर मंच पर ले गए। जिसे देखकर मौजूद लोगों ने तालियां बजाकर उनका सम्मान किया। हालांकि यह कार्यक्रम गैर राजनीतिक था, लेकिन इसमें राजनीति के दो दिग्गज नेताओं की मौजूदगी और एक दूसरे के प्रति उनके व्यवहार ने स्वच्छ राजनीति का अनूठा उदाहरण पेश किया।

हुआ यूं कि बतौर मुख्य अतिथि केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जब आयोजन स्थल पहुंचकर मंच पर बैठे, तभी उनकी नजर सामने पड़ी कुर्सी पर बैठे राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह पर पड़ी, तो सिंधिया तत्काल मंच से उतरकर उनके पास पहुंचे और अभिवादन कर उन्हें अपने साथ मंच तक ले गए। उल्लेखनीय है कि पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने ग्वालियर में तीन महीने पहले कसम खाई थी कि वो किसी भी कार्यक्रम में मंच पर नहीं बैठेंगे। लेकिन वह शुक्रवार को केन्द्रीय मंत्री सिंधिया का आग्रह को ठुकरा नहीं सके और उनके साथ मंच साझा किया। हालांकि यह बात उन्होंने कांग्रेस के कर्यक्रमों में मंच साझा नहीं करने को लेकर कही थी। इससे पहले सांसद दिग्विजय सिंह ने भी अपना बड़प्पन उस समय दिखाया, जब सिंधिया कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, तब सिंह उनके स्वागत में खड़े हो गए और उनका सांकेतिक तौर पर अभिवादन भी किया। हालांकि उस समय सिंधिया की नजर दिग्विजय सिंह पर नहीं पड़ी। हालांकि यह मंच राजनीतिक नहीं था, लेकिन दो धुर राजनीतिक विरोधियों का मंच पर इस तरह से एक दूसरे के प्रति सम्मान दिखाकर अलग मिसाल पेश करता है। यह अलग बात है कि इस मेलमिलाप को राजनीति के चश्मे से भी देखा जा रहा है और लोग इसे ग्वालियर चंबल में छिड़ी भाजपा नेताओं की सियासी प्रतिस्पर्धा से जोड़कर देख रहे हैं।

सिंधिया ने प्रदेशाध्यक्ष से की मुलाकात

केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को भाजपा दफ्तर पहुंचकर प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल से मुलाकात की और उनसे बंद कमरे में चर्चा की। सिंधिया की प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद से भी मुलाकात हुई है। जानकार खंडेलवाल और सिंधिया की इस बैठक को प्रदेश के निगम मंडल की नियुक्तियों से जोड़ रहे हैं। उनका कहना है कि एक दिन पहले यानि कि गुरुवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दिल्ली स्थित केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के आवास पहुंचकर मुलाकात की थी, जिसमें भी निगम मंडल पर चर्चा होने की बात कही जा रही है।

इलेक्ट्रिक कार से सिंधिया ने कैंपस का किया भ्रमण

स्कूल के शुभारंभ कार्यक्रम के उपरांत केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने समर्थकों और सरकार के मंत्रियों के साथ श्रृसबरी इंटरनेशल स्कूल कैम्पस का भ्रमण किया। उन्होंने परिसर स्थित इनडोर और आउटडोर खेल परिसर का अवलोकन किया, तो बोर्डिग कैम्पस का भी अवलोकन किया। अवलोकन करने कैंपस भ्रमण के दौरान सिंधिया ने स्वयं इलैक्ट्रिक कार ड्राइव की। उनके साथ श्रृसबरी इंटरनेशल स्कूल के अध्यक्ष अभिषेक मोहन गुप्त भी मौजूद रहे। जिन्होंने केन्द्रीय मंत्री को स्कूल द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी दी।

सिंधिया का राहुल के बयान पर पलटवार

कांग्रेस का वोट बैंक हो गया है दिवालिया

विशेष संवाददाता, भोपाल। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का अपना वोट बैंक दिवालिया हो गया है, जिससे वह दूसरे के वोट पर चोरी का आरोप लगा रहे है। भोपाल प्रवास के दौरान पत्रकारों से चर्चा करते हुए सिंधिया ने कहा कि देश की संस्थाओं की साख पर हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिन लोगों ने भारत को मृत रूप में देखा है, चाहे वो भारत की इकॉनमी हो, ज्यूडिशियरी हो, सेना का अपमान हो या भारत का इलेक्शन कमिशन का अपमान किया है। वे शायद स्वयं अपने बैंकरप्सी को नहीं पहचानते हुए अपनी ऊंगली दूसरों की तरफ कर रहे हैं। इलेक्शन कमीशन स्वायत्त संवैधानिक संस्था है। इलेक्शन कमीशन पारदर्शिता के आधार पर कार्य करती है। इलेक्शन कमीशन फेयर एंड फ्री इलेक्शन हर राज्य में और पूरे देश में हो इसे सुचारू रूप से लागू करती है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि आज विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत ने पूरे विश्व को प्रमाण दिया है और आज उसी विश्व की विश्वसनीयता भारत के प्रति है उस पर प्रश्न चिन्ह नहीं, उसे कुचलने का काम कांग्रेस पार्टी के द्वारा किया जा रहा हैं।

आपका चुनाव आयोग पर एटम बम, फुस्सी निकलाः मिश्रा

इसी तरह प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने राहुल गांधी के बयान को देश की संवैधानिक संस्थाओं पर सीधा हमला बताया और राहुल गांधी को बिना सबूत आरोप लगाने का आदी नेता करार दिया। उनका यह आरोप भी एक बार फिर उनकी आदत के मुताबिक 'पहले बोलो, बाद में भागो' वाला ही सिद्ध होने वाला है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि आपका चुनाव आयोग पर एटम बम, फुस्सी बम निकला। पूर्व मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी को देश की जनता ने बार-बार नकारा है, इसलिए अब वे चुनाव में हार का ठीकरा कभी ईवीएम पर, कभी चुनाव आयोग पर फोड़ते हैं। लेकिन देश अब भ्रम की राजनीति करने वालों को पहचान चुका है, अब ये ड्रामा नहीं चलने वाला है।

मेडिकल टीचरों को जल्द मिलेगा डीएसीपी, डीन को भेजा फॉर्मेट

अक्टूबर 2023 से दिया जाएगा लाभ

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश के सभी सरकारी व ऑटोनोमस मेडिकल कॉलेजों में कार्यरत चिकित्सा शिक्षकों को जल्द ही डीएसीपी (डायनामिक एश्योर्ड कैरियर प्रोग्राम) का लाभ मिलने वाला है। शुक्रवार को शासन ने इस संबंध में सभी मेडिकल कॉलेजों के डीन को निर्देश जारी कर दिए हैं। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि डीएसीपी का लाभ 10 अक्टूबर 2023 से दिया जाएगा। इसके आदेश उसी समय हो गए थे, लेकिन किन्हीं कारणों से आदेश पर अमल शुरू नहीं हो सका था।

अब शासन ने स्पष्ट कर दिया है कि प्रदेश के मेडिकल टीचर्स को डीएसीपी का लाभ देना। डीएसीपी का लाभ प्रदेश के लगभग 3 हजार मेडिकल टीचरों को मिलेगा। उल्लेखनीय है कि मई 2023 में डीएसीपी की मांग को लेकर प्रदेश के सरकारी क्षेत्र के चिकित्सकों ने हड़ताल भी की थी, हड़ताल खत्म करवाने के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वादा किया था कि मेडिकल टीचरों को डीएसीपी का लाभ दिया जाएगा।

ज्वाइनिंग कभी भी, लागू 2023 से

डीएसीपी को लेकर चिकित्सा शिक्षक लगातार सरकार के वित्त विभाग से सवाल कर रहे थे। जिसमें टीचरों के कई सवाल होते थे, इन सवालों के आधार पर स्वास्थ्य विभाग ने जो मसौदा तैयार किया है, उसके मुताबिक भले ही किसी मेडिकल टीचर की ज्वाइनिंग कभी भी हुई हो, डीएसीपी की गणना 10 अक्टूबर 2023 से की जाएगी। इसी के आधार पर मेडिकल टीचरों का जो समयमान वेतनमान बढ़ेगा, उसका एरियर दिया जाएगा।

महिलाओं की सुरक्षा पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

विशेष संवाददाता, भोपाल। मप्र विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है,जिसमें उनके द्वारा महिला सुरक्षा को लेकर सवाल उठाए गए हैं। उन्होंने सख्त कदम उठाने की मांग की है। पत्र में सिंघार ने कहा कि आज रक्षाबंधन पर्व है। यह एक ऐसा अवसर है, जब भाई अपनी बहन की सुरक्षा का वचन देता है। लेकिन प्रदेश की बहनें ऐसा महसूस नहीं कर पा रही हैं। प्रदेश में बहनों के साथ हत्या, बलात्कार, बलात्कार और लापता होने की घटनाएं बढ़ रही हैं। उन्होंने विधानसभा के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि प्रदेश में बलात्कार के मामलों में 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हर दिन लगभग 20 महिलाओं के साथ बलात्कार हो रहा है, तो रोज औसतन 38 महिलाएं लापता हो रही हैं। सिंघार ने पत्र में सीएम से कहा कि उनके द्वारा इस रक्षाबंधन पर आप प्रण लेना चाहिए कि बहनों की सुरक्षा के लिए कठोर कदम उठाएंगे और दुराचार करने वाले अपराधी, चाहे वह भाजपा से जुड़ा हो या कोई और, उसे बख्शा नहीं जाएगा। इस तरह की बातें केवल बोलने तक सीमित न रहे, बल्कि इसे करके दिखाएं।

धार से जबलपुर आकर चोरी करने वाला गिरोह 9 लाख के जेवर के साथ धराया

गैंग के सदस्यों के साथ चोरी के जेवर खरीदने वाला आरोपी भी गिरफ्तार

जागरण, जबलपुर। बाजार में नकबजनी की वारदातों को अंजाम देने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के तीन सदस्यों को पुलिस ने धार जिले से दबोचा है। इनके साथ एक ऐसे खरीददार को भी गिरफ्तार किया गया है, जो चोरी के जेवर खरीदता था। पुलिस ने गिरोह से कुल 8 लाख 80 हजार रुपये के सोने-चांदी के जेवर बरामद किए हैं। इसी तरह गढ़ा पुलिस ने भी पांच शातिर चोरों को गिरफ्तार कर चार चोरी की वारदातों का खुलासा किया है। इनसे भी लाखों रुपये के जेवर बरामद हुए हैं। एएसपी आनंद कलादगी ने बताया कि खमरिया वसुंधरा विहार निवासी बैंककर्मी मोहित तिवारी के सूने घर का ताला तोड़कर आरोपियों ने 10 लाख रुपये के जेवर और 5 लाख रुपये नगद चुरा लिए थे। इसी तरह गोरा बाजार क्षेत्र में नितिन कुमार मलिक और बिलहरी मां नर्मदा सिटी होम्स निवासी किरण यादव के घर से भी लाखों के जेवर और नगदी चोरी हुई थी। जांच के दौरान धार जिले के उड़न सिंह मेढ़ा और सरम सिंह मेढ़ा के नाम सामने आए।

चार पहिया वाहन से घूमकर करते हैं चोरी

पुलिस के मुताबिक सभी आरोपी शातिर नकबजन हैं, जो चार पहिया वाहनों से घूम-घूमकर चोरी करते हैं। गिरोह ने बोलेरो वाहन से जबलपुर आकर खमरिया क्षेत्र के घाना में और अर्टिगा कार से गोरा बाजार में चोरी की वारदातों को अंजाम दिया था। बोलेरो वाहन फिलहाल फरार साथियों के पास है, जबकि अर्टिगा कार बिजावर (छतरपुर) में जब्त कर ली गई है।

ये सामग्री की बरामद

मुकेश सोनी के पास से पुलिस ने सोना 68.432 ग्राम जिसकी कीमत लगभग 6 लाख 80 हजार रुपये है, एक पुरुषों की अंगूठी 1.920 ग्राम, मंगलसूत्र 1.540 ग्राम, लेडीज चैन 5.450 ग्राम, एक चांदी का फैंसी कंठन, तीन जोड़ी पायल, चांदी के गिलास, कटोरी, चम्मच, बचकानी चूड़ा, सिंगूरदानी और बिछिया बरामद किए हैं। बरामद जेवर की कुल कीमत 8 लाख 80 हजार रुपये आंकी गई है।

पीजी में कोर्स बदलने पंजीयन के बाद साक्षात्कार देने को तैयार नहीं विद्यार्थी

बीयू के साक्षात्कार में गैरहाजिर रहे 70 फीसदी विद्यार्थी

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। प्रदेश के एक हजार 200 निजी और सरकारी कॉलेजों की स्नातकोत्तर (पीजी) की सीटों पर मेजर और माइनर विषय बदलने के लिए सभी विश्वविद्यालयों द्वारा इंटरव्यू करा लिए गए हैं। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय ने इंटरव्यू लेने के लिए करीब 950 विद्यार्थियों को मैसेज और ईमेल कर बुलाया था। इसमें से करीब 30 फीसदी विद्यार्थी ही इंटरव्यू में शामिल हुए हैं। साक्षात्कार में शामिल हुए विद्यार्थियों में करीब 90 फीसदी विद्यार्थी ही अपना मेजर और माइनर बदलकर पीजी में प्रवेश लेने की पात्रता हासिल कर पाए। दस फीसदी विद्यार्थी इंटरव्यू में सफल नहीं हो सके हैं, जिसके कारण वे अपात्र हो गए हैं। अब उन्हें अपने ही मेजर और माइनर में पीजी करना होगी। बीयू ने इंटरव्यू के अंक विभाग को भेज दिए हैं। उनके अंकों का परीक्षण करने के बाद विभाग अलाटमेंट जारी किया गया।

पीजी में विद्यार्थियों का अलाटमेंट

पीजी में करीब 40 हजार सीटें रिक्त हैं। उक्त सीटों पर प्रवेश लेने के लिए करीब करीब डेढ लाख विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया है। विभाग ने सत्यापित विद्यार्थियों में महज 36 हजार 748 विद्यार्थियों के लिए कालेजों की सीटों का आवंटन किया है। विद्यार्थी 14 अगस्त तक फीस जमा कर प्रवेश ले पाएंगे। फीस जमा नहीं करने की दशा में प्रवेश अमान्य कर दिया जाएगा। यह अंतिम मौका है। इसके बाद विद्यार्थियों को प्रवेश नहीं मिल सकेगा।

एनसीटीई कोर्स की मेरिट जारीः प्रदेश में एनसीटीई कोर्स बीएड, बीपीएड, एमएड, एमपीएड, बीएडएमएड, आईटीईपी, बीएलएड और राज्य शिक्षा केंद्र के बीएड में प्रवेश देने के लिए विभाग ने आठ हजार 658 विद्यार्थियों की मेरिट जारी करने के बाद अलाटमेंट जारी कर दिए हैं। 13 अगस्त तक आवंटित हेल्प सेंटर पर मूल दस्तावेज, टीसी, माइग्रेशन के साथ भौतिक सत्यापन के लिए उपस्थित होकर लिंक एनिशिएट कराएंगे। विद्यार्थी 14 अगस्त तक फीस जमा कर प्रवेश ले पाएंगे।

यूजी में तीन लाख 35 प्रवेशः यूजी कालेजों में पांच लाख 55 हजार सीटें हैं। इनमें से अभी तीन लाख 35 हजार विद्यार्थियों ने प्रवेश ले लिया है। शेष सीटों पर प्रवेश लेने विद्यार्थियों के पास 14 अगस्त तक का समय है। विभाग हर दिन रिक्त सीटों की जानकारी पोर्टल पर अपलोड करेगा। विद्यार्थी तीन बजे तक पंजीयन कर पाएंगे। चार बजे तक हेल्प सेंटर पर पहुंचकर सत्यापन कराएंगे। शाम पांच बजे कालेज विद्यार्थियों की मेरिट जारी करेगा।

3 जवानों को डीजीपी ने दिया 25 हजार का कैश रिवार्ड

मुख्य संवाददाता, भोपाल। बहादुरी का परिचय देते हुए महिला की जान बचाने वाले भोपाल पुलिस के तीन जवानों को डीजीपी ने नकद पुरस्कार से सम्मानित किया है। यह घटना 3 अगस्त को कमला नगर थाने के अंतर्गत भदभदा पुल से सटे तालाब में हुई थी। तालाब में डूब रही महिला को देखकर वहां मौजूद पुलिस के प्रधान आरक्षक रघुनाथ सिंह वर्मा और आरक्षक मनोहर सिंह बर्मिया ने अपनी जान की परवाह न करते हुए तालाब में छलांग लगा दी। दोनों ने मिलकर महिला को सुरक्षित बाहर निकाला। आरक्षक बलराम नागपुरे ने भी उनकी तत्काल मदद की। इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद डीजीपी कैलाश मकवाणा ने रघुनाथ सिंह वर्मा और मनोहर सिंह बर्मिया को 10-10 हजार और बलराम नागपुरे को 5000 रुपए के नकद पुरस्कार से सम्मानित करने के आदेश जारी किए हैं।

डीपीसी में निर्णयः प्रदेश के 16 एसएएस अफसर बनेंगे आईएएस

विशेष संवाददाता, भोपाल। राज्य प्रशासनिक सेवा के 16 अधिकारी जल्द ही भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी बनेंगे। इसके लिए दिल्ली में डीपीसी की बैठक हुई है,जिसमें नामों पर अंतिम निर्णय लिया गया है। मुख्य सचिव अनुराग जैन की मौजूदगी में दिल्ली में हुई डीपीसी की बैठक में वर्ष 2023 और 2024 के लिए एसएएस से आईएएस के पदों पर पदोन्नत करने का फैसला लिया गया है। गौरतलब है कि वर्ष 2022 में 19 अपर कलेक्टर को आईएएस अवार्ड किया गया था। उसके बाद से इसके लिए डीपीसी नहीं हो सकी है। जानकारों की माने तो वर्ष 2023 में डीपीसी के लिए प्रस्ताव तैयार कर मुख्यसचिव के अनुमोदन के लिए भेजा गया था,लेकिन इसमें राज्य प्रशासनिक सेवा के पदों के साथ गैर एसएएस के पदों का भी प्रस्ताव भेजा गया था। तब उस पर राज्य प्रशासनिक सेवा संघ ने एतराज जताया था,जिसके कारण डीपीसी पर निर्णय नहीं हो सका था। जानकारों की माने तो डीपीसी में डॉ. कैलाश बुंदेला, कमलचंद नागर, मनोज मालवीय, सपना अनुराग जैन, ईला तिवारी, एनपी नामदेव,जयेंद्र कुमार विजयवत, नंदा भलावे कुशरे, सविता झारिया, अनिल डामोर, कमल सोलंकी, सारिका भूरिया, संतोष कुमार टैगोर, जितेन्द्र सिंह चौहान,शेली कनास, राकेश कुशरे, कविता बाटला, रोहन सक्सेना, आशीष पाठक, मिनिषा पांडे,नीता राठौर, सपना लोवंशी, रंजना देवड़ा,रानी पासी, माधवी नागेन्द्र, प्रियंका गोयल, वर्षा सोलंकी और अभिषेक दुबे के नाम बताए जा रहे हैं।

हड़ताल — तहसीलदार-नायब तहसीलदारों ने लगातार तीसरे दिन काम से बनाई दूरी

अटके दस्तावेज, टली 900 केसों की सुनवाई

मुख्य संवाददाता, भोपाल। राज्य सरकार द्वारा तहसीलदार और नायब तहसीलदारों का काम न्यायिक और गैर न्यायिक श्रेणी में विभाजित करने से नाराज तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों ने शुक्रवार को तीसरे दिन भी काम नहीं किया। प्रदेश भर में जारी इस विरोध के दौरान कनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी संघ की अपील पर ये अफसर अपने दफ्तर तो पहुंचे लेकिन कोई काम नहीं किया। इससे भोपाल में राजस्व कोर्ट में तीन दिनों के दौरान लंबित 900 से ज्यादा केस पर सुनवाई बढ़ा दी गई। अब शनिवार को रक्षाबंधन एवं अगले दिन रविवार का सरकारी अवकाश है। ऐसे में लगातार पांच दिनों तक काम पर ब्रेक लग गया है। शुक्रवार को भी नायब तहसीलदार और तहसीलदारों के साथ सरकारी स्तर पर कोई चर्चा नहीं हुई। राज्य सरकार द्वारा लागू की गई नई व्यवस्था का विरोध तहसीलदार और नायब तहसीलदार 6 अगस्त से कर रहे हैं। इससे पहले गुरुवार को उन्होंने अपनी सरकारी गाड़ियों की चॉबी कलेक्टोरेट में जमा कर दी थी। शुक्रवार को भी नायब तहसीलदार और तहसीलदार अपने ऑफिस तो पहुंचे लेकिन काम नहीं किया। भोपाल में तहसीलादारों और नायब तहसीलदारों ने शुक्रवार को सरकार के फैसले के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए अपना विरोध जताया। सरकार और आंदोलनकारियों के बीच जारी गतिरोध के कारण नामांतरण, सीमांकन, फौती नामांतरण, मूल निवासी, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, ईडब्ल्यूएस सहित राजस्व कोर्ट में सुनवाई प्रभावित हुई है। ऐसे में इसका सबसे ज्यादा असर ऐसे लोगों को हो रहा है जो अपना काम छोड़कर सरकारी दस्तावेज बनवाने और पेशी के लिए कलेक्टर ऑफिस पहुंचे थे।

"न्यायालयीन और गैर न्यायालयीन विभाजन के मुद्दे पर दिनांक 6 अगस्त से जारी अनिश्चितकालीन विरोध प्रदर्शन सभी 55 जिलों में शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से आगे भी जारी रहेगा। हमें मप्र पटवारी संघ, मप्र राजस्व निरीक्षक संघ और मप्र पंचायत सचिव संगठन व अन्य संघों ने नैतिक समर्थन दिया है।

■ **शैलेंन्द्र शर्मा**, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी, मप्र कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ मप्र

प्रथम पृष्ठ के शेष

पवार का दावा...

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग स्वतंत्र संस्था है। राहुल गांधी ने संसद में पहले ही शपथ ली है, फिर अलग से शपथ-पत्र की क्या जरूरत? अगर आयोग फिर भी इस पर अड़ा है, तो यह सही नहीं है। राहुल गांधी के आरोपों की गहराई से जांच होनी चाहिए। सच सामने आना जरूरी है। हमारा सवाल भाजपा से नहीं, चुनाव आयोग से है। दिल्ली में इंडिया गठबंधन की हालिया बैठक में उद्धव ठाकरे की सीट को लेकर मचे बवाल पर पवार ने चुटकी लेते हुए कहा, 'कल से देख रहा हूं कि दिल्ली में उद्धव ठाकरे कहां बैठे, इस पर राजनीति हो रही है। जब आप कोई प्रेजेंटेशन देखते हैं, तो पहली पंक्ति में नहीं बैठते, जैसे फिल्म देखने में भी आप थोड़ी दूरी पर बैठते हैं। मैं भी पीछे बैठा था। यह सीट पॉलिटिक्स का मामला नहीं है, लेकिन कुछ लोग इसे मुद्दा बना रहे हैं।'

चुनावी जीत का अर्थ ...

असली फर्क हमारे परिपक्व व्यवहार से पड़ता है, न कि शब्द जोड़ने या हटाने से।' उन्होंने वकीलों से आह्वान किया कि वे समाज से पूछें, 'क्या हम ऐसे देश में रहना चाहते हैं जहां विचार और आस्था की स्वतंत्रता हो, या फिर ऐसा जहां यह स्वतंत्रता न हो? निर्णय हमारे हाथ में है।' जस्टिस चेलमेश्वर ने 2018 की उस ऐतिहासिक प्रेस कॉन्फ्रेंस को भी याद किया, जब उन्होंने और तीन अन्य वरिष्ठतम जजों ने सुप्रीम कोर्ट में संवेदनशील मामलों के आवंटन पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा, 'लोगों ने पूछा कि प्रेस कॉन्फ्रेंस क्यों की। मैंने कहा कि मुझे लगा चीजें सही नहीं हैं और इस देश के नागरिकों के प्रति मेरा कर्तव्य है। आलोचना हुई, लेकिन जब तक हिंसा का सहारा नहीं लिया जाता, हर कोई अपने विचार रख सकता है।'

रायसेनः आज राजनाथ...

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस इकाई से भोपाल, रायसेन, सीहोर, विदिशा और मंडीदीप जैसे औद्योगिक क्षेत्रों को सीधा लाभ होगा। परियोजना से 5,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। भोपाल मेट्रोपॉलिटन सिटी के विकास को भी गति मिलेगी। यह संयंत्र प्रधानमंत्री मोदी के 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' मिशन का सशक्त उदाहरण होगा। यहां वंदे भारत, अमृत भारत और मेट्रो ट्रेनों के कोच बनाए जाएंगे, जिससे भारतीय रेल के नए युग की शुरुआत होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना प्रदेश की औद्योगिक विकास यात्रा में मील का पत्थर साबित होगी। बीईएमएल संयंत्र के लिए अधिकांश तकनीक और सामग्री देश में विकसित की जाएगी, जिससे विदेशी निर्भरता घटेगी और रक्षा निर्माण में प्रदेश की स्थिति मजबूत होगी। परियोजना में पर्यावरणीय मानकों का विशेष ध्यान रखा जाएगा। शून्य तरल अपशिष्ट प्रणाली, सौर ऊर्जा, वर्षा जल संचयन और हरित लैंडस्केपिंग के साथ इसे हरित फैक्ट्री मानकों के अनुसार बनाया जाएगा।

300 किमी दूरी पर...

एयर चीफ मार्शल सिंह ने बताया कि पाकिस्तान के बहावलपुर में हमले के पहले और बाद की तस्वीरें साफ तौर पर तबाही दिखाती हैं। ये तस्वीरें न केवल सैटेलाइट से ली गईं, बल्कि स्थानीय मीडिया ने भी नष्ट हुई इमारतों के अंदर की तस्वीरें प्रसारित कीं। 2019 के बालाकोट एयर स्ट्राइक के समय सबूत पेश न कर पाने से सवाल उठे थे। सिंह ने कहा, 'इस बार हमने दुनिया को दिखाया कि हमने क्या हासिल किया है, और बालाकोट की छाया से बाहर निकलने में सफल हुए।'

सेना में नौकरी के नाम पर रिटायर्ड जवान ने युवाओं से लाखों रु. ऐंठे

मिलिट्री इंटेलिजेंस ने आरोपी को पकड़कर पुलिस को सौंपा

जागरण, जबलपुर। सेना में नौकरी लगवाने के नाम पर दर्जनभर युवाओं से लाखों रुपये ठगने वाले आरोपी को मिलिट्री इंटेलिजेंस ने पकड़ा है। सेना ने आरोपी राजेश कुमार देर रात रांझी पुलिस के हवाले किया है। आरोपी मिलिट्री अस्पताल से सेवानिवृत्त हुआ है, उसके बाद से ही वह कई युवाओं को सेना में नौकरी लगवाने का झांसा देते हुए 45 लाख रुपए ऐंठ चुका है। बता दें कि मिलिट्री इंटेलिजेंस ने यह कार्रवाई शिकायत के आधार पर की है। मालूम हो कि कुछ दिनों से लोग लगातार मिलिट्री ऑफिस में दस्तावेजों के साथ नौकरी के लिए चक्कर काट रहे थे। अधिकारियों ने कागजातों की जांच की तो पता चला कि यह फर्जी है। इस फर्जीवाड़े में सेना से रिटायर्ड राजेश कुमार का नाम सामने आया। मिलिट्री ने देर रात मढ़ई स्थित राजेश के घर पर छापा मारा और उसे पकड़कर पुलिस के हवाले किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी। पुलिस आरोपी का बैंक अकाउंट एवं कॉल डिटेल्स की जांच कर रही है।

9 साल पहले सेना से रिटायर हुआ था

शुरूआती जांच में पुलिस को पता चला है कि राजेश ने कई युवक युक्तियां के साथ धोखाधड़ी की है। कुछ लोगों से उसने नगद राशि ली थी तो कुछ से ऑनलाइन रुपए ट्रांसफर करवाए थे। आरोपी 2016 में सेना से सेवानिवृत्त हुआ है, उससे पहले से 4 वर्ष तक मिलिट्री अस्पताल में पदस्थ था, जिसके कारण उसकी वहां अधिकारियों एवं कर्मचारियों से पहचान थी। सेवानिवृत्ति के बाद उसने कुछ युवकों को सेवा में नौकरी लगवाने का झांसा दिया। राजेश कुछ बेरोजगार युवक-युवती को अपने साथ लेकर मिलिट्री अस्पताल भी गया, जहां अपनी जान पहचान बताकर नौकरी लगवाने का बोलकर ठगी की।

तलाशी में फर्जी ज्वाइनिंग लेटर मिले

आरोपी ने कुछ युवाओं से रुपए बैठने के बाद उन्हें नौकरी के फर्जी नियुक्ति पत्र भी दिए थे। खुफिया शाखा को आरोपी के पास से भी कुछ फर्जी नियुक्ति पत्र एवं फर्जी दस्तावेज भी मिले हैं, इनमें सील लगी मिली है। मिलिट्री इंटेलिजेंस ने आरोपी से जो दस्तावेज जब्त किया उनमें हेड क्वार्टर एरिया चिकित्सा शाखा, कमांडेंट मिलिट्री हॉस्पिटल जबलपुर ऐएसओ तृतीय, 506 आर्मी बेस वर्कशॉप कर्नल हेड क्वार्टर एमपी एरिया, जैक आरआरसी जबलपुर, आईक्यूएच के नाम से जॉनिंग लेटर दिये हैं।

एक दर्जन को ठगा

पुलिस की जांच में यह भी पता चला है कि आरोपी ने अरविंद कोल से चार लाख 80 हजार, भगवान दास राय से 1 लाख 70 हजार, प्रीति घोष से 4 लाख 65 हजार , अशोक कुशवाहा से 10 लाख, संजय सेंगर से चार लाख, नीलम सिंह राजपूत से साढ़े 3 लाख, संतोष गुप्ता से 3 लाख 75 हजार, पूजा गुप्ता से 6 लाख 35 हजार, संतोष कुमार से 2 लाख 84 हजार की ठगी की है।

बिश्नोई गैंग की कपिल को धमकी

सलमान के साथ किया काम तो मार देंगे गोली

मुंबई, जेएनएन। टीवी और बॉलीवुड के फेमस कॉमेडियन, एक्टर कपिल शर्मा के कनाडा वाले कैफे हाउस पर एक महीने में दूसरी बार गोलीबारी हुई है। कैफे पर गुरुवार को हुई इस फायरिंग की जिम्मेदारी गोल्डी ढिल्लों और लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली है। बिश्नोई गिरोह के सदस्य की एक रिकॉर्डिंग भी सामने आई है जिसमें कपिल शर्मा के लिए खास चेतावनी है। ऑडियो रिकॉर्डिंग में बिश्नोई गिरोह के एक सदस्य ने कहा है कि कनाडा में कपिल शर्मा के रेस्टोरेंट को सिर्फ इसलिए निशाना बनाया, क्योंकि उन्होंने शो के उद्घाटन के लिए सलमान खान को इन्वाइट किया था। इस ऑडियो क्लिप को बिश्नोई गैंग के एक गैंगस्टर हैरी बॉक्सर ने रेकॉर्ड किया है, जिसमें वो कपिल शर्मा को चेतावनी देता दिख रहा। इस चेतावनी में सलमान के साथ काम करने वाले किसी भी कलाकार को गोली मार देने की बात कही जा रही है।

संसदीय समिति ने पेश की रिपोर्ट

ओबीसी के लिए 'क्रीमी लेयर' आय सीमा बढ़ाना समय की मांग

नई दिल्ली, जेएनएन। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के कल्याण पर नजर रखने वाली संसद की एक समिति ने शुक्रवार को संसद में अपनी आठवीं रिपोर्ट पेश करते हुए कहा कि 'क्रीमी लेयर' की आय सीमा में संशोधन करना समय की मांग है। समिति का कहना है कि वर्तमान सीमा के कारण बड़ी संख्या में ऐसे पात्र ओबीसी परिवार आरक्षण और सरकारी कल्याण योजनाओं से वंचित हो रहे हैं। समिति ने बताया कि आखिरी बार 2017 में 'क्रीमी लेयर' की वार्षिक आय सीमा 6.5 लाख रुपये से बढ़ाकर 8 लाख रुपये की गई थी। कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के नियमों के अनुसार इस सीमा की समीक्षा हर तीन साल में या आवश्यकता पड़ने पर उससे पहले की जानी चाहिए, लेकिन सात साल से कोई संशोधन नहीं हुआ। भाजपा सांसद गणेश सिंह की अध्यक्षता वाली समिति ने कहा, वर्तमान सीमा बहुत कम है, जिससे केवल ओबीसी का एक छोटा वर्ग ही कवर हो रहा है। महंगाई और निचले आय वर्ग में भी आय में वृद्धि को देखते हुए सीमा बढ़ाना समय की मांग है। समिति ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट शब्दों में सिफारिश की कि मौजूदा सीमा की समीक्षा कर इसे बढ़ाया जाए, ताकि अधिक से अधिक ओबीसी परिवार लाभ उठा सकें और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके।

लाभार्थियों की संख्या आई गिरावट

समिति ने छात्रवृत्ति लाभार्थियों की संख्या में आई तेज गिरावट पर चिंता जताई। प्री-मैट्रिक योजना में लाभार्थी 2021-22 में 58.6 लाख से घटकर 2023-24 में 20.29 लाख रह गए, और खर्च 218.29 करोड़ से घटकर 193.83 करोड़ हो गया। पोस्ट-मैट्रिक योजना में लाभार्थी 38.04 लाख से घटकर 27.51 लाख हो गए, जबकि खर्च 1,320 करोड़ रुपये से घटकर 988 करोड़ रुपये हो गया।

संक्षिप्त समाचार

सरकार ने वापस लिया इनकम टैक्स बिल

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्र सरकार ने लोकसभा में इनकम टैक्स बिल वापस ले लिया है। सरकार इसके बदले अब नया बिल लेकर आएगी। फरवरी 2025 में लोकसभा में टेबल होने के बाद इसे सेलेक्ट कमेटी को भेज दिया गया था। सेलेक्ट कमेटी के सभी सुझावों को स्वीकार करने के बाद अब 11 अगस्त को सरकार नया बिल लेकर आएगी। केंद्र सरकार ने इस नए बिल को 13 फरवरी को लोकसभा में पेश किया था और उसी दिन इसे जांच के लिए सेलेक्ट कमिटी के पास भेज दिया था। कमिटी ने 22 जुलाई को अपनी रिपोर्ट संसद को सौंप दी थी।

अब 11 अगस्त को होगा संसद में पेश

पार्किंग विवाद में एक्टर हुमा के भाई की हत्या

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके से दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां बॉलीवुड एक्ट्रेस हुमा कुरैशी के चचेरे भाई आसिफ कुरैशी का मर्डर कर दिया गया। स्कूटी पार्किंग को लेकर शुरू हुआ छोटा सा विवाद हत्या की वारदात में तब्दील हो गया। इसके बाद गुरुवार (7 अगस्त) की देर रात करीब 11.00 बजे उनकी हत्या कर दी गई। निजामुद्दीन में पार्किंग को लेकर हुए सनसनीखेज मर्डर का मामला संज्ञान में आते ही दिल्ली पुलिस एक्टिव हुई और कार्रवाई में जुट गई। जांच के बाद पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

चार सालों में कनाडा में 1,203 भारतीयों की मौत

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्र सरकार ने संसद के मानसून सत्र के दौरान जानकारी साझा करते हुए बताया कि वर्ष 2020 से 2024 के बीच कनाडा में कुल 1,203 भारतीय नागरिकों की मृत्यु हुई है। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने राज्यसभा में एक लिखित उत्तर के माध्यम से यह आंकड़े पेश किए। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इन मौतों में अधिकांश प्राकृतिक कारणों जैसे वृद्धावस्था और चिकित्सकीय बीमारियों के कारण हुईं। हालांकि, कुछ मामलों में अप्राकृतिक मौतें भी दर्ज की गईं जिनमें दुर्घटना, आत्महत्या, हिंसा और हत्या जैसे कारण शामिल हैं। किस साल कितनी मौतें : 2020-120, 2021-160, 2022-198, 2023-336 मौतें हुईं।

केंद्रीय गृह मंत्री ने एसआईआर के विरोध पर विपक्षी दलों की आलोचना, कांग्रेस-राजद को घेरा

राहुल एसआईआर पर राजनीति कर रहे हैं : शाह

सीतामढ़ी, जेएनएन। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्षी दलों की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि घुसपैठियों को वोट देने का कोई अधिकार नहीं होना चाहिए और उनकी नामावली से नाम हटाए जाने चाहिए। शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी राज्य में एसआईआर पर राजनीति कर रहे हैं, जिससे मतदाता सूची से घुसपैठियों के नाम हटाने की प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। शुक्रवार को सीतामढ़ी जिले के पुनौराधाम में एक जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा- घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने चाहिए। उन्हें वोट देने का कोई अधिकार नहीं है। लेकिन बिहार में राजद और कांग्रेस एसआईआर का विरोध कर रहे हैं क्योंकि उनकी कोशिश है कि घुसपैठियों के नाम सूची में बने रहें।

राहुल गांधी का आरोप

राहुल गांधी ने संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया था कि कर्नाटक के बेंगलुरु लोकसभा चुनाव के दौरान भारी मत चोरी हुई है। महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में 1,00,250 वोट चोरी किए गए, डुप्लीकेट मतदाता बनाए गए, फर्जी पते इस्तेमाल किए गए और फर्जी फोटो के साथ मतदाता सूची में नाम जोड़े गए।

एक दिन जवाब देना होगा

प्रियंका गांधी ने कहा कि यह हमारे देश का लोकतंत्र है। यह कोई मजाक नहीं है। यह किसी पार्टी का मामला नहीं है। अगर उन्होंने इसकी जांच नहीं की है, तो वे इसे बकवास नहीं कह सकते। उनकी (चुनाव आयोग) जिम्मेदारी ज्यादा बड़ी है। अगर उन्हें लगता है कि उनकी जिम्मेदारी सिर्फ भाजपा के प्रति है, तो उन्हें इस पर फिर से विचार करने की जरूरत है क्योंकि जैसा कि मेरे भाई ने कहा था, एक दिन ऐसा आएगा जब दूसरे लोग सत्ता में होंगे और फिर जिन लोगों ने हमारे लोकतंत्र को पूरी तरह से बर्बाद करने में सांठगांठ की है, उन्हें इसका जवाब देना होगा।

राजद-कांग्रेस पर निशाना

अमित शाह ने विपक्ष के इस आरोप और एसआईआर पर विरोध को अनुचित बताते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के खिलाफ राजद और कांग्रेस का रवैया सवालों के घेरे में है। उन्होंने कहा- संप्रग शासन के दौरान देश में आतंकवादी हमले आम थे, लेकिन मोदी सरकार के समय हमारी सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों को उनके ठिकानों पर मार गिराया। फिर भी राजद और कांग्रेस इस ऑपरेशन का विरोध कर रहे हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में राजग सरकार बनने का दावा भी किया। उन्होंने राजद पर बिहार में ''गुंडागर्दी'' को बढ़ावा देने का आरोप लगाया और कहा कि लालू प्रसाद यादव के केंद्रीय मंत्री रहने के दौरान बिहार के लिए रेलवे बुनियादी ढांचे के लिए सिर्फ 1,132 करोड़ रुपये मंजूर किए गए, जबकि वर्तमान सरकार ने वित्त वर्ष 2026 में 10,066 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

चुनाव आयोग को विचार करने की जरूरतः प्रियंका

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने शुक्रवार को चुनाव आयोग की तीखी आलोचना की। प्रियंका गांधी ने कहा कि अगर चुनाव आयोग को लगता है कि उनकी जिम्मेदारी सिर्फ भाजपा के प्रति है तो उन्हें फिर से सोचने की जरूरत है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए और आयोग पर वोट चोरी करने का आरोप लगाया। राहुल गांधी के आरोपों पर चुनाव आयोग के अधिकारियों ने राहुल गांधी से चुनाव में धांधली के उनके दावों का ब्यौरा मांगा था। प्रियंका गांधी का चुनाव आयोग पर निशाना तब साधा है, जब कम से कम तीन राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से उन मतदाताओं के नाम साझा करने को कहा, जिनके बारे में उन्होंने दावा किया था कि उन्हें मतदाता सूची में गलत तरीके से शामिल किया गया है या बाहर रखा गया है। साथ ही, चुनाव अधिकारियों ने इस मामले में जरूरी कार्यवाही शुरू करने के लिए एक हस्ताक्षरित घोषणापत्र भी मांगा।

जम्मू-कश्मीर के पूर्ण राज्य के दर्जे की यचिका पर हुई सुनवाई

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर दायर याचिका को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने भारत के मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई के समक्ष यह याचिका प्रस्तुत की गई। जहूर अहमद भट और कार्यकर्ता खुर्शीद अहमद मलिक की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि राज्य का दर्जा बहाल करने में लगातार हो रही देरी जम्मू और कश्मीर के नागरिकों के अधिकारों को गंभीर रूप से प्रभावित कर रही है और संघवाद की अवधारणा का भी उल्लंघन कर रही है। तत्कालीन सीजेआई डी.वाई.चंद्रचूड़ की सम्मुख सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने आश्वासन दिया था कि केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर के राज्य का दर्जा बहाल करेगी। हालांकि, कोर्ट ने इस बहाली के लिए कोई स्पष्ट समय सीमा नहीं दी थी। हालांकि, भारत के चुनाव आयोग को पुनर्गठन अधिनियम की धारा 14 के तहत गठित जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनाव 30 सितंबर, 2024 तक कराने के लिए कदम उठाने का आदेश दिया गया था।

चुनाव में ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों का मानदेय बढ़ा

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय निर्वाचन आयोग ने चुनाव के दौरान ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों का मानदेय बढ़ाने का फैसला किया है। आयोग की तरफ से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक चुनावी प्रक्रिया में पदों पर काम करने वाले कर्मचारियों के मानदेय में वृद्धि की गई है। आयोग की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि केंद्र से लेकर स्थानीय प्राधिकरणों तक के चुनाव में अधिकारी और कर्मचारी समेत तमाम चुनावी मशीनरी काम करती है। ऐसे में इन्हें इनके काम का बेहतर मुआवजा मिले इसके लिए मानदेय बढ़ाया गया है। निर्वाचन आयोग के मुताबिक पीठासीन अधिकारी एवं मतगणना पर्यवेक्षक के पहले 350 रुपए प्रतिदिन मिलते थे, अब नए मानदेय के हिसाब से इन्हें 500 रुपए प्रतिदिन या 2000 रुपए एकमुश्त दिए जाएंगे।

नई पीढ़ी स्वदेशी अपनाए, यही भारत की समृद्धि का मार्गः योगी

लखनऊ, जेएनएन। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह के समापन पर देश की स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए वर्तमान पीढ़ी से राष्ट्रभक्ति और स्वदेशी अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी हमारे जीवन का ध्येय बने, स्वदेशी हमारे जीवन का मंत्र बने, हम जियेंगे स्वदेशी के लिए, हम मरेंगे अपने देश के लिए। अपनी राष्ट्रभक्ति की इस पराकाष्ठा के साथ जब भारत आगे बढ़ेगा तो दुनिया की कोई ताकत भारत का बाल भी बांका नहीं कर पाएगी। कार्यक्रम के अवसर पर मुख्यमंत्री ने काकोरी ट्रेन एक्शन में शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर पीपल का पौधा भी लगाया। छोटी बालिकाओं के हाथों राखी भी बंधवाई और बेटियों को मिठाई और चॉकलेट भी उपहार में दी। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि 9 अगस्त 1925 को काकोरी में जिन महान क्रांतिकारियों ने ब्रिटिश हुकूमत के खजाने पर कब्जा कर उस धन को आजादी की लड़ाई में लगाया था।

हर घर तिरंगा, हर मन में राष्ट्रभक्ति का हो संकल्प

सीएम योगी ने कहा कि राष्ट्रभक्ति की भावना को जन-जन के मन में पुनः प्रतिष्ठित करना आज का हमारा संकल्प होना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए आह्वान को दोहराते हुए कहा कि हर घर पर तिरंगा फहराया जाए, हर गांव और नगर निकाय, वार्ड में तिरंगा यात्रा निकले, यही हमारी आजादी के अमृत महोत्सव की सार्थकता होगी।

धराली आपदाः सीएम धामी कर रहे हैं राहत कार्यों की निगरानी

धराली (उत्तरकाशी), जेएनएन। उत्तरकाशी जनपद के धराली क्षेत्र में आई आपदा के बाद राहत और बचाव कार्यों का निरीक्षण कर रहे मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के सामने एक अत्यंत भावुक कर देने वाला दृश्य सामने आया, जिसने वहां उपस्थित सभी लोगों की आंखें नम कर थीं। गुजरात के अहमदाबाद स्थित ईशनपुर निवासी श्रीमती धनगौरी बरौलिया अपने परिवार के साथ गंगोत्री दर्शन के लिए उत्तराखंड आई थीं। 5 अगस्त को आई भीषण आपदा के कारण वे धराली में अपने परिवार सहित फंस गईं। मार्ग अवरुद्ध होने और लगातार मलबा व तेज बहाव के कारण स्थिति अत्यंत चुनौतीपूर्ण हो गई थी। प्रदेश सरकार के निर्देशों पर आपदा प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित राहत व बचाव कार्य प्रारंभ किए गए। मुख्यमंत्री स्वयं तीन दिनों से लगातार क्षेत्र में मौजूद रहकर राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। रेस्क्यू टीमों के अथक प्रयासों से श्रीमती बरौलिया और उनके परिवार को सुरक्षित निकाला गया। रक्षाबंधन से पहले दिन जब मुख्यमंत्री प्रभावित क्षेत्र में मौजूद थे, तब श्रीमती बरौलिया ने भावुक होकर अपने दुपट्टे का एक टुकड़ा फाड़कर उसे राखी के रूप में मुख्यमंत्री श्री धामी को बांधा। यह दृश्य वहां उपस्थित सभी लोगों को गहराई से छू गया। मुख्यमंत्री ने भी इस भावनात्मक क्षण को विनम्रता से स्वीकार करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार आपदा की इस घड़ी में हर प्रभावित नागरिक के साथ खड़ी है और हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। धराली जैसे दुर्गम क्षेत्र में मानवीय संवेदनाओं का यह दृश्य विपदा के बीच आशा, विश्वास और सामाजिक एकजुटता की मिसाल बना।

महिला ने भावुक होकर अपने दुपट्टे का टुकड़ा राखी के रूप में धामी को बांधा

टीएमसी मंत्री सिन्हा पर चलेगा मुकदमा

शिक्षक भर्ती घोटाला

कोलकाता, जेएनएन। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस ने शुक्रवार को ईडी द्वारा जांच में स्कूल भर्ती घोटाले के संबंध में मंत्री चंद्रनाथ सिन्हा के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी। ईडी ने सिन्हा के खिलाफ एक विशेष अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया है। धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के तहत की गई जांच में, निलंबित कांग्रेस नेता और तत्कालीन शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी सहित अन्य लोगों की बड़े पैमाने पर हुए घोटाले में संलिप्तता का पता चला। इस मामले में, योग्य और मेधावी उम्मीदवारों को स्कूल शिक्षक के रूप में नियुक्ति से वंचित कर दिया गया।

पीजी में कोर्स बदलने पंजीयन के बाद साक्षात्कार देने को तैयार नहीं विद्याथी

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। प्रदेश के एक हजार 200 निजी और सरकारी कॉलेजों की स्नातकोत्तर (पीजी) की सीटों पर मेजर और माइनर विषय बदलने के लिए सभी विश्वविद्यालयों द्वारा इंटरव्यू करा लिए गए हैं। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय ने इंटरव्यू लेने के लिए करीब 950 विद्यार्थियों को मैसेज और ईमेल कर बुलाया था। इसमें से करीब 30 फीसदी विद्यार्थी ही इंटरव्यू में शामिल हुए हैं। साक्षात्कार में शामिल हुए विद्यार्थियों में करीब 90 फीसदी विद्यार्थी ही अपना मेजर और माइनर बदलकर पीजी में प्रवेश लेने की पात्रता हासिल कर पाए। दस फीसदी विद्यार्थी इंटरव्यू में सफल नहीं हो सके हैं, जिसके कारण वे अपात्र हो गए हैं। अब उन्हें अपने ही मेजर और माइनर में पीजी करना होगी। बीयू ने इंटरव्यू के अंक विभाग को भेज दिए हैं। उनके अंकों का परीक्षण करने के बाद विभाग अलाटमेंट जारी किया गया।

राहुल गांधी की एसआईआर यात्रा 17 अगस्त से होगी शुरू

पटना, जेएनएन। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले एसआईआर का मुद्दा शांत होने का नाम नहीं ले रहा है। विपक्ष की तरफ से सरकार पर इसको लेकर कई गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं। इसके साथ ही चुनाव आयोग पर वोट की चोरी करने का आरोप भी लगाया जा रहा है। इस बीच आज राहुल गांधी ने कथित चुनावी धांधली पर इंडिया ब्लॉक के नेताओं के साथ चर्चा की। राहुल गांधी के निवास पर डिनर मीटिंग आयोजित की गई। बैठक में गठबंधन के तमाम नेता शामिल हुए। बिहार चुनाव में तेजस्वी और कांग्रेस एक साथ चुनावी मैदान में उतर सकते हैं। हालांकि अब तक दोनों के बीच सीटों का बंटवारा नहीं हो पाया है। तेजस्वी यादव ने कहा कि इस मुल्क में जो तानाशाही हो रही है, इसी को लेकर चर्चा की गई है।

राहुल के नेतृत्व में होगी यात्रा

विधानसभा चुनाव से पहले राहुल गांधी और तेजस्वी यादव बिहार यात्रा पर निकलने वाले हैं। ये यात्रा 17 अगस्त से राहुल गांधी के नेतृत्व में बिहार में शुरू होगी। 17 अगस्त से शुरू होने वाली ये यात्रा 1 सितंबर को पटना में खत्म होगी। इसको लेकर तेजस्वी यादव ने कहा कि हम वोट की चोरी को किसी भी हालत में होने नहीं देंगे। हम बिहार में एसआईआर का मुद्दा उठाते रहेंगे। तेजस्वी यादव ने कहर कि हम चुनाव बहिष्कार नहीं करेंगे, हम लोकतंत्र में यकीन रखते है।

चुनाव से पहले एसआईआर का मुद्दा गरम

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में हुए एसआईआर के कारण प्रदेश के साथ-साथ देशभर में राजनीतिक सरगर्मी देखने को मिली है। विपक्ष ने इस मुद्दों को लेकर सरकार पर जमकर निशाना साधा है। यही कारण है कि संसद के मानसून सत्र के दौरान भी ये मुद्दा जमकर उठाया गया। इसका नतीजा ये रहा कि ज्यादातर समय संसद को स्थगित करना पड़ा। ऐसा इसलिए क्योंकि विरोध के कारण संसद चल ही नहीं पाई।

तलाश 24 साल पहले ट्विन टॉवर पर हुआ आतंकी हमला

तीन और मृतक पहचाने गए, 1100 से ज्यादा को अब भी पहचान का इंतजार

न्यूयार्क, जेएनएन। अमेरिका में 11 सितंबर 2001 को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए भीषण आतंकवादी हमले में हजारों लोग मारे गए थे। इस हमले में मारे गए हजारों लोगों के अवशेष 24 साल बाद भी अपने परिजनों का इंतजार कर रहे हैं। इसी प्रक्रिया के दौरान तीन और मृतकों की पहचान हो गई है। न्यूयॉर्क शहर के मुख्य चिकित्सा कार्यालय (ओसीएमई) ने इसकी पुष्टि की है। ओसीएमई ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि तीन लोगों के बारे में भी बताया। इसमें फ्लोरल पार्क के रयान फिट्ज़गेराल्ड (26), कैलिफ़ोर्निया में पाम स्प्रिंग्स की बारबरा कीटिंग (72) और एक वयस्क महिला के रूप में हुयी है, जिनका नाम उनके परिवार के अनुरोध पर गुप्त रखा जा रहा है। इन तीनों मृतकों की पहचान संख्या क्रमशः 1651वें, 1652वें और 1653वें व्यक्ति के रूप में घोषित किया। ओसीएमई ने कहा कि अवशेषों के एडवांस डीएनए विश्लेषण और परिवार से संपर्क से उनकी पहचान संभव हो पायी है। फिट्ज़गेराल्ड की पहचान 2002 में पहली बार बरामद अवशेषों के डीएनए परीक्षण के माध्यम से पुष्टि की गई थी, जबकि कीटिंग और अज्ञात महिला की पहचान 2001 में पहली बार बरामद अवशेषों पर आधारित थी।

मारे गए थे 2753 लोग

11 सितंबर, 2001 को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए हमले में लगभग 2753 लोग मारे गए थे। इनमें से अभी भी लगभग 1100 पीड़ितों के अवशेष अज्ञात हैं। पहचान प्रक्रिया का नेतृत्व कर रहे डॉ जेसन ग्राहम ने कहा, हादसे के लगभग 25 साल बाद लापता लोगों की पहचान करने और उन्हें उनके प्रियजनों तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता मजबूत है। न्यूयॉर्क शहर के मेयर एरिक एडम्स ने तीन नवीनतम पहचान पत्रों की घोषणा के बाद एक प्रेस बयान जारी किया, जिसमें कहा, 11 सितंबर के आतंकवादी हमलों में किसी प्रियजन को खोने का दर्द दशकों तक महसूस होता है लेकिन इन तीन नई पहचान पत्रों के साथ, हम उस दिन के दर्द से आज भी जूझ रहे परिवार के सदस्यों को सांत्वना देने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ते हैं... हमें उम्मीद है कि मुख्य चिकित्सा परीक्षक कार्यालय से जवाब पाने वाले परिवार इस मिशन के प्रति शहर के अथक समर्पण से सांत्वना पा सकेंगे।

जापानी ईवी निर्माता टेरा मोटर्स ने एमपी में की एंट्री

ऑन-रोड कीमत रुपये 3.74 लाख, 200 किमी रेंज

जबलपुर। जापान की इलेक्ट्रिक व्हीकल निर्माता कंपनी टेरा मोटर्स ने मध्य प्रदेश में अपने पहले एल5 हाई-स्पीड इलेक्ट्रिक ऑटो की डीलरशिप के साथ प्रवेश किया है। यह कदम कंपनी की रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत वह राज्य में बढ़ती ईवी स्वीकार्यता का लाभ उठाकर भारत के टॉप 5 थ्री-व्हीलर बाजारों में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है। ऑन-रोड कीमत रुपये 3.74 लाख से शुरू होकर और एक बार चार्ज करने पर 200 किलोमीटर तक की रेंज के साथ, कंपनी का लक्ष्य है कि हाई-स्पीड इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को चालकों और डीलरों दोनों के लिए सुलभ और लाभदायक बनाया जाए। टेरा मोटर्स के प्रवक्ता ने कहा कि यहां का बड़ा थ्री-व्हीलर बेस और बढ़ती ईवी स्वीकार्यता हमें काफी संभावनाएं देती है। हमारा डीलर-प्रथम दृष्टिकोण, जापानी ट्रस्ट और आसान फाइनेंसिंग के साथ, हमारे विस्तार की नींव है। हम मध्य प्रदेश भर में नए डीलर पार्टनर्स की तलाश में हैं, जो हमारे नेटवर्क से जुड़कर इस विकास यात्रा का हिस्सा बन सकें। इंदौर डीलरशिप की यह लॉन्चिंग टेरा मोटर्स के मध्य भारत में बड़े विस्तार की शुरुआत है, और आने वाले महीनों में एमपी के कई प्रमुख शहरों में नई आउटलेट्स खोलने की योजना है।

प्रेम, सौहार्द के साथ जिले भर में मनाया गया राखी का पर्व

उप जेल पवई में मनाया गया रक्षा बंधन का पर्व
जेल में बंद कैदी भाइयों को बहनों ने पहुंचकर बांधी राखी

जागरण, पवई। देश भर में भाई बहिन के अटूट प्रेम का पर्व रक्षा बंधन बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस दिन बहिनें सुबह सुबह तैयार होकर पारंपरिक परिधानों में अपने अपने भाइयों की कलाईयों पर रक्षा का सूत्र राखी बांधती और रोली का तिलक लगाकर आरती करते हुए उनको मिष्ठान खिलाकर उनकी लंबी उम्र और सुख समृद्धि की कामना की करती हैं । पवई नगर सहित पूरे क्षेत्र में भी रक्षाबंधन का पर्व बड़े हर्षोल्लाह के साथ मनाया जा रहा। बहनों ने अपने-अपने भाइयों की सूनी कलाई में राखी बांधते हुए उनकी लंबी उम्र की सुख समृद्धि की कामना की,भाइयों ने भी उनकी जीवन भर रक्षा करने का वचन दिया। उप जेल पवई में भी शासन के निर्देश के अनुसार रक्षाबंधन पर्व सौहार्द और शांति के साथ मनाया गया। जेल में बंद कैदी भाइयों को उनकी बहनों के द्वारा उप जेल पहुंचकर राखी बांधी गई,इस दौरान प्रशासन के द्वारा निर्धारित गाइडलाइंस के अनुसार पंजीयन उपरांत बहनों को जेल के अंदर प्रवेश दिया गया , इसके बाद उन्होंने अपने अपने भाइयों को राखी बांधी। इस दौरान जेल प्रशासन के द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के साथ भाई बहनों को मिलने के लिए तमाम प्रकार के इंतजाम भी किए गए। जेल अधीक्षक मुनींद्र मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि निर्धारित समय के अनुसार जेल में 50 कैदियों को लगभग 95 बहनों ने आकर राखी बांधी, इसके साथ अभी लगातार मुलाकात और राखी बांधने का सिलसिला जारी है, इसके साथ ही उन्होंने सभी को रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं दी। बता दें कि रक्षाबंधन जिसे राखी भी कहा जाता है। यह एक हिंदू त्यौहार है,जो भाई बहिन के पवित्र बंधन का जश्न मनाता है। यह पर्व श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है,पुराणों में भी इसके लिए उल्लेख मिलते हैं। एक कथा अनुसार जब भगवान कृष्ण ने शिशुपाल का वध किया था,तब उनकी उंगली में सुदर्शन की वजह से चोट लग गई थी, द्रोपती ने अपनी साड़ी का टुकड़ा फाड़ कर उनकी उंगली पर बांध दिया था,इससे प्रसन्न होकर भगवान कृष्ण ने द्रोपती को हर संकट में रक्षा करने का वचन दिया था। इसी घटना को रक्षाबंधन का आधार माना जाता है,इसके अलावा जब मेवाड़ की महारानी कर्मावती और उनका राज्य संकट में था तो उन्होंने हुमायूं नामक मुगल शासक को उनकी रक्षा के लिए एक धागा भेजा था साथ ही इंद्र और इंद्राणी की कथा भी पुराणों और इतिहास में मिलती है।

रक्षाबंधन पर जतारा थाना प्रभारी का मानवीय चेहरा

आदिवासी बस्ती में पहुंचाया खुशियों का संदेश

जागरण, टीकमगढ़। जिले में पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के निर्देशन में हेल्पिंग हैंड अभियान के तहत पुलिस प्रशासन न केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने में बल्कि सामाजिक सरोकारों में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इसी क्रम में 8 अगस्त को थाना प्रभारी जतारा निरीक्षक रविभूषण पाठक एवं उनकी पुलिस टीम ने जनजातीय दिवस और रक्षाबंधन के पावन अवसर पर थाना क्षेत्र की एक आदिवासी बस्ती का दौरा किया। इस दौरान पुलिस टीम ने वहां की नन्हीं बालिकाओं को स्नेहपूर्वक राखियां और मिठाई वितरित कीं। मासूम बच्चियों के हाथों में राखी और मिठाई पहुंचते ही उनके चेहरों पर खुशी की चमक फैल गई। बस्ती में माहौल भाई-बहन के पवित्र रिश्ते की मिठास और उमंग से सराबोर हो गया। स्थानीय ग्रामीणों ने इस पहल को प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि पुलिस का यह मानवीय चेहरा समाज में प्रेम, भाईचारे और विश्वास की नई मिसाल पेश करता है। उनका कहना था कि ऐसे प्रयासों से पुलिस और जनता के बीच नजदीकियां और भरोसा दोनों बढ़ते हैं।

हर जरूरतमंदों तक पहुचायेंगे खुशियां- रविभूषण

थाना प्रभारी रविभूषण पाठक ने कहा, हेल्पिंग हैंड अभियान के तहत हम जरूरतमंदों तक खुशियां पहुंचाने और समाज में सकारात्मक संदेश फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। पुलिस सिर्फ कानून लागू करने वाली संस्था नहीं है, बल्कि समाज का अभिन्न हिस्सा है। ऐसे अवसर हमारे और जनता के बीच रिश्ते को और मजबूत करते हैं।

सावन की पूर्णिमा पर रक्षाबंधन पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया

जागरण, पवई। पवई नगर समेत आसपास के ग्रामीण अंचलों में सावन की पूर्णिमा के अवसर पर रक्षाबंधन पर्व हर्षोल्लास और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही घरों में त्योहार की तैयारियां जोरों पर रहीं। बहनों ने पूजा थाल सजाकर भाइयों की आरती उतारी, उनकी कलाई पर राखी बांधी और उनके सुख, समृद्धि तथा दीर्घायु की कामना की। बदले में भाइयों ने बहनों को उपहार भेंट किए और जीवनभर उनकी रक्षा का वचन निभाने का संकल्प लिया। नगर के बाजारों में सुबह से ही रौनक देखने को मिली। राखी, मिठाई और उपहार की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ उमड़ी रही। रंग-बिरंगी राखियों, खिलौनों और पारंपरिक मिठाइयों ने बाजार की शोभा बढ़ा दी। ग्रामीण अंचलों में भी परिवारजन एकत्र होकर पारंपरिक गीत-संगीत और विशेष व्यंजनों के साथ इस पर्व का आनंद लेते रहे। रक्षाबंधन का यह पर्व भाई-बहन के रिश्ते में प्रेम, विश्वास और स्नेह का प्रतीक माना जाता है। इस दिन न केवल सगे भाई-बहन, बल्कि रिश्तेदारी और सामाजिक रिश्तों में भी राखी बांधकर आपसी स्नेह व एकता का संदेश दिया गया। पूरे दिन नगर और गांवों में उत्साहपूर्ण माहौल रहा और सावन की पूर्णिमा का यह पावन दिन सभी के लिए यादगार बन गया।

पन्ना जिला जेल में बंद कैदियों को राखी बांधने पहुंची सैकड़ों बहनें हुई भावुक, अपराध छोड़ने का किया आग्रह

जागरण, पन्ना। राष्ट्रीय पर्व रक्षाबंधन के मौके पर बहनें पन्ना जिला जेल में बंद अपने भाइयों को राखी बांधने पहुंचीं. इस दौरान बहन-भाई दोनों की आंखें नम हो गई. जेल प्रशासन ने भी इस मौके पर खास इंतजाम किए थे ताकि बहनों-भाईयों को परेशानी न हो. कई बहनें तो अपने भाइयों को राखी बांधने के लिए कोसों दूर से आई थीं आज पूरा देश आज भाई-बहन के पवित्र रिश्तों का त्योहार राखी बड़े धूमधाम के साथ मना रहा है. वहीं,दूसरी ओर जिनके भाई जाने-अनजाने में अपराध के दलदल में फंसकर सलाखों के पीछे अपने जुर्म की सजा भुगत रहे हैं. उनकी बहनों के लिए आज का दिन दुख के पहाड़ सरीखा हो गया है. जेल की सलाखों में कैद ऐसे भाइयों की कलाई पर राखी बांधने जेल पहुंची, लेकिन भाईयों की कलाई पर राखी बांधने के बाद आंखों से छलकते अपने आंसुओं को नहीं रोक पाईं, बहनों की सुविधा के लिए जेल प्रबंधन के द्वारा कुछ विशेष किया इन्ताम किया गया था। जिसकी सभी बहनों के द्वारा भूरी भूरी प्रशंसा की गई।

बकरी चराने गए चरवाहे पर बाघ ने किया हमला

जागरण, पन्ना। अमानगंज पन्ना जिले के अमानगंज क्षेत्र अंतर्गत जसवंतपुरा बीट का मामला सूत्रो से प्राप्त जानकारी बकरी चराने कुछ ग्रामीण चरवाहे गए हुए थे। उक्त घटना ग्रामीण राम भगत पाल पर बाघ ने हमला कर दिया जिससे वह घायल हो गया। वही कुछ दूरी पर उपस्थित ग्रामीण अन्य बकरी चरवाहो के द्वारा उसको बचा लिया गया। राम भगत पाल के द्वारा बताया गया कि खुद का बचाव लाठी से किया गया था। उसे घायल अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमानगंज ले जाया गया जहां से उसको प्राथमिक उपचार उपरान्त पन्ना जिला अस्पताल भेजा गया सिविल सर्जन आलोक गुप्ता द्वारा बताया गया कि घबराने की कोई बात नहीं है समाचार लिखने तक स्थिति सामान्य उपचार जारी टाईगर रिर्जव द्वारा कोई भी कर्मी मरीज को देखने तक नहीं आया देखना होगा घायल को आगे विभाग द्वारा आर्थिक मदद की जाती है य नहीं।

महेंद्र सागर तालाब पर विधि-विधान से हुआ श्रावणी उपाकर्म, ब्राह्मण समाज ने निभाई परंपरा

जागरण, टीकमगढ़। रक्षाबंधन और श्रावणी पूर्णिमा के अवसर पर शहर में ब्राह्मण समाज द्वारा परंपरागत श्रावणी उपाकर्म का आयोजन धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम में बुंदेलखंड पीठाधीश्वर महंत सीताराम दास महाराज के नेतृत्व में समाज के लोग सुबह महेंद्र सागर तालाब पहुंचे, जहां सभी ने विधि-विधान से स्नान कर श्रावणी उपाकर्म की मुख्य क्रियाएं संपन्न कीं। महंत सीताराम दास महाराज ने बताया कि शास्त्रों के अनुसार श्रावण शुक्ल पूर्णिमा को श्रावणी उपाकर्म प्रत्येक हिंदू के लिए आवश्यक है। इस दिन दसविधि स्नान से आत्मशुद्धि होती है और पितरों के तर्पण से उन्हें तृप्ति मिलती है। यह पर्व वैदिक काल से शरीर, मन और इंद्रियों की पवित्रता का प्रतीक माना जाता है। प्राचीन समय में ऋषि-मुनि इसी दिन से वेदों का पाठ आरंभ करते थे। श्रावणी उपाकर्म में यज्ञोपवीत पूजन, उपनयन संस्कार, तीर्थ अवगाहन, दशस्नान और हेमाद्रि संकल्प का विशेष महत्व है। इस अवसर पर पाप-निवारण के लिए विभिन्न प्रतिज्ञाएं भी ली जाती हैं। महंत सीताराम दास महाराज ने कहा कि यह कर्म कुंभ स्नान के दौरान भी होता है और प्रायः आश्रम, जंगल या नदी किनारे संन्यासी जैसा जीवन जीकर पूरा किया जाता है। यह कार्य यज्ञोपवीत धारण करने, बदलने या उपनयन संस्कार के लिए विशेष रूप से किया जाता है। श्रावण पूर्णिमा पर रक्षासूत्र बांधने, यज्ञोपवीत धारण करने, नदी स्नान, व्रत, दान, ऋषि पूजन, तर्पण और तप करने का भी विधान है। इस दिन पेड़-पौधे लगाने का महत्व भी बताया गया है, जिससे अनंत गुना पुण्य प्राप्त होता है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के सदस्य मौजूद रहे और पारंपरिक विधियों के साथ श्रावणी उपाकर्म का यह पवित्र पर्व संपन्न हुआ।

रेलवे ट्रैक पर मिला क्षत-विक्षत शव

पहचान की कोशिश जारी, पुलिस जांच में जुटी

जागरण, टीकमगढ़। जिले में रेलवे स्टेशन से कुछ दूरी पर एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। देहात थाना क्षेत्र के नारगुड़ा गांव के पास शनिवार सुबह रेलवे ट्रैक पर एक अज्ञात युवक का शव मिला। मृतक का शव क्षत-विक्षत हालत में था, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार, अहमदाबादङ्कबरौनी एक्सप्रेस की चपेट में आने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि युवक का सिर और पैर धड़ से अलग हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि सुबह करीब 6 बजे ट्रेन गुजरने के तुरंत बाद ट्रैक पर शव देखा गया। कुछ ग्रामीणों ने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। सूचना पाकर देहात थाना प्रभारी चंद्रजीत यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल के पोस्टमार्टम गृह में रखवाया। तलाशी के दौरान मृतक की जेब से 60 रुपए नकद और एक माचिस बरामद हुई, लेकिन कोई पहचान पत्र नहीं मिला।

पुलिस कर रही जांच, आत्महत्या या हादसा

थाना प्रभारी चंद्रजीत यादव ने बताया कि मृतक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। मृतक का फोटो आसपास के थानों और रेलवे पुलिस को भेजा गया है, साथ ही आस-पास के गांवों में भी पूछताछ की जा रही है। हम यह भी जांच कर रहे हैं कि यह मामला आत्महत्या है, हादसा है या इसके पीछे कोई और कारण छुपा है। थाना प्रभारी ने बताया कि अहमदाबादङ्कबरौनी ट्रेन के लोको पायलट से भी बयान लिए जाएंगे, जिससे घटना का समय और परिस्थितियों की पुष्टि हो सके। वहीं, ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने युवक को पहले कभी इस इलाके में नहीं देखा था। फिलहाल, पुलिस मृतक की शिनाख्त और घटना की सच्चाई सामने लाने के लिए हर पहलू पर गहन जांच कर रही है।

खजुराहो सांसद ने सकरिया डिघौरा मार्ग की उच्च स्तरीय जांच की जाने की मांग

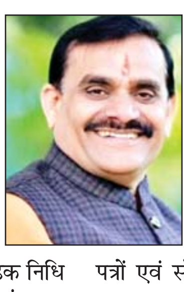

जागरण, पन्ना। खजुराहो सांसद एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष बी.डी.शर्मा ने पत्र के माध्यम से प्रदेश के मुखिया मोहन यादव केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से एवं लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह को पत्र के माध्यम से लिखा है कि मेरी लोकसभा क्षेत्र के पन्ना जिला अंतर्गत केंद्रीय सड़क निधि से 68.38 करोड़ लागत की दिनांक 28 मार्च 2023 को सकरिया से डिघौरा रोड स्वीकृत हुई थी जिसका टेंण्डर मैसेर्स रवि शंकर जायसवाल जबलपुर को मिला था ठेकेदार द्वारा कराए गए निर्माण कार्य में मानक स्तर की सामग्री उपयोग न करने के कारण अर्थवर्क से लेकर डामरीकरण तक का निर्माण कार्य गुणवत्ताहीन रहा है मार्ग का निश्चित रूप से बेस कमजोर होने से पहली बरसात में रोड क्षतिग्रस्त हो गई है निर्माण कार्य के दौरान लगातार क्षेत्रीय नागरिकों जन प्रतिनिधियों,समाचार पत्रों एवं सोशल मीडिया के माध्यम से समय-समय पर गुणवत्ताहीन कार्य निर्माण की शिकायत के बावजूद भी ठेकेदार मार्ग निर्माण में पूरी लापरवाही बरती गई है जिसके लिए ठेकेदार पर कठोर दंण्डनात्मक कार्रवाई किया जाना अति आवश्यक है इस घटिया निर्माण से क्षेत्रीय जनता में काफी आक्रोश व्याप्त है इस कारण सरकार ,विभाग की छवि धूमिल करने का जगन्य अपराध ठेकेदार द्वारा किया गया है जिससे इस मार्ग निर्माण की उच्च स्तरीय जांच किया जाना अति आवश्यक है आप सभी से अनुरोध है कि विषयांकित मार्ग के संपूर्ण निर्माण कार्य की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए तथा ठेकेदार द्वारा किए गए इस घटिया निर्माण के लिए उसे ब्लैक लिस्टेड करने की कार्रवाई भी की जाए पूर्व में भी दैनिक जागरण समाचार पत्र के द्वारा ध्यान आकर्षण के लिए खबर प्रकाशित की जा चुकी है जिस पर प्रशासन के द्वारा किसी भी प्रकार की वैधानिक कार्यवाही नहीं की गई।

मॉडिफाइड साइलेंसर पर गिरी गाज, बुलेट सवार युवक पर कड़ी कार्रवाई

जागरण, टीकमगढ़। शहर में ध्वनि प्रदूषण और ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर अंकुश लगाने के लिए कोतवाली पुलिस ने शनिवार शाम विशेष अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने एक बुलेट मोटरसाइकिल सवार युवक को पकड़ा, जो अपने वाहन में तेज आवाज करने वाला मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर शहर में दौड़ रहा था। थाना प्रभारी के नेतृत्व में टीम ने युवक को रोका और मौके पर ही वाहन की जांच की। जांच में पाया गया कि बुलेट पर लगाया गया मॉडिफाइड साइलेंसर कानफोडू आवाज पैदा कर रहा था, जो न सिर्फ लोगों को परेशान कर रहा था, बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालकों का ध्यान भी भटका रहा था। पुलिस ने तुरंत मॉडिफाइड साइलेंसर निकलवाया और युवक के खिलाफ चालानी कार्रवाई की। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद लोगों को भी चेतावनी दी कि इस तरह के साइलेंसर का उपयोग पूरी तरह अवैध है और अगली बार पकड़े जाने पर अधिक कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मॉडिफाइड साइलेंसर हटवा लें वरना होगी कानूनी कार्रवाई- थाना प्रभारी

वही कोतवाली थाना प्रभारी उपेंद्र छारी ने कहा की मॉडिफाइड साइलेंसर ध्वनि प्रदूषण फैलाने के साथ-साथ सड़क पर असुरक्षा का कारण बनते हैं। शहर में किसी भी वाहन पर ऐसे साइलेंसर बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। सभी वाहन मालिक तुरंत इन्हें हटाएं, वरना कानूनी कार्रवाई के लिए तैयार रहें।

आगे भी चल सकती है यह कार्रवाई

पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई शहर में लगातार बढ़ते मॉडिफाइड साइलेंसर के इस्तेमाल को रोकने के लिए शुरू किए गए अभियान का हिस्सा है। आने वाले दिनों में पुलिस विभिन्न क्षेत्रों में आकस्मिक चेकिंग करेगी, जिसमें बुलेट, स्पोर्ट्स बाइक्स और अन्य तेज आवाज करने वाले वाहनों को विशेष रूप से निशाने पर रखा जाएगा।

दक्षिण पन्ना के सलेहा रेंज में वन अमले ने विफल किया अतिक्रमण का प्रयास

जागरण, पन्ना। दक्षिण पन्ना वनमण्डल के सलेहा वन परिक्षेत्र अंतर्गत बीट सलेहा में गश्ती के दौरान वन भूमि पर 4 परिवारों द्वारा बाड़ी बनाकर किए गए अतिक्रमण के प्रयास का पता चला। सुश्री जीतू सिंह बघेल, रेंज ऑफिसर, सलेहा वन परिक्षेत्र के नेतृत्व में परिक्षेत्र सहायक दिलीप सिंह, बीट गार्ड सलेहा अनिल त्रिपाठी, बीट गार्ड मुढ़िया नीरज पांडे तथा सुरक्षा श्रमिकों की टीम ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण को तुरंत हटा दिया। इस दौरान स्थानीय लोगों को वन क्षेत्र की सीमाओं की जानकारी दी गई तथा भविष्य में अतिक्रमण न करने की समझाइश दी गई। वन विभाग ने स्पष्ट किया कि वन भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इस पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नवीन साप्ताहिक बाजार स्थल की डीपीआर तैयार

जागरण, पन्ना। कलेक्टर सुरेश कुमार के निर्देशानुसार पन्ना नगर में रविवार को लगने वाले साप्ताहिक बाजार को सुव्यवस्थित करने एवं आवागमन को सुगम बनाने तथा नागरिकों की सुविधाओं के दृष्टिगत पुलिस, यातायात एवं प्रशासन के सहयोग से विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं। जिसके तहत छत्रसाल पार्क के पास लगने वाले रविवारीय साप्ताहिक बाजार को स्थानांतरित करने के लिए कमला बाई तालाब के पास भूमि आवंटन की कार्यवाही की जा रही है। इसके लिए नवीन स्थल पर सर्वसुविधायुक्त सब्जी मण्डी व हाट बाजार बनवाने की डीपीआर तैयार कर ली गई है। नगर पालिका सीएमओ उमाशंकर मिश्रा ने बताया कि वैकल्पिक व्यवस्था होने तक निर्णय लिया गया है कि जब तक वर्तमान साप्ताहिक हाट बाजार नवीन स्थल पर स्थानांतरित नहीं हो जाता, तब तक आवागमन सुगम बनाने व नागरिकों को परेशानियों से बचाव के लिए शनिवार रात व रविवार को उक्त साप्ताहिक हाट बाजार में प्रवेश करने वाले थोक सब्जी व अन्य सामग्री लाने वाले बड़े वाहन तथा अन्य चार पहिया वाहनों का हाट बाजार में प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। ये वाहन अपनी सब्जी व अन्य सामग्री आगामी व्यवस्था होने तक अजयगढ़ बायपास पर भारतीय स्टेट बैंक ट्रेनिंग सेंटर के बगल में खेर माता के पास अनलोड करेंगे। यहां से फुटकर सामग्री क्रेता साप्ताहिक हाट बाजार में अपने साधन से लाएंगे। प्रतिबंधित क्षेत्र में उक्त वाहन पाए जाने पर कार्यवाही की जाएगी।

दक्षिण वन मंडल के वन कर्मी ने रक्तदान कर नन्हे मासूम की बचाई जान

जागरण, पन्ना। दक्षिण वन मंडल पन्ना के डीएफओ कार्यालय में पदस्थ सहायक ग्रेड-3 प्रबल प्रताप सिंह ने मानवीय संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हुए 8 माह के एक गंभीर रूप से बीमार मासूम को समय पर रक्तदान कर नई जिंदगी दी। प्रबल प्रताप सिंह को जैसे ही सोशल मीडिया के माध्यम से यह जानकारी मिली कि जिले के आदिवासी ग्राम का एक शिशु बी पॉजिटिव रक्त के लिए अत्यंत जरूरतमंद है, वे बिना कोई विलंब किए सीधे जिला अस्पताल पहुंचे और रक्तदान किया। यह उनका 41वां स्वैच्छिक रक्तदान था। उन्होंने बताया कि यदि स्वस्थ शरीर मिला है तो जरूरतमंद व्यक्ति के लिए समय पर रक्तदान करना हम सभी का कर्तव्य है। उनके इस पुनीत कार्य से समाज में रक्तदान के लिए एक उत्कृष्ट पहल की गई है। प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि रक्तदान करना चाहिए रक्तदान महादान है इससे बड़ा पुण्य लाभ नहीं है। जिला अस्पताल टीम का भी विशेष योगदान रहा। इस नेक पहल ने न केवल एक मासूम की जान बचाई, बल्कि समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता और प्रेरणा का संदेश भी दिया।

जिला चिकित्सालय में भारी व्यवस्था 12 घंटा बीतने के बावजूद मरीज को नहीं मिली एंबुलेंस

जागरण, पन्ना। स्वास्थ्य विभागमें भारी अवस्था जिला चिकित्सालय तथा स्वास्थ्य केंद्रा में तीन दर्जन एम्बुलेंस होने के बावजूद पन्ना जिले में डिलीवरी युक्त महिला को एंबुलेंस वाहन नहीं मिल पा रहा है यह एक दिन की कहानी नहीं आए दिन यही हो रहा है छत्तीसगढ़ की कंपनी द्वारा मध्य प्रदेश में 108 जननी वाहन का ठेका लिया गया है तथा प्रत्येक माह करोड़ों रुपए भुगतान होता है उसके बावजूद लोगों को सुविधा नहीं मिल रही है ग्राम मड़िया राव निवासी अर्चना शर्मा पति जानकी शर्मा की डिलीवरी के बाद आज दिनांक 9 अगस्त को सुबह 6ः00 बजे छुट्टी कर दी गई सुबह 6ः00 बजे से शाम 4ः00 बजे तक एंबुलेंस की तलाश में परिजन घूम रहे हैं लेकिन उन्हें वाहन उपलब्ध नहीं हो रहा है 108 कॉल सेंटर वाले भी सही जवाब नहीं दे रहे हैं उक्त लोग भारी परेशान हैं जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारीभी मोबाइल अटेंड नहीं कर रहे हैं।

पर्यावरणीय चिंताओं को दूर करने के लिए भूमिगत खनन

भूमि अधिग्रहण सम्बन्धी बाधाओं को दूर करने में भूमिगत खनन महत्वपूर्ण

भारत की ऊर्जा सुरक्षा में मील का पत्थर साबित हो रहा भूमिगत कोयला खनन

जागरण, बैढ़न

देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मध्य प्रदेश का सिंगरौली जिला लगातार अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कोयला और बिजली उत्पादन में अव्वल रहने वाली इस ऊर्जाधानी का योगदान अब कुछ नए कोयला खदानों के आवंटन से और अधिक बढ़ने की उम्मीद है। जिले में नौ अन्य कोयला खदानों के जल्द चालू होने की संभावना जताई जा रही है। कोयला खदानों के संचालन शुरू होने से न केवल कोयला उत्पादन में वृद्धि होगी बल्कि रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी के साथ कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत स्थानीय विकास को बढ़ावा मिलेगा। इनमें से कई भूमिगत खदानें भी शामिल हैं।

भूमिगत कोयला खनन का सामरिक महत्व

कोयला भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं का एक प्रमुख स्तंभ बना हुआ है जिसमें देश के पास दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा कोयला भंडार है और यह दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है। कोयला भारत की ऊर्जा आपूर्ति का 55 प्रतिशत से अधिक और बिजली उत्पादन का 74 प्रतिशत प्रदान करता है। 2030 तक कोयले की मांग 1,462 मिलियन टन तक पहुंचने का अनुमान है और 2047 तक 1,755 मिलियन टन। भारत का ऊर्जा परिदृश्य कोयले पर बहुत अधिक निर्भर है जो देश के बिजली उत्पादन में 55प्रतिशत से ज़्यादा का योगदान देता है। जहाँ एक तरफ खुले खदानों से कोयला उत्पादन में तेज़ी से वृद्धि हो रही है वहीं दूसरी ओर भूमिगत कोयला खनन भी एक महत्वपूर्ण घटक बना हुआ है क्योंकि कुछ अनिवार्य बाध्यताएं इसे अपरिहार्य बनाती हैं। प्राथमिक बाध्यताओं में से एक भूवैज्ञानिक आवश्यकता है। भारत के कोयला भंडारों का एक बड़ा हिस्सा सतह के नीचे गहराई में स्थित है खासकर घनी आबादी वाले या पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में जहाँ खुले में खनन या तो व्यावहारिक नहीं है या पर्यावरण के लिए हानिकारक है। भूमिगत खनन हमें इन भंडारों तक पहुँच प्रदान करता है और सतह पर होने वाले अड़चनों को कम करता है।

पर्यावरणीय चिंताओं को दूर करने के लिए भूमिगत खनन

पर्यावरणीय दृष्टिकोण से भूमिगत खनन खुली खदानों में खनन की तुलना में काफी कम धूल और ध्वनि प्रदूषण उत्पन्न करता है। और पारिस्थितिकी तंत्र यथावत बना रहता है। यह भूमि की सफाई और ओवरबर्डन हटाने से जुड़े कार्बन फुटप्रिंट को भी कम करता है क्योंकि इसमें ओबी डंपिंग का प्रावधान नहीं रहता और न ही पेड़ों की कटाई की नौबत आती है और जल प्रदूषण भी कम होता है जो पेरिस समझौते के तहत भारत की जलवायु प्रतिबद्धताओं के मुताबिक है।

आधुनिक खनन प्रणाली से उत्पादकता और श्रमिक सुरक्षा में सुधार : सुरक्षा और तकनीकी प्रगति ने भूमिगत खनन के मामले को और मज़बूत किया है। लॉन्गवॉल और निरंतर खनन प्रणालियों जैसी आधुनिक तकनीकों ने खनन कार्यों में उत्पादकता और श्रमिक सुरक्षा दोनों में सुधार किया है। ये तकनीकें न केवल अधिक कोयला निकालने में मदद करती हैं बल्कि खनिकों को खतरनाक स्थितियों से भी बचाती हैं। इसके अलावा भूमिगत खनन उन क्षेत्रों में रोज़गार सृजन में मददगार होता है खुली खदानों में स्वचालन के कारण श्रम की माँग कम हो गई है। यह पारंपरिक खनन समुदायों को सहारा देता है और क्षेत्रीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

भूमि अधिग्रहण सम्बन्धी बाधाओं को दूर करने में भूमिगत खनन महत्वपूर्ण

देश के कई राज्यों में विस्थापन सम्बन्धी चिंताओं और सामाजिक. राजनीतिक संवेदनशीलताओं के कारण खुली खदान परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण में प्रतिरोध का सामना करना पड़ता है जिससे ऊर्जा के लिए कोयला उत्पादन का हमारा लक्ष्य प्रभावित होता है। भूमिगत खनन अपने छोटे सतही प्रभाव के कारण स्थानीय समुदायों और नीति निर्माताओं के लिए एक अधिक स्वीकार्य विकल्प प्रदान करता है। खुली खदान की तुलना में कम उत्पादन के बावजूद भूमिगत खनन संसाधन संरक्षण के लिए आवश्यक है। सिंगरौली में आनेवाले दिनों में कुछ भूमिगत कोयला खदानें राज्य और देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। इससे सरकार के राजस्व में वृद्धि होगी जिसका उपयोग जिले के विकास कार्यों में किया जाना संभव होगा। इन खदानों से प्राप्त होने वाले राजस्व से सिंगरौली में सड़कों अस्पतालों और शिक्षा संस्थानों जैसे बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी की उम्मीद की जा सकती है जिससे स्थानीय निवासियों को बेहतर सुविधाएं तो मिलेंगी ही साथ ही उनकी जीवनशैली में भी सकारात्मक बदलाव लाये जा सकेंगे।

विश्व आदिवासी दिवस पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

जागरण, चितरंगी। विकास खंड चितरंगी मुख्यालय में सामुदायिक भवन में विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम पूर्व विधायक सरस्वती सिंह के मुख्यातिथि में आयोजित किया गया। मुख्यातिथि द्वारा आदिवासियों के संस्कृतिक धरोहर माने जाने वाले बलिदान समर्पण त्याग कर इतिहास के पन्नो में नाम दर्ज डॉ भीमराव अंबेडकर विरसमुंडा जी के छाया चित्र पर धूपदीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। विश्व आदिवासी दिवस को बड़े हर्ष उल्लास के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम में आदिवासी कल्चर की पहचान मदर कर्मा घसिया का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया। चितरंगी क्षेत्र अदिवासी बाहुल्य क्षेत्र माना जाता है सैकड़ो आदिवासियो ने इस कार्यक्रम को उत्साह पूर्वक मनाया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि ने बताया कि आदिवासी कल्चर में समाज और घर को बर्बाद करने वाली सबसे बड़ी रूढ़वादिता नशा है। जिस दिन नशा से हमारे समाज से दूर हो जाएगी उस दिन एक सभ्य शिक्षित संघर्षशील समाज की स्थापना कर पाएंगे। संविधान ने हमारे समाज को बहुत सारा अधिकार दिया है। लेकिन उसका उपयोग नही कर पा रहे हैं। क्योंकि हमारे में उसकी पात्रता नही है। इसलिए एक टाइम भोजन करिए करके अपने बच्चों को शिक्षित बनाये । शिक्षा एक ऐसी पूजी है कि सब कुछ हासिल किया जा सकता है। शिक्षा के अभाव में हमारे आदिवासी भाई बहनों का शोषण किया जाता है। किसी ग्राम पंचायत की अदिवासी महिला या पुरुष है उसको दूसरा कोई चला रहा है। खयानत हो तो आदिवासी भाई जेल जाय या अपनी जमीन गिरवी रख कर खयानत भरे। इसलिए शिक्षा जीवन मे बहुत जरूरी है। आदिवासी रीति रिवाज को आगे बढ़ते हुए जो आदिवासी बेटियों ने अपनी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दिया है। उनको उत्साहित करते हुए पुरस्कृत किया गया है। कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व विधायक सरस्वती सिंह देव प्रताप सिंह प्राचार्य दरोगा आयाम सरपंच बगैया जगत सिंह जनपद सदस्य विजय बहादुर सिंह आदिवासी प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष लक्षमण सिंह समाज सेवी उमाशंकर बैश समाजसेवी कमल नारायण सिंह सहित समूचे चितरंगी क्षेत्र के आदिवासी भाई बहन मौजूद रहे।

सरस्वती विद्यालय विन्ध्यनगर की बहनों ने सीआईएसएफ जवानों को बॉधी राखी

जागरण विंध्यनगर। आज सरस्वती शिशु मन्दिर उ. मा. विद्यालय विन्ध्यनगर में विद्यालय के बहनों के द्वारा सीआईएसएफ विन्ध्यनगर के 60 जवानों को कलाई में रक्षासूत्र बॉधकर भाई.बहन के असीम प्यार अटूट स्नेह आध्यात्मिक सामाजिक और पारिवारिक एकसूत्रता के प्रतीक पावन पर्व रक्षाबंधन का संदेश दिया गया। रक्षाबंधन उत्सव के अवसर पर सीआईएसएफ विन्ध्यनगर के ज्ञान भाटी डिप्टी कमाण्डेन्ट भास्कर चौधरी सहायक कमाण्डेन्ट सह व्यवस्थापिका श्रीमती गायत्री श्रीवास्तव एवं विद्यालय के प्राचार्य मुद्रिका प्रसाद दुबे प्रधानाचार्य श्रीमती नीलम गुप्ता आचार्य परिवार एवं 65 बहिनों की उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम का संचालन बहन तनु यादव ने किया। यह उत्सव विद्यालय की बालिका प्रमुख श्रीमती संगम श्रीवास्तव एवं श्रीमती सावित्री पाठक के देख.रेख में सम्पन्न हुआ। ईको क्लब प्रमुख श्रीमती चित्रा भारती एवं बहनों ने प्राचार्य के साथ वृक्षों को हरित राखी बॉध कर इनके सुरक्षा संकल्प लिया।

पौधरोपण एवं पाठ्य सामग्री वितरण कर मनाया पोते का जन्मदिन

जागरण, विंध्यनगर। सिंगरौली के प्रतिष्ठित व्यवसाई एवं समाजसेवी स्वच्छता अभियान के ब्रांड अंबेडसरए पर्यावरण तथा सांस्कृतिक स्थलों को पुनः नवीनता प्रदान करने वाले तथा जरूरत मंदो के सहभागी सत्यनारायण बंसल ने आज अपने पोते लक्ष्य के जन्म दिवस पर कॉलोनी में ग्यारह पौधे लगाकर पर्यावरण की रक्षा तथा प्रदूषण मुक्ति का संदेश दिया इस अवसर पर लक्ष्य के पिता संदीप बंसल ने निर्धन बस्ती में जाकर बच्चों को पाठ्य सामग्री प्रदान की नव जीवन विहार विंध्यनगर के सामुदायिक भवन में आयोजित जन्मदिन समारोह में खड़िया मंदिर के पीठाधीश स्वामी मदन गोपाल दास जी सहित अनेकों संतों ने आशीर्वाद प्रदान किया समारोह में शहर के अनेक

गणमान्य जनों ने चि.लक्ष्य को स्नेहाशीष प्रदान किया। इस अवसर पर लक्ष्य की परदादी ने अपने पड़पोते को शुभाशीष देकर ईश्वर से मंगल कामना की। इस अवसर इष्ट मित्रो सहित नवजीवन रहवासी समिति के संरक्षक राजेंद्र सिंह बघेल अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल सचिव शशिधर गर्ग भाजपा जिला अध्यक्ष सुंदर लाल शाह अशोक शाह जे एन चौरसिया वीरेन्द्र कुमार पाठक सुरेश गुप्त ग्वालियरी संदीप बंसल सहित सैकड़ों परिवार जनों से आशीर्वाद प्रदान किया।

प्रयाग पथ निवासी वार्ड वासियों ने विधायक कार्यालय पहुंचकर बाँधी राखी

जागरण, सिंगरौली। नगर निगम सिंगरौली वार्ड 40 प्रयाग पथ गली डी ए व्ही मार्ग में निवासरत मोहल्ले वासियों ने रक्षाबंधन पर सिंगरौली विधायक को कार्यालय पहुंचकर बांधी राखी वार्ड पार्षद सीमा जायसवाल से वार्ड वासियों ने संपर्क किया और कहा की आप वार्ड की पार्षद है हम वार्ड वासी आपके नेतृत्व में विधायक जी से संपर्क कर उन्हे राखी बाँधना चाहते है जिसे वार्ड की बहनों को लेकर पार्षद ने सभी से परिचय करवाया इसके वाद राखी बाँधी उपस्थित माताओं बहनो को विधायक ने उपहार में दिया हेलमेट साथ ही सभी को शपथ दिलाई नशा मुक्ति ना करने को लेकर एवं वाहन चलाते समय हेल्मेट सीट बेल्ट पहने और लगाए साथ ही शासन प्रशासन के साथ मिलकर अपनी सहभागिता देने को लेकर संकल्प दिलाया विद्यायक ने अपने आवास पर पहुंचे सभी माताओ बहनों का आशीर्वाद लिया और जरूरत पढ़ने पर सभी को आश्वस्त कराया सहयोग देने को कहा उपस्थित बच्चों को अच्छी शिक्षा ग्रहण करे विधायक आप सभी के साथ है वार्ड वासियों ने विधायक जी के वातों को सुनकर उन्हे आश्वस्त कराया और पूरा सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

उपरोक्त के अवसर पर यह रहे शामिल : विधायक सिंगरौली रामनिवास शाह पार्षद नेता प्रतिपक्ष सीमा जयसवाल, राजेन्द्र परमार, उषा द्विवेदी, सहित वार्ड वासी रहे शामिल।

डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन में 20 अगस्त तक होगा खिलाड़ियों का पंजीयन

जागरण, बैढ़न। रीवा डिवीजनल क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित होने वाले अंतरजिला एवं अंतर संभागीय क्रिकेट प्रतियोगिताओं में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ियों के लिए अपने जिले में पंजीयन कराना अनिवार्य कर दिया गया है। सिंगरौली डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव पुरुषोत्तम सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि रीवा डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन के निर्देशानुसार सत्र 25-26 से सभी खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में भाग लेने से पूर्व अपने संबंधित जिले की क्रिकेट एसोसिएशन में पंजीयन कराना आवश्यक होगा।

एनसीएल को मिला प्रतिष्ठित कोल इंडिया प्रोडक्टिविटी अवार्ड

जागरण, सिंगरौली। कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड एनसीएल को खनन के क्षेत्र में उत्पादकता सुधार हेतु उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित कोल इंडिया प्रोडक्टिविटी अवार्ड से सम्मानित किया गया है। एनसीएल को यह सम्मान भारतीय औद्योगिक अभियांत्रिकी संस्थान द्वारा तिरुअन्तपुरम में आयोजित 67वें नेशनल कॉन्वेंशन और 9वें इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस एवं नेशनल प्रोडक्टिविटी कांटेस्ट के दौरान दिया गया। इस अवसर पर पूर्व प्रमुख भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो अध्यक्ष अंतरिक्ष विभाग एवं सलाहकार अंतरिक्ष मंत्रालय भारत सरकार वी.नारायण मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में एनसीएल की ओर से महाप्रबंधक आईईडी मनोज कुमार सिंह ने यह सम्मान ग्रहण किया।

आम, जामुन, अमरूद, सीताफल और नींबू, इमली का पौधरोपण

जागरण, विंध्यनगर। आज सीआईएसएफ इकाई विंध्यनगर इकाई लाइन और परेड ग्राउंड में पौधारोपण अभियान का कार्यक्रम किया गया जिसमें कमांडेंट एस पी खिलारे उप कमांडेंट ज्ञान सिंह भाटी सहा. कमांडेंट भास्कर चौधरी और सीआईएसएफ के बल सदस्यों ने भाग लिया । वृक्षारोपण के तहत आम जामुन अमरूद सीताफल और नींबू इमली इत्यादि फलदार पौधा लगाए गए। इस पौधारोपण अभियान के तहत कमांडेंट एस पी खिलारे ने बल सदस्यों को पौधारोपण का महत्व के बारे में बताया तथा अधिक से अधिक पौधारोपण करने से हमारे आसपास की वायु शुद्ध और स्वच्छ रहती है जिससे स्वास्थ्य भी हमारा ठीक रहता है और वायु प्रदूषण भी कम होता है। पेड़ लगाने से हमारी धरती हरी भरी रहती है। सभी बल सदस्य अपने लोगों आसपास के लोगों को पौधारोपण का महत्व बताएं और पेड़ लगाने के लिए जागरूक करें।

मप्र जन अभियान परिषद चितरंगी द्वारा निकाली गई तिरंगा यात्रा

देश भक्ति देश प्रेम को जागृत करने के लिए तिरंगा यात्रा रैली निकाली जा रही

जागरण, चितरंगी। विकास चितरंगी में मप्र जन अभियान परिषद जिला सिंगरौली द्वारा ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति नवांकुर संस्था एवं परामर्शदाताओं की मासिक बैठक आयोजित की गई थी। जिसमे जिला समन्वयक राजकुमार विश्कर्मा विकास खंड समन्वयक विश्वनाथ ने मप्र जन अभियान परिषद की योजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों को क्षमता बृद्धि के लिए वृस्तृत जानकारी दिया। शासन की योजना एवं अभियानों में सक्रियता से प्रस्फुटन समिति के टीम द्वारा क्रियान्वित किया जाय। अभी सरकार द्वारा घर घर तिरंगा लगाने की मुहिम चलाया है। और देश भक्ति देश प्रेम को जागृत करने के लिए तिरंगा यात्रा रैली निकाली जा रही है। सभी प्रस्फुटन समितियां अपने अपने गांव में तिरंगा रैली निकाल कर देश प्रेम के लिए

लोगो को जगाने का कार्य करे। आज मप्र जन अभियान परिषद जिला समन्वयक राकुमार विश्कर्मा जी के अगुआई में जनपद पंचायत कार्यालय चितरंगी से तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा रैली में उपस्थित विकास खण्ड समन्वयक विश्वनाथ पंचायत इस्पेक्टर राम जी शर्मा सचिव बीरेंद्र प्रताप सिंह सरपंच धानी अशोक कुमार पाठक नवांकुर संस्था रामचंद्र सेवा समिति चितरंगी के कार्यक्रम समन्वयक रजनीश साहू केपी बैस सेवा समिति से उमाशंकर बैस कृष्णा वती बहुउद्देश्यी समिति से यदुवंश यादव संकल्प सेवा समिति से दिलीप कुमार गुप्ता परामर्शदाता प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष सचिव मौजूद रहे।

क्रिकेट के मक्का लॉर्ड्स ग्राउंड की जमीन का टुकड़ा 5000 रु. में है बिकाऊ

क्रिकेट के फैंस के लिए भी ऑफर है ओपन

लंदन, जेएनएन। लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड वर्ल्ड क्रिकेट का सबसे मशहूर मैदान है। मौजूदा समय में लॉर्ड्स के स्टेडियम का मालिकाना हक मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब के पास है। मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब फैंस के लिए एक बड़ा मौका लेकर आया है। क्रिकेट की दुनिया में लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड को क्रिकेट का मक्का कहा जाता है। अब, क्रिकेट फैंस के लिए एक अनोखा मौका है कि वह इस ऐतिहासिक मैदान का एक हिस्सा अपने नाम कर सकते हैं। ये फैसला लॉर्ड्स क्रिकेट मैदान का संचालन करने वाले मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब ने लिया है। लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड की पिच को इस साल सितंबर में फिर से तैयार किया जाएगा। इसके लिए मैदान की मौजूदा घास को हटाया जाएगा और नई घास बोई जाएगी। ऐसे में मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब ने एक अनूठी पहल शुरू की है। वह इस मैदान की घास (टर्फ) के टुकड़ों को बेच रहे हैं, और वह भी सिर्फ 50 पाउंड (लगभग 5000 रुपए) में। इस फैसले के पीछे की वजह एमसीसी फाउंडेशन के लिए धन जुटाना और मैदान की सुविधाओं को बेहतर करना।

29 या 30 सितंबर को खरीद सकते हैं

बिक्री से होने वाली आय का 10 प्रतिशत हिस्सा एमसीसी फाउंडेशन को जाएगा, जो क्रिकेट के विकास के लिए काम करता है, जबकि बाकी राशि मैदान के रखरखाव में इस्तेमाल होगी। एमसीसी ने अपने 25,000 सदस्यों को सूचित किया कि वह 1.2 × 0.6 मीटर के टर्फ के टुकड़े खरीद सकते हैं। यह ऑफर न केवल क्लब के सदस्यों के लिए है, बल्कि आम क्रिकेट फैंस के लिए भी खुला है। हालांकि, ये टुकड़े सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं और इन्हें 29 या 30 सितंबर 2025 को लॉर्ड्स से व्यक्तिगत रूप से लेना होगा। लॉर्ड्स की पिच ने कई यादगार लम्हों को देखा है। हाल ही में भारत और इंग्लैंड के बीच हुए टेस्ट मैच में शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। वहीं, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 का फाइनल भी यहीं खेला गया था।

मैदान से हटकर

अनाया बांगर ने पहली बार बांधी भाई को राखी

रक्षाबंधन भाई-बहन के अटूट रिश्ते का प्रतीक है, हर साल इसे बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। आज 9 अगस्त 2025 को देशभर में यह पवित्र त्योहार धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस खास मौके पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कोच संजय बांगर की बेटी अनाया बांगर ने भी अपने छोटे भाई अथर्व बांगर को राखी बांधी। अनाया ने सोशल मीडिया पर अपने भाई को राखी बांधते हुए कुछ दिल छू लेने वाली फोटोज शेयर कीं, जो उनके फैंस के बीच खूब चर्चा में हैं। अनाया ने अपने छोटे भाई अथर्व को राखी बांधते हुए न केवल इस पर्व की परंपरा निभाई, बल्कि अपने रिश्ते की गहराई को भी दुनिया के सामने रखा। ये पहला मौका है जब अनाया बांगर ने अपने भाई को राखी बांधते हुए सोशल मीडिया पर फोटोज शेयर कीं। अनाया ने इन फोटोज के साथ एक भावुक और प्यारा सा कैप्शन भी लिखा, जिसमें उन्होंने कहा, 'सिर्फ राखी नहीं बांधनी है, बल्कि सालों का प्यार, हंसी और भाई-बहन की नोक-झोंक।' अनाया ने पहले एक पुरुष के रूप में क्रिकेट खेला था, लेकिन अब वह एक महिला के रूप में क्रिकेट में अपनी पहचान बना रही हैं। वह सोशल मीडिया पर भी सक्रिय हैं और अपने अनुभवों को साझा करती हैं। अनाया बांगर, जो पहले आर्यन बांगर के नाम से जानी जाती थीं, उन्होंने अपने जेंडर ट्रांसफॉर्मेशन के बाद सोशल मीडिया पर अपनी जिंदगी के कई पहलुओं को शेयर किया है।

(जेएनएन)

न्यूजीलैंड-जिम्बाब्वे के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज : सिर्फ तीन दिन में टेस्ट मैच किया अपने नाम

टेस्ट इतिहास में न्यूजीलैंड की तीसरी सबसे बड़ी जीत, 67 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा

बुलवायो, जेएनएन। न्यूजीलैंड की टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ बुलवायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए 2 मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले को सिर्फ तीन दिनों के अंदर ही अपने नाम करने के साथ सीरीज भी 2-0 से जीतने में सफलता हासिल की। दूसरे टेस्ट मैच में मेजबान जिम्बाब्वे टीम की तरफ से बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में ही खराब प्रदर्शन देखने को मिला जिसमें मेजबान टीम अपनी दूसरी पारी में सिर्फ 117 रन बनाकर सिमट गई जिससे उसे पारी और 359 रनों से हार का सामना करना पड़ा। टेस्ट क्रिकेट इतिहास में ये पारी और रनों के अंतर के मामले में अब तक की तीसरी सबसे बड़ी जीत भी है।

डेब्यू कर रहे फाउलकेस ने दिखाया कमाल : दूसरे टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड की टीम ने अपनी पहली पारी 3 विकेट के नुकसान पर 601 रन बनाकर घोषित कर दी थी, जिसके बाद तीसरे दिन के खेल में कीवी टीम की तरफ से अपना डेब्यू टेस्ट मैच खेल रहे तेज गेंदबाज जकारी फाउलकेस ने शानदार बॉलिंग करते हुए अपने टेस्ट करियर का पहला 5 विकेट हॉल लिया और जिम्बाब्वे टीम की दूसरी पारी को 117 रनों के स्कोर पर समेटने में अहम भूमिका अदा की।

न्यूजीलैंड के तीन बल्लेबाजों ने खेली शतकीय पारी

जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड की तरफ से बल्लेबाजी में भी शानदार प्रदर्शन देखने को मिला, जिसमें तीन बल्लेबाज ने शतक ठोके। कॉन्वे ने जहां 153 रनों की पारी खेली तो वहीं रचिन के बल्ले से 165 रनों की नाबाद पारी देखने को मिली इसके अलावा हेनरी निकल्स ने भी 150 रनों की पारी खेली, जिसके दम पर कीवी टीम अपनी पहली पारी में 601 रनों के स्कोर तक पहुंचने में कामयाब रही।

टेस्ट में पारी और रनों के अंतर से अब तक की सबसे बड़ी जीत

इंग्लैंड	: पारी और 579 रन (बनाम ऑस्ट्रेलिया, साल 1938)
ऑस्ट्रेलिया	: पारी और 360 रन (बनाम साउथ अफ्रीका, साल 2002)
न्यूजीलैंड	: पारी और 359 रन (बनाम जिम्बाब्वे, साल 2025)
वेस्टइंडीज	: पारी और 336 रन (बनाम भारत, साल 1958)

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में न्यूजीलैंड को नहीं हुआ फायदा?

न्यूजीलैंड के इस शानदार प्रदर्शन के बावजूद, उन्हें वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की पॉइंट्स टेबल में कोई लाभ नहीं हुआ। दरअसल, डब्ल्यूटीसी में सिर्फ टॉप-9 टेस्ट रैंकिंग वाली टीमें हिस्सा लेती हैं, और जिम्बाब्वे की रैंकिंग इससे नीचे होने के कारण उनके खिलाफ खेली गई सीरीज डब्ल्यूटीसी का हिस्सा नहीं होती।

गंभीर-क्यूरेटर बहस पर हेडन बोले

गंभीर को बेहतर भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए था

मेलबर्न, जेएनएन। आस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन का मानना है कि भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच से पहले ओवल के क्यूरेटर के साथ तीखी बहस के दौरान अपनी भाषा में नरमी बरत सकते थे। पांचवें टेस्ट से पहले गंभीर की ओवल के मुख्य क्यूरेटर ली फोर्टिस के साथ तीखी बहस हुई थी और उन्हें मैदानकर्मियों पर उंगली उठाते हुए यह कहते सुना गया था कि आप हमें यह नहीं बता सकते कि हमें क्या करना चाहिए। हेडन ने 'ऑल ओवर बार द क्रिकेट' कार्यक्रम में कहा, वे (क्यूरेटर)

पिचों को लेकर बचाव की मुद्रा में हो सकते हैं। इंग्लैंड में यह आम बात है। यह उनका अपना मैदान है और हम अंतिम टेस्ट मैच खेलने जा रहे हैं। ऐसे में वे गौतम गंभीर के लिए मुश्किलें खड़ी करने की कोशिश करेंगे। हेडन ने कहा, लेकिन मुझे लगता है कि उन्हें अपनी भाषा में थोड़ा नरमी बरतनी चाहिए थी। वह बेहतर भाषा का इस्तेमाल कर सकते थे। लेकिन वास्तविकता यह है कि उनकी टीम सबसे महत्वपूर्ण टेस्ट मैच से पहले अभ्यास करना चाहती थी। चौथे टेस्ट के बाद इंग्लैंड श्रृंखला में 2-1 से आगे चल रहा था और भारत को पांच मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी को ड्रॉ कराने के लिए जीत की दरकार थी। भारत आखिर में यह मैच छह रन से जीत कर श्रृंखला बराबर करने में सफल रहा था। भारत के बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक के अनुसार, यह बहस तब शुरू हुई जब फोर्टिस ने भारतीय कोचिंग स्टाफ को मुख्य पिच से 2.5 मीटर दूर रहने को कहा, जबकि उन्होंने कील वाले जूते नहीं पहन रखे थे।

एशिया कप हॉकी 2025

पाक का सुरक्षा कारणों से हिस्सा लेने से इनकार

नई दिल्ली, जेएनएन। एशिया कप हॉकी का आयोजन 27 अगस्त से 7 सितंबर के बीच बिहार के राजगीर में होगा, जिसमें भारत-पाकिस्तान समेत 8 टीमें शामिल हैं, लेकिन इसी बीच खबर आ रही है कि पाकिस्तान की हॉकी टीम ने इंडिया आने से इंकार कर दिया है। जिसके बाद भारत ने दूसरे देश को न्योता दिया है। हॉकी इंडिया के एक अधिकारी ने बताया, 'पीएचएफ ने बुधवार को एशियाई हॉकी महासंघ को एक पत्र लिखकर कहा है कि वह सुरक्षा कारणों से एशिया कप में हिस्सा नहीं ले पाएगा। हमने अब बांग्लादेश को आमंत्रित किया है।' पाकिस्तान के भारत आने से इनकार करने के बाद इंडिया ने अब बांग्लादेश को न्योता दिया है। अधिकारी ने 'द हिंदू' को बताया, पीएचएफ (पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन) ने को एशियाई हॉकी महासंघ को एक पत्र लिखकर कहा है कि सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान टीम एशिया कप में हिस्सा नहीं ले पाएगी।

महिला क्रिकेट : 8 प्लेयर सिंगल डिजिट में आउट

टीम इंडिया को मिली करारी हार ऑस्ट्रेलिया का सीरीज पर कब्जा

नई दिल्ली, जेएनएन। ऑस्ट्रेलिया ए महिला टीम ने भारत के खिलाफ टी20 सीरीज पर कब्जा जमा लिया है। भारतीय टीम को दूसरे टी20 मैच में बहुत बुरी हार का सामना करना पड़ा। भारत की 8 प्लेयर सिंगल डिजिट में आउट हुईं। एलिसा हीली (73), तालिया विल्सन (43) की शानदार बल्लेबाजी के बाद किम गार्थ (चार विकेट), एमी एडगर और टेस फ्लिंटॉफ (दो-दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ए महिला टीम ने शनिवार को दूसरे टी20 मुकाबले में इंडिया ए को 114 रनों से हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया ए ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। 188 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडिया ए टीम की शुरुआत खराब रही और उसने महज तीन रन पर अपने दो विकेट गंवा दिए। उमा छेत्री शून्य जबकि शेफाली वर्मा तीन रन पर आउट हुईं। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के आक्रमण के आगे इंडिया ए की बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सकीं और पूरी टीम 15.1 ओवर में 73 के स्कोर पर सिमट गई। इंडिया ए की ओर से दिनेश वृंदा ने 21 और मिन्नू मनी 20 रनों की पारी खेली। शेष 8 खिलाड़ी दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सकीं। ऑस्ट्रेलिया ए की ओर से किम गार्थ ने तीन ओवर में सात रन देकर चार विकेट लिए।

एमी एडगर और टेस फ्लिंटॉफ को दो-दो विकेट मिले। इससे पहले आज यहां इंडिया ए महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया के लिए तालिया विल्सन और एलिसा हीली की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 95 रन जोड़े। 11वें ओवर में राधा यादव ने तालिया विल्सन को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा।

पाउला बडोसा ने अमेरिकी ओपन से नाम वापस लिया

न्यूयॉर्क, जेएनएन। पाउला बडोसा ने पीठ की चोट के कारण शुक्रवार को अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट से नाम

वापस ले लिया। वह 30 जून को विंबलडन में पहले दौर में हार के बाद से चोट से जूझ रही थीं। अमेरिकी टेनिस संघ ने बडोसा के हटने की घोषणा की और कहा कि उनकी जगह जिल टेचमैन को मुख्य ड्रॉ में शामिल किया गया है। अमेरिकी ओपन के मुख्य ड्रॉ के मैच 24 अगस्त को शुरू होंगे। स्पेन की 27 वर्षीय बडोसा 2022 में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग नंबर दो पर पहुंची थी। वह अभी विश्व रैंकिंग में 12वें स्थान पर हैं। वह पिछले साल अमेरिकी ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची थी।

गिल की जर्सी के लिए फैंस में हुआ झगड़ा और फिर 5.41 लाख रु. में की गई नीलामी

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया। वो इस टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। नंबर चार पर बल्लेबाजी करते हुए भारतीय कप्तान ने पांच मैच में 75.40 के औसत से 754 रन बनाए थे। अब सीरीज के खत्म होने के बाद शुभमन गिल की जर्सी को लेकर लोगों के बीच में लड़ाई देखने को मिली। दरअसल एक चैरिटी ऑक्शन में भारत और इंग्लैंड के खिलाड़ियों की जर्सी पर बोली लगाई गई थी, इसमें सबसे महंगी भारतीय टेस्ट कप्तान की जर्सी बिकी। शुभमन गिल की जर्सी 5.41 लाख रुपये की भारी कीमत पर बिकी है। एक ऑनलाइन चैरिटी इवेंट में गिल की जर्सी पर सबसे बड़ी बोली लगी। ये नीलामी 10 जुलाई से 27 जुलाई तक चली थी और इससे मिली पूरी धनराशि रूथ स्ट्रॉस फाउंडेशन को दी जाएगी। ये फाउंडेशन उन परिवार वालों को सपोर्ट करता है, जिनके बच्चे या परिवार वाले लंबे समय से लाइलाज बीमारी से जूझ रहे हैं और उनके पास इस बीमारी से लड़ने के लिए पैसे नहीं है। इस फेडरेशन की शुरुआत इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेट कप्तान एंड्रयू स्ट्रॉस ने की थी। दरअसल उनकी पत्नी रूथ स्ट्रॉस का कैंसर की वजह के साल 2018 में निधन हो गया था। रूथ के निधन के बाद उन्होंने अपनी पत्नी की याद में रूथ स्ट्रॉस फाउंडेशन की स्थापना की। इस फाउंडेशन का लक्ष्य यही है कि जो भी बच्चे लंबी बीमारी से जूझ रहे हैं और उनके परिवार वालों के पास ज्यादा पैसे नहीं है।

बुमराह की जर्सी 4.94 लाख रुपए में बिकी

शुभमन गिल के बाद भारतीय टीम के दिग्गज तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जर्सी दूसरे नंबर पर सबसे महंगी बिकी।

जसप्रीत बुमराह की जर्सी 4.94 लाख रुपये में बिकी जबकि रवींद्र जडेजा की जर्सी भी इतनी ही कीमत पर बिकी। केएल राहुल की जर्सी पर 4.71 लाख रुपये की बोली लगी, जबकि इस भारत के खिलाफ इस टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर रहे जो रूट की जर्सी 4.47 लाख रुपये में खरीदी गई।

भोपाल जिला शालेय खो-खो प्रतियोगिता संपन्न हुई

भोपाल। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय भोपाल के तत्वावधान में टेक्नोक्रेट इंटरनेशनल स्कूल द्वारा एमवी एम कालेज मैदान पर दिनांक 6 अगस्त से शुरू हुए भोपाल जिला शालेय खो खो स्पर्धा 8 अगस्त को सफलता पूर्वक संपन्न हुई। स्पर्धा के अंतिम दिन बालक वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए खेले गए निर्णायक मुकाबलों में 14 वर्ष आयु समूह में डी एम कान्वेंट स्कूल विजेता व बाल भारती स्कूल उपविजेता रहा, 17 वर्ष आयु समूह में श्रमोदय विद्यालय विजेता व मॉडल स्कूल उपविजेता रही एवं19 वर्ष आयु समूह में मुकिता स्कूल विजेता व डी एम कान्वेंट स्कूल उपविजेता रही। इस अवसर पर जिला क्रीड़ा अधिकारी बबीता तोमर के साथ बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के असोसिएट प्रोफ़ेसर डॉ. उपेंद्र सिंह तोमर विशेष रूप से उपस्थित रहे व स्पर्धा के सफल आयोजन की सराहना करते हुए टेक्नोक्रेट इंटरनेशनल स्कूल प्रशासन की सराहना की। इस अवसर पर स्पर्धा प्रभारी अजीत पाल गिल व आर के शर्मा उपस्थित रहे। स्पर्धा के सफल आयोजन में निर्णायक मंडल के जालम सिंह व उनके टीम की भूमिका सराहनीय रही।

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में हेडिंग्ले की पिच को आईसीसी की 'वेरी गुड' बाकी को 'सैटिस्फैक्ट्री' रेटिंग

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत और इंग्लैंड के बीच खेली गई एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पांच टेस्ट मैचों में से चार की पिचों की रेटिंग इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने जारी की है। हेडिंग्ले (लीड्स) में खेले गए पहले टेस्ट की पिच को वेरी गुड रेटिंग मिली, जबकि बाकी पिचों को सैटिस्फैक्ट्री रेटिंग दी गई। यह सीरीज 2-2 से ड्रॉ रही, जिसमें सभी मैच पांचवें दिन तक चले और बल्ले-गेंद के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। शुरुआती दिनों में बल्लेबाज हावी रहे, लेकिन बाद में गेंदबाजों ने शानदार वापसी की। भारत ने अंतिम टेस्ट छह रनों से जीतकर इंग्लैंड की सीरीज जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

पिचों की रेटिंग का आधार

2023 तक आईसीसी पिचों को छह श्रेणियों में रेट करता था, वेरी गुड, गुड, एवरेज, बिलो एवरेज, पूअर और अनफिट। हालांकि, अब इसे चार श्रेणियों में सरल कर दिया गया है, वेरी गुड, सैटिस्फैक्ट्री, अनसैटिस्फैक्ट्री और अनफिट। इस सीरीज की पिचों ने 2023 की एशेज सीरीज की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया, जहां कोई भी पिच वेरी गुड नहीं थी और एजबेस्टन व लॉर्ड्स की पिचों को केवल एवरेज रेटिंग मिली थी। वहीं, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की पांच में से चार पिचों को वेरी गुड रेटिंग मिली थी।

पहला टेस्ट : हेडिंग्ले,लीड्स

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का पहला मैच लीड्स के हेडिंग्ले में खेला गया था। इस पिच को आईसीसी से वेरी गुड रेटिंग मिली। हेडिंग्ले की पिच धीमी थी जिसने इंग्लैंड की आक्रामक बाजबॉल शैली को फायदा पहुंचाया।

दूसरा टेस्ट : बर्मिंघम

दूसरा टेस्ट बर्मिंघम में खेला गया। यहां भारत ने कप्तान शुभमन गिल की अगुवाई में बर्मिंघम में इतिहास रचा। भारत ने पहली पारी में 587 और दूसरी में 427 रन बनाए, और 336 रनों से जीत हासिल की।

तीसरा टेस्ट : लॉर्ड्स

लॉर्ड्स की पिच को वेरी गुड रेटिंग न मिलना आश्चर्यजनक रहा। इस पिच पर बल्ले और गेंद के बीच शानदार संतुलन देखने को मिला। भारत 195 रनों का पीछा करते हुए केवल 22 रन से चूक गया, जिससे मैच रोमांचक रहा।

चौथा टेस्ट मैनचेस्टर

यह टेस्ट ड्रॉ रहा, क्योंकि भारत ने लगभग दो दिन तक बल्लेबाजी की। इस पिच को भी वेरी गुड रेटिंग नहीं मिली।

पांचवां टेस्ट : द ओवल

लंदन द ओवल में खेले गए अंतिम टेस्ट की पिच की रेटिंग अभी जारी नहीं हुई है। यह मैच बेहद रोमांचक रहा। इंग्लैंड 374 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 301/3 पर मजबूत स्थिति में था, अंतिम दिन इंग्लैंड को 35 रन चाहिए थे लेकिन प्रसिद्ध कृष्णा और सिराज की शानदार गेंदबाजी ने भारत को छह रनों से ऐतिहासिक जीत दिलाई।

पाक ने पहले वनडे में विंडीज को पांच विकेट से हराया

तारूबा, जेएनएन। हसन नवाज की नाबाद 63 रन की पारी की मदद से पाकिस्तान ने पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हरा दिया। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49 ओवर में सभी विकेट गंवाकर 280 रन बनाए। पाकिस्तान ने इसके जवाब में 48.5 ओवर में पांच विकेट पर 284 रन बनाकर जीत दर्ज की। पाकिस्तान ने इससे पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ फ्लोरिडा में खेली गई टी-20 श्रृंखला 2-1 से जीती थी। नवाज ने अपनी पारी में पांच चौके और तीन छक्के लगाए। उनके अलावा पाकिस्तान की तरफ से कप्तान मोहम्मद रिजवान ने 53, बाबर आजम ने 47 और हुसैन तलत ने नाबाद 41 रन का योगदान दिया। इससे पहले, वेस्टइंडीज के लिए एविन लुईस (60), कप्तान शाई होप (55) और रोस्टन चेज़ (53) ने अर्धशतक जमाए। पाकिस्तान की तरफ से तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ने 51 रन देकर चार और नसीम शाह ने 55 रन देकर तीन विकेट लिए। एकदिवसीय श्रृंखला का दूसरा मैच रविवार को और तीसरा व अंतिम मैच मंगलवार को ब्रायन लारा स्टेडियम में खेला जाएगा।

सेवानिवृत्त सैनिकों के लिए शिविर 11 अगस्त को

रीवा। जिले के सभी भूतपूर्व सैनिकों तथा वीर नारियों के लिए 11 अगस्त को जिला सैनिक कल्याण कार्यालय सैनिक स्कूल के पास रीवा में शिविर लगाया जा रहा है। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट कर्नल पी गंगा ने बताया है कि शिविर में स्पर्श पोर्टल का एक स्टाल आईसीआईसीआई बैंक द्वारा लगाया जा रहा है।

जमीन के संबंध में दावा-आपत्तियाँ 14 अगस्त तक

रीवा। मध्यप्रदेश हाउसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट बोर्ड को तहसील हुजूर के तहत ग्राम चिरहुला में भूमि आवंटन की कार्यवाही की जा रही है। हाउसिंग बोर्ड को चिरहुला की आराजी नम्बर 185/1 क्षेत्रफल 64.868 हेक्टेयर तथा आराजी नम्बर 2/24/2 क्षेत्रफल 4.273 हेक्टेयर के दो अलग-अलग प्रकरण आवंटन के लिए कलेक्टर न्यायालय में पंजीबद्ध हैं। इस संबंध में एसडीएम हुजूर वैशाली जैन ने बताया कि इन जमीनों के आवंटन के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह 14 अगस्त तक उपयुक्त दस्तावेजों के साथ एसडीएम हुजूर न्यायालय में आपत्ति दर्ज कर सकता है।

राखी धागों का त्योहार

जागरण, उचेहरा

भाई बहन के अटूट प्रेम के बंधन का ये रक्षाबंधन त्योहार आज से नहीं बल्कि इस त्योहार का अपना पौराणिक महत्व भी है । समय मे बदलाव के साथ- साथ इसका उद्देश्य तो नही बदला लेकिन इस त्योहार में भी आधुनिकता की झलक पूरी तरह से दिखाई दे रही है । रेसम के धागो के इस त्योहार में रेसम की राखियां गायब सी हो गई हर वर्ष नये नये तरीके की रखियो से बाजार भरा पटा रहता है । समय का बदलाव ही कहा जा सकता है कि कभी रक्षा बंधन आने के काफी पहले से राखी गीत के गीत कदर बहन की उनसे पूंछो जिनके जिनके न हो बहना राखी धागों का त्योहार आदि गलियों से लेकर आडियो डेग में यहां तक कि राखी का ब्यवसाई भी इन गीतों को अपने ठेलों में बजाता था इसे समय का बदलाव ही कहा जा सकता है ये रखी के गीत गुमनाम से हो गये । रक्षाबंधन हर वर्ष सावन मास की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला त्यौहार है। बहन भाई की कलाई पर राखी बांधकर उसकी लंबी उम्र सुख-समृद्धि की कामना करती है, और भाई जीवनभर उसकी रक्षा करने का वचन देता है।

प्राचीन कथाओं में भी मिलता है उल्लेख

महाभारत में जब श्रीकृष्ण का हाथ घायल हुआ तो द्रौपदी ने अपनी साड़ी का टुकड़ा फाड़कर उनके हाथ पर बांध दिया। श्रीकृष्ण ने इसे रक्षा-सूत्र मानकर, जीवनभर द्रौपदी की रक्षा करने का वचन दिया। राजपूताना इतिहास में चित्तौड़ की रानी कर्णावती ने मुग़ल सम्राट हुमायूं को राखी भेजकर मदद मांगी और हुमायूं ने अपना धर्म निभाते हुए उनकी रक्षा की।

22 सौ बहनों ने केंद्रीय जेल पहुंच कर बंदी भाइयों को बांधी राखी

सुबह 8 बजे से शाम सांय 4 बजे तक चला रक्षाबंधन का कार्यक्रम

सतना। केंद्रीय जेल में सजा काट रहे 903 बंदी भाइयो को 22 सौ बहनों ने जेल में आयोजित हुए रक्षाबंधन कार्यक्रम में शामिल होकर राखी बांधी । उक्त कार्यक्रम का आयोजन सुबह 8 बजे शुरू हुआ जो शाम सा? चार बजे तक चला । केंद्रीय जेल में रक्षाबंधन का त्योहार कड़ी सुरक्षा के बीच मनाया गया। सतना और आसपास के जिलों से बहनें सुबह से ही जेल पहुंचने लगी थीं। जेल प्रशासन ने राखी के त्योहार के व्यापक प्रबंध किए थे।

सतना मैहर रीवा पन्ना छतरपुर टीकमगढ़ और सीधी से आई बहनों ने अपने बंदी भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनकी सलामती की दुआ मांगी। जेल में जिलेवार बंदियों और उनके परिजनों के लिए अलग-अलग काउंटर बनाए गए थे। जेल में ही मिठाई का प्रबंध किया गया था। किसी को भी बाहर से मिठाई लाने की इजाजत नहीं थी। बताया जाता है कि जेल में सजा काट रही बहनों के भाई भी राखी बंधवाने पहुचे।

आंखों में छलके आंसू

सुरक्षा के मद्देनजर मोबाइल काउंटर पर जमा करा लिए गए। कई बंदियों के अन्य परिजन भी त्योहार पर खुशियां बांटने जेल पहुंचे। कड़ी सुरक्षा जांच के बाद जब बहनें अंदर पहुंचीं और बंदियों ने अपनों को देखा तो दोनों की आंखें छलक आईं। बहनों ने अपने भाइयों के माथे पर तिलक किया। उनकी आरती उतारी और कलाई पर राखी बांधकर मुंह मीठा कराया। कई बंदियों के बच्चे भांजे और नाती-पोते भी त्योहार के मौके पर जेल पहुंचे थे। बंदियों ने उन्हें गले लगाकर सुकून महसूस किया।

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर दिव्यांग भाई बहनों को सांसद ने भेंट की मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल

सतना। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर सतना संसदीय क्षेत्र के एवं सांसद गणेश सिंह द्वारा संसदीय कार्यालय सतना मे लोकसभा क्षेत्र के दिव्यांग भाई-बहनों को मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल एवं रक्षा बंधन का उपहार सप्रेम भेंट किया। जिनमें जागेश्वर चौधरी ग्राम सलैया रामविश्वास केवट ग्राम रूहिया दीनेन्द्र कुमार पटेल ग्राम इटमा कोठार अंगद प्रसाद नामदेव ग्राम खम्हरिया रामभुवन साहू ग्राम गढवा खुर्द नेपाल सिंह पटेल ग्राम मतहा नवीन कुमार अग्रवाल वार्ड क 44 टिकुरिया टोला अंश साहू सिद्धार्थ नगर श्रीमती अंजना देवी कुशवाहा ग्राम रनेही श्रीमती कान्ती लखेरा वार्ड 12 बदखर आस्था मिश्रा ग्राम रूहिया श्रीमती बेबी चौधरी ग्राम मानिकपुर को मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल एवं उपहार भेट की गई। उक्त अवसर पर अशोक कोल जिलाध्यक्ष अनुसूचित जनजाति मोर्चा सूर्यपाल सिंह पार्षद वार्ड 13 आदित्य सिंह टीकर ज्ञानेन्द्र सिंह नंदकिशोर सिंह नंदू केपी सिंह सहिजना भाईलाल कोल सकरिया लाल सिंह घुंघचिहाई एवं सैकड़ों की तादाद में कार्यकर्ता एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

खाद की कालाबाजारी से किसान हो रहा है परेशान

कांग्रेस अध्यक्ष दिलीप मिश्रा ने लगाए गंभीर आरोप

जागरण, सतना। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दिलीप मिश्रा ने सतना एवं मैहर जिले में खाद की हो रही कालाबाजारी पर गहन चिंता व्यक्त की है श्री मिश्रा ने कहा है कि आज किसानों को खाद की अत्यंत आवश्यकता है लेकिन सरकार की नीतियों के कारण किसानों को खाद नहीं मिल पा रही है मार्क फेड एवं कृषि विभाग के द्वारा समितिओ को खाद न देकर डीलरों को खाद दी जाती है एवं बिचौलियों के माध्यम से खाद की कालाबाजारी हो रही है जबकि 70 प्रतिशत समितियों को एवं 30 प्रतिशत डीलरों को खाद देने का प्रावधान है। प्रशासनिक अधिकारियों के लापरवाही के कारण खाद के लिए किसानों को लाइन लगाना पड़ रहा है एवं किसानों के साथ पुलिसिया बर्ताव किया जा रहा है व खाद्य वितरण में पुलिस खड़ी होती है श्री मिश्रा ने कहा है कि यूरिया खाद में हजार रुपए से ज्यादा की कालाबाजारी प्रति कुंटल हो रही है मिश्रा ने सवाल खड़ा किया है कि आखिर दोनों जिले के व्यापारियों को खाद कहां से मिल रही है जिसकी कालाबाजारी हो रही है कांग्रेस अध्यक्ष श्री मिश्रा ने मार्कफेड एवं कृषि विभाग पर खाद की कालाबाजारी में सहयोग करने का आरोप लगाते हुए कहा है की किसानों को खाद किस दिन कहां मिलेगी इसकी जानकारी सोशल मीडिया एवं प्रिंट मीडिया के माध्यम से होनी चाहिए जिससे किसान परेशान ना हो।

आज निकलेगी विशाल तिरंगा यात्रा

सतना। हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा मेरी शान तिरंगा मेरी जान तिरंगा मेरा अभिमान तिरंगा मेरा स्वाभिमान तिरंगा के नारों के साथ भारतीय जनता पार्टी जिला सतना द्वारा 10 अगस्त 2025, रविवार को भव्य विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया है। भाजपा जिला अध्यक्ष भगवती प्रसाद पांडे एवं तिरंगा यात्रा के प्रभारी जिला उपाध्यक्ष मुरारी सोनी एवं सह प्रभारी शुभम तिवारी ने बताया कि यह यात्रा दोपहर 1 बजे बीटीआई मैदान से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए सिविल लाइन शहीद स्मारक में सम्पन्न होगी। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी श्याम लाल गुप्ता ने बताया कि इस तिरंगा यात्रा में सभी जनप्रतिनिधि सांसद विधायक महापौर जिला पंचायत सदस्य भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मोर्चा-प्रकोष्ठ पदाधिकारी पार्षद सर्व समाज के कार्यकर्ता सहित शहर के विभिन्न वर्गों के नागरिक व गणमान्यजन शामिल होंगे। भाजपा जिला महामंत्री ऋषभ सिंह रमाकांत गौतम सरोज गुर्जर ने अपील की है कि सभी देशभक्त समय पर उपस्थित होकर इस राष्ट्रीय एकता व गौरव के प्रतीक आयोजन को सफल बनाने में योगदान दें।

मिनर्वा आई.व्ही.एफ. (टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर)
(निः संतान दंपत्तियों के लिए)
कम खर्च बेहतर इलाज
सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ट्यूब बेबी सुविधा
उपलब्ध सुविधाएँ
• IUI, IVF, ICSI
• फ्रोजन एंब्रियो ट्रांसफर साइकिल (FET)
• एग फ्रीजिंग
• एंब्रियो फ्रीजिंग
• स्पर्म फ्रीजिंग
डॉ. ज्योति ओझा मिश्रा
स्त्री एवं प्रसूति रोग
नि:संतानता रोग एवं टेस्टट्यूब बेबी विशेषज्ञ
MBBS, MD (ऑब्स & गायनी)
फैलोशिप इन रिप्रोडक्टिव मेडिसिन
एण्ड लेप्रोस्कोपिक सर्जरी
मध्यप्रदेश की प्रथम एवं अत्याधुनिक ICSI मशीन द्वारा इलाज उपलब्ध
टोल फ्री : 18008892250, मो.: 8878819362, 9303733830
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैण्ड, रीवा

व्हाइट टाइगर सफारी व 6 पंचायतों को रीवा में जोड़ने का कुत्सित प्रयास : डॉ राजेन्द्र कुमार सिंह

जागरण, सतना। अमरपाटन विधानसभा क्षेत्र तथा मैहर जिले की 6 पंचायतों मुकुन्दपुर धोबहट आमिन परसिया आनंदगढ तथा पपरा को रीवा जिले मे जोडने का कुत्सित प्रयास रीवा जिले के वरिष्ठ भाजपा नेता व प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल द्वारा शुरु किया गया प्रतीत होता है। मुख्य लक्ष्य तो उनका व्हाइट टाइगर सफारी है। लेकिन उसे आवरण से ढकने के लिए मुकुन्दपुर के साथ साथ 5 अन्य पंचायतों को जोडने की कोशिश है। इसमें घोर चालाकी की गई है। विधान सभा सत्र 8 अगस्त तक चलना था लेकिन जब अध्यक्ष ने 6 अगस्त को ही समाप्त घोषित कर दिया ।अगले दिन यानि 7 अगस्त को यह विवादित पत्र कलेक्टर मैहर ने एडीएम के माध्यम से जारी करा दिया ताकि विधान सभा में इसे उठाने से अमरपाटन विधायक वंचित रह जाए। यह लडाई अमरपाटन क्षेत्र के सभी नागरिको की है और यह हमारे सामने एक चुनौती दी गई है जिसे हम सब को विशेष कर युवाओं को स्वीकार करनी होगी। इसमें सभी राजनीतिक दल सामाजिक संगठन एनजीओ किसान संगठन व्यापारी संगठन अमरपाटन एवं रामनगर अधिवक्ता परिषद् इत्यादि सब को मिल कर संघर्ष करना है। मेरा प्रस्ताव है की अमरपाटन अधिवक्ता परिषद् समन्वयक का कार्य करे और हम लोग गांधीवादी तरीके से कानून का सम्मान करते हुए विरोध स्वरूप मैहर जेल को भर दें। अमरपाटन विधायक डॉ राजेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि मेरा प्रस्ताव है कि प्रथम चरण में एक हजार सत्याग्रही रजिस्टर कराए और नियत तिथि मे हम सब जेल चलें। पहले ही सरकार ने अमरपाटन के साथ कई अन्याय किए हैं जैसे मौहारी कटरा राजस्व परिक्षेत्र को अमरपाटन तहसील से काट कर रामपुर बघेलान में जोड़ दिया गया। अमरपाटन की जनता की इच्छा के विपरीत सतना से अलग कर मैहर जिले में शामिल करना मैहर जिले के प्रशासनिक मुख्यालय भवनों को अमरपाटन से और दूर मैहर के आगे कटनी रोड के ग्राम पोड़ी मे मंजूर करना जबकि इसे अमरपाटन- मैहर की बीच बनाया जाना चाहिए और अब मुकुन्दपुर सफारी के साथ 6 पंचायतों को रीवा जिले में मिलाने का प्रस्ताव किया गया है। विधायक श्री सिंह ने कहा हम सब प्रयास करें की ये सभी 6 ग्रामों की ग्राम सभाएं इसके विरोध में प्रस्ताव पारित करें। ध्यान देने योग्य है कि एसडीएम से लेकर अन्य अधिकारी पंचायतों पर इसे अनुमोदित करने का भारी दबाव बनायेंगे और हमारे बीच के कुछ जयचंद्रो और मीर जाफरो से भी सावधान रहना पड़ेगा। बापू ने कहा था कि अन्याय करने से बडा अपराध अन्याय सहना है। क्या इस चुनौती को स्वीकार करने क्षेत्र का युवा तैयार है।

अगस्त क्रांति आजादी के आंदोलन का स्वर्णिम अध्याय : सुरेंद्र शर्मा

जागरण, सतना। जदयू राष्ट्रीय समिति के पूर्व सदस्य अधिवक्ता सुरेंद्र शर्मा ने कहा कि 9 अगस्त 1942 का दिन 1857 की क्रांति के बाद आजादी के आंदोलन का सबसे महत्वपूर्ण जन क्रांति दिवस है जिसमें 8 अगस्त को मुंबई में कांग्रेस के अधिवेशन में महात्मा गांधी जी ने करो या मरो अंग्रेजों भारत छोड़ो卐 का नारा दिया था और प्रस्ताव पास किया गया था इस आंदोलन को कुचलने के लिए अंग्रेजी हुकूमत ने लाठी गोली चलाई जिसमें लगभग 25 हजार लोगों की जान गई थी। 9 अगस्त के दिन को समाजवादी नेता स्वतंत्रता संग्राम सेनानी डॉ राम मनोहर लोहिया ने जन दिवस माना था यह स्वतंत्रता आंदोलन का सबसे महत्वपूर्ण दिन है जिसके चलते एकजुट सारे नेताओं और क्रांतिकारियो के आव्हान पर सारा देश एक साथ आजादी के लिए उठ खड़ा हुआ था जिसकी परिणिति 15 अगस्त 1947 को आजाद भारत के रूप में साकार हुआ । इसीलिए 9 अगस्त का दिन अपने आप में महत्वपूर्ण है समाजवादी इस दिन को क्रांति दिवस के रूप में मनाते हैं।

विंध्य की एक मात्र महिला चर्म रोग विशेषज्ञ
समय- प्रतिदिन सुबह 10 से 2 एवं शाम 4 से 7 बजे तक रविवार अवकाश
डॉ. कोम्पल अग्रवाल
MBBS, MD (Dermatology & STD)
चर्म, सौंदर्य, नाखून, बाल, यौन, एवं कुष्ठ रोग विशेषज्ञ
अत्याधुनिक Laser द्वारा Hair Removal, Tatto Removal एवं Facial की सुविधा उपलब्ध
परामर्श:- दाद, खाज, खुजली, एक्जिमा, सोरायसिस, सफेद दाग, चेहरे की कील, मुंहासे, बालों का झड़ना, गंजापन, इत्यादि समस्त चर्म, नाखून, बाल एवं यौन संबंधी समस्याएं।
विशेष:- Co2 एवं MNRF LASER के द्वारा पिम्पल के गढ्ढे, दाग, झुर्रियां Stretch Marks, आदि के लिए इलाज की सुविधा
परामर्श शुल्क 300/-
मो.-7247097637
सौन्दर्य क्लीनिक शॉप नं. 86 तानसेन कॉम्पलेक्स कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम के सामने सिरमौर चौराहा रीवा (म.प्र.)

हमारी सेवाएं :-
• घुटना व कूल्हा प्रत्यारोपण।
• कमर दर्द / साइएटिका का दर्द।
• दूरबीन द्वारा लिगामेंट की सर्जरी।
• बच्चों की हड्डी संबंधित समस्याएं।
• गठिया व ऑस्टियोपोरोसिस का इलाज।
• फ्रैक्चर व ट्रॉमा का उपचार।
समय :- प्रतिदिन सुबह 10 से 2 बजे तक एवं सायं 4 से 6 बजे तक
संपूर्ण हड्डी व जोड़ रोग परामर्श OPD
डॉ. शान्तनु सिंह
एम.बी.बी.एस, एम.एस. (आर्थोपेडिक्स)
FIJR, OIJR (अहमदाबाद), फेलोशिप इन ज्वाइंट रिप्लेसमेंट
पूर्व सर्जन नार्वमेन्ट मेडिकल कालेज सागर
हड्डी एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ
ज्वाइंट रिप्लेसमेंट | कामप्लेक्स ट्रामा | आर्थोस्कोपी सर्जन
कामता मेडिकल
ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.)
9399312433
9981287311

चर्म, सौन्दर्य, एलर्जी एवं स्कीन केयर
डॉ. सिद्धार्थ तिवारी
MBBS, MD (Dermatology & STD)
परामर्श शुल्क मात्र 300/-
मिलने का समय प्रतिदिन सुबह 10 से 2 बजे सायं 4 से 7 बजे (रविवार अवकाश)
चर्म, सौन्दर्य, नाख्रून, बाल, कुष्ठ, गुप्त (यौन) एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
कामता मेडिकल
ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.)
9399312433
9981287311

SARDAR PATEL EDUCATION GROUP REWA • MP • INDIA
ADMISSIONS OPEN 2025-26
SARDAR PATEL UNIVERSITY Balaghat • MP
CSU COLLEGE OF
PHARMACY | ENGINEERING | ME | ICE | CSE | EEE | MINING
D. PHARMACY | POLYTECHNIC | B.TECH. | Cement Technology Engg. Mining & Mine Surveying Engg. (Mms)
B. PHARMACY | BBA/ MBA | BCA /MCA | B.A. LL.B.
छात्रवृत्ति सुविधा पात्र विद्यार्थियों को शासन के योजनानुसार | B.COM. LL.B. | BBA LLB. | LL.B / LL.M.
कैम्पस : सिरमौर रोड, ग्राम-पल्हान (उमरी चौक), बैकुण्ठपुर, रीवा
+91 70493 99901, 70493 99902
सिटी ऑफिस ज्योति स्कूल के सामने, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा

बैद्यनाथ
स्वस्थ हृदय ही अच्छे स्वास्थ्य की पहचान है!
बैद्यनाथ अर्जुनामृत
• अर्जुनामृत में अर्जुन के अलावा विडंग, गोखरू एवं नागकेशर जैसे बहुमूल्य जड़ी-बूटियां से युक्त होने से अधिक गुणकारी है।
• बढ़ती उम्र के लिए लाभकारी।
• अर्जुनामृत के साथ शुध्द शिलाजीत युक्त प्रभाकर बटी का सेवन विशेष लाभदायक है।
A.U.4127/09/25/283
आयुर्वेद अपनाए..स्वस्थ रहें!
श्रीमती नीता भट्टाचार्य, होशंगाबाद
प्र. बरसात के दिनों में सर्दी, खाँसी की तकलीफ बनी रहती है। कृपया आयुर्वेदिक उपचार बतायें।
उ. बैद्यनाथ लक्ष्मीविलास रस (नारदीय) 1-1 टॅब पीसकर शहद + अदरक रस के साथ लेवें। बैद्यनाथ कासविन 2-2 चम्मच सुबह शाम लेवें। रात को सोने के पूर्व बैद्यनाथ सितोपलादी चूर्ण आधा चम्मच शहद के साथ लेवें।
श्री रविन्द्र गौर, धमतरी
प्र. मुझे चार साल से बवासीर की तकलीफ है। शौच के जगह खुजली चलती है व दर्द बहुत होता है। कब्ज़ की तकलिफ है। शौचाद्वारा रक्त गिरता है।
उ. बैद्यनाथ सिड्पाईल्स 2-2 टॅबलेट दिन में दो बार पानी के साथ लेवें। बैद्यनाथ अभयामृत 2-2 चम्मच समभाग पानी के साथ दिन में दो बार भोजनबाद लेवें।
श्री आशुतोष पगारीया, रिवा
प्र. मेरी आयु 60 वर्ष है। मुझे 5 वर्ष से मधुमेह हुवा है। शरीर में कमजोरी लगती है। कृपया आयुर्वेदिक उपाय बतायें।
उ. महोदय, आप अपने खान पान का ध्यान रखें। व शुगर बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थों का परेहज करें। बैद्यनाथ मधुमेहारी ग्रेन्युल्स् 1-1 चम्मच सुबह-शाम पानी के साथ सेवन करें। इसका सेवन लगातार करें यह दवा किसी प्रकार का साइड इफेक्ट नही करती व रक्तशर्करा सामान्य बनाने में सहायक है।
श्री दिनेश व्यास, भोपाल
प्र. मेरी उम्र 55 वर्ष है। मै पेशाब की समस्या से परेशान हुँ। मुझे प्रोस्टेट की समस्या का पता चला है। कृपया आयुर्वेदिक दवां बताये।
उ. बैद्यनाथ प्रोस्ट-एड टॅबलेट 1-1 टॅबलेट सुबह शाम पानी के साथ लेवें।
वैद्य रमेश शर्मा, एम. डी. (आयु.)
प्रधान वैद्य
बैद्यनाथ के दवाइयों के साथ जानकारी हेतू सेवनविधी दी है। इस का प्रयोग वैद्यकिय परामर्श से करें।
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें : 844 844 4935 | www.baidyanath.co

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता**। आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालय:- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com